THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 265 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.2 2081 मंगलवार, 17 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'एक देश-एक चुनाव' के खिलाफ मुख्यमंत्री स्टालिन

चेन्नई, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी 'एक देश एक चुनाव' विधेयक के विरोध में उतर आए हैं। उन्होंने सोमवार को विधेयक के विरोध में सभी लोकतांत्रिक ताकतों और राजनीतिक दलों से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि चुनाव सुधार की आड़ में लाए गए कानून के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की विविधता और संविधान को बचाने की पहल की जाए। सीएम स्टालिन ने दावा किया कि इस विधेयक से भारत की राजनीति के बदलने का खतरा है। हालांकि भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के पास विधेयक को पारित करने के लिए बहुमत नहीं है।

दिल्ली-कोलंबो में सहयोग बढेगा : पीएम

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके भारत के दौरे पर हैं। राजकीय यात्रा के दूसरे दिन सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में दिसानायके का स्वागत किया। इस मौके पर दोनों देशों ने समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया।

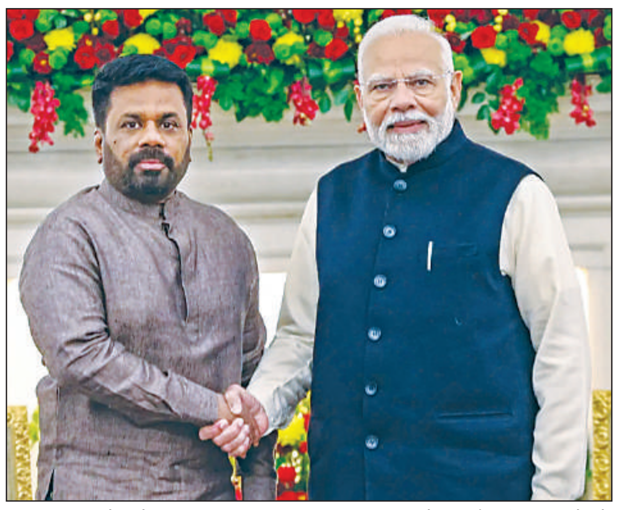

विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत-श्रीलंका साझेदारी में एक नया मील का पत्थर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के नेतृत्व में भारत और श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडलों के बीच व्यापक विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने व्यापक भारत-श्रीलंका साझेदारी की समीक्षा की और दोनों देशों के साथ-साथ क्षेत्र के पारस्परिक लाभ के लिए संबंधों को गहरा करने के रोडमैप पर सहमति व्यक्त की। इसके बाद, पीएम मोदी और दिसानायके ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने कहा, भारत ने सार्वजनिक सेवाओं को डिजिटल बनाने में जबरदस्त सफलता हासिल की है। श्रीलंका भी उसी मार्ग पर चल रहा है। पीएम मोदी ने मुझे इस कोशिश में समर्थन देने का आश्वासन दिया है।

पीएम मोदी ने श्रीलंकाई राष्ट्रपति का जताया आभार :

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं राष्ट्रपति दिसानायके का भारत में स्वागत करता हूं। हमें खुशी है कि राष्ट्रपति के रूप में आपने अपनी पहली विदेश राजकीय यात्रा के लिए भारत को चुना है। आज की यात्रा से हमारे संबंधों में नई गति और ऊर्जा का संचार हो रहा है। हमारी साझेदारी के लिए हमने एक भविष्योन्मुखी दृष्टि अपनाई है। हमारे आर्थिक सहयोग में, हमने निवेश-आधारित विकास और कनेक्टिविटी पर बल दिया है। हमने तय किया है कि भौतिक, डिजिटल और ऊर्जा कनेक्टिविटी हमारी साझेदारी के महत्वपूर्ण स्तंभ होंगे। बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी और मल्टी पेट्रोलियम पाइपलाइन के लिए काम किया जाएगा। उन्होंने कहा, जब पाली भाषा को भारत में शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया था, तो इसे श्रीलंका में भी मनाया गया था। फेरी सेवा और चेन्नई-जाफना उड़ान संपर्क ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है और हमारे सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत किया है। हमने फैसला किया है कि नागपट्टिनम और कांकेसंथुरई फेरी सेवाओं की सफल शुरूआत के बाद अब भारत में रामेश्वरम से तलाईमन्नार के बीच फेरी सेवा शुरू की जाएगी। >14

राम मंदिर : पुजारियों के लिए सख्त किए गए नियम

मोबाइल पूरी तरह से हुआ बैन, पालियों में बनाया गया ड्यूटी चार्ट

अयोध्या, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राम मंदिर में नये पुजारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। पुजारियों के लिए कई सख्त नियम भी बनाए गए हैं। सात-सात के ग्रुप में पुजारियों को दो पाली में ड्यूटी के लिए लगाया गया है। जो पुजारी गर्भगृह में रहेगा वह बाहर नहीं जा सकेगा। जिस पुजारी की ड्यूटी बाहर होगी वह गर्भगृह में प्रवेश नहीं कर सकेगा। बाहरी व्यक्तियों को स्पर्श करने पर बिना स्नान गर्भगृह में प्रवेश वर्जित होगा। गर्भगृह में पुजारी मोबाइल फोन का प्रयोग भी नहीं कर सकेंगे।

ड्यूटियों में परिवर्तन हर माह के कृष्ण पक्ष व शुक्ल पक्ष से होगा। यह ड्यूटी कृष्ण पक्ष के प्रतिपदा से शुरू होकर अमावस्या और फिर शुक्ल पक्ष में प्रतिपदा से लेकर पूर्णिमा तक

चलेंगी। रोजाना प्रथम पाली की ड्यूटी की शुरुआत सुबह चार बजे से भगवान के उत्थान के साथ होगी और मध्याह्न साढ़े 12 बजे तक भगवान के राजभोग आरती तक रहेगी। दूसरी पाली जो मध्याह्न साढ़े 12 बजे से शुरू होकर 4.30 बजे व 6.30 बजे से रात्रि 10.30 तक चलेगी। हनुमान मंदिर व कुबेर टीला पर स्थित कुबेरेश्वर महादेव के पूजन-अर्चन के लिए भी पुजारियों की ड्यूटी लगाई है। पुजारियों को राममंदिर में होने वाले अनुष्ठानों को भी करना होगा, अलग-अलग ड्यूटी इसके लिए भी लगाई गई है। राम जन्मभूमि के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया नये पुजारियों की ड्यूटी सोमवार से लगा दी गई है। बड़े ही सख्त नियम बनाए गए हैं। खासकर गर्भगृह में रहने वाले पुजारियों को इन नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। गर्भगृह में पुजारी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। मंदिर में प्रवेश करने के बाद पुजारियों के फोन रखने के लिए व्यवस्था की जा रही है। पुजारी किसी बाहरी व्यक्ति को स्पर्श करते हैं तो बिना स्नान के उनका प्रवेश मंदिर में वर्जित होगा। स्पर्श करने का मतलब है पुजारी किसी को चंदन-टीका नहीं लगा पाएंगे, माला भी नहीं पहना पाएंगे, क्योंकि इससे उन्हें बाहरी व्यक्ति को स्पर्श करना पड़ेगा।

वित्त मंत्री की खड़गे ने ली चुटकी

'उनकी अंग्रेजी अच्छी हो सकती है लेकिन हमें भी पढना आता है'

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में संविधान पर चर्चा का पीएम मोदी ने जवाब दिया था। आज राज्यसभा में भी संविधान पर चर्चा हो रही है। संविधान पर बहस के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर हमला करने को लेकर निर्मला सीतारमण पर कटाक्ष करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मुझे उन्हें बताना होगा कि मैं भी पढ़ना जानता हूं। मैंने म्यूनिसिपैलिटी स्कूल में पढ़ाई की है। निर्मला सीतारमण ने जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। यह तय है कि उनकी अंग्रेजी अच्छी होगी, उनकी हिंदी अच्छी होगी, लेकिन करतूत अच्छी नहीं है।

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में कहा, अब उनको बताना पड़ता है कि हमें भी थोड़ा-थोड़ा पढ़ना आता है। हम तो म्यूनिसिपैलिटी स्कूल में पढ़े हैं। उन्होंने जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की है। निश्चित है कि उनकी अंग्रेजी अच्छी हो सकती है, उनकी हिंदी भी अच्छी हो सकती है। सभी कुछ अच्छा हो सकता है, लेकिन उनकी करतूत अच्छी नहीं है। अहमद फराज की शायरी 'तुम खंजर क्यों लहराते हो' से खड़गे ने सरकार पर तंज किया।

रामलीला मैदान में जलाए गए थे पुतले

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, जो लोग राष्ट्रीय ध्वज से नफरत करते हैं, जो हमारे 'अशोक चक्र' से नफरत करते हैं, जो संविधान से नफरत करते हैं। ऐसे लोग हमें सिखाने की कोशिश कर रहे हैं। जब संविधान बनाया गया था, तो इन लोगों ने इसे जला दिया था। जिस दिन संविधान अपनाया गया था, उन्होंने रामलीला मैदान (दिल्ली में) में बाबासाहेब अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, महात्मा गांधी के पुतले जलाए थे।

'नेहरू के पत्रों में ऐसा क्या? जो गांधी परिवार नहीं बताना चाहता'

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। पीएमएमएल ने राहुल गांधी से जवाहरलाल नेहरू द्वारा लिखे गए व्यक्तिगत पत्रों को वापस करने का अनुरोध किया है। इसी मामले में सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। इस बीच, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ऐसा क्या था उन पत्रों में जो गांधी परिवार नहीं चाहता कि देश को पता चले।

51 पेटियों में थे वे पत्र...

इसी मामले में भाजपा सांसद पात्रा ने कांग्रेस की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा, इस संग्रहालय में शुरू में केवल नेहरू जी के ऐतिहासिक अभिलेख ही मौजूद थे। इनमें नेहरू जी द्वारा वैश्विक नेताओं को लिखे गए सभी

पत्र शामिल थे। बाद में पता चला कि 51 पेटियों में वे पत्र थे, जिन्हें नेहरू जी ने एडविना माउंटबेटन, जेपी नारायण और कई अन्य नेताओं को लिखे थे। साल 2008 में जब सोनिया गांधी यूपीए अध्यक्ष थीं, तो एक दिन वह संग्रहालय में गईं और ये सभी पत्र अपने साथ ले गईं।

राहुल गांधी से मांगी है मदद :

उन्होंने आगे कहा, अब एजीएम की बैठक के दौरान इतिहासकार रिजवान जी ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर पूछा कि ऐसा क्यों किया गया। उन्होंने राहुल गांधी से इन महत्वपूर्ण पत्रों को फिर से वापस लाने में मदद करने का अनुरोध किया है, जो सार्वजनिक संपत्ति थे।

कांग्रेस की मंशा क्या :

इसके अलावा, संबित पात्रा ने इस मुद्दे के पीछे कांग्रेस की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, सवाल यह है कि क्या लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी देश को इन पत्रों को लौटाने के लिए सोनिया गांधी से बात करेंगे। लोग जानना चाहते हैं कि नेहरू जी ने एडविना माउंटबेटन को क्या लिखा था। जब 2010 में इन सभी दस्तावेजों को डिजिटल करने का फैसला किया गया था, तो सोनिया गांधी ने डिजिटलीकरण होने से पहले इन पत्रों को क्यों लिया? इन पत्रों में ऐसा क्या था जो गांधी परिवार देश को नहीं बताना चाहता? >14

आजम और अब्दुल्ला की जमानत याचिका पर यूपी सरकार को 'सुप्रीम' नोटिस

'धर्म संसद' के खिलाफ याचिका भी सूचीबद्ध

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान द्वारा दायर याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा। याचिका में इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें मशीन चोरी के एक मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। खान और उनके बेटे ने हाईकोर्ट के 21 सितंबर के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है। बता दें, खान, उनके बेटे और पांच अन्य के खिलाफ 2022 में आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। आरोप था कि उन्होंने सड़क साफ करने वाली मशीन चुरा ली थी, जिसे नगर पालिका परिषद, रामपुर जिले ने खरीदा था। यह भी आरोप लगाया गया कि यह मशीन बाद में खान के रामपुर स्थित जौहर विश्वविद्यालय से बरामद की गई थी।

उत्तर प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के बाद वकार अली खान नामक व्यक्ति ने इस संबंध में 2022 में रामपुर के कोतवाली में सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने 2014 में सड़क की सफाई करने वाली सरकारी मशीन चुरा ली थी। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में 'धर्म संसद' के आयोजन पर रोक लगाने की मांग वाली एक याचिका का सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किया गया। इसमें आरोप लगाया गया कि मुसलमानों के खिलाफ नफरती भाषण दिए गए थे।

धार्मिक नारे लगाना अपराध कैसे हो सकता है? : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सवाल उठाया कि 'जय श्रीम राम' का नारा लगाना अपराध कैसे हो सकता है। जस्टिस पंकज मिठल और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट ने मस्जिद के भीतर कथित तौर पर जय श्री राम के नारे लगाने वाले दो व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को रद्द कर दिया था। शीर्ष कोर्ट में याचिका हैदर अली सी.एम. की ओर से दायर की गई थी। बेंच ने टिप्पणी की, वह लोग एक खास धार्मिक नारा या नाम चिल्ला रहे थे। यह अपराध कैसे हो सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने यह भी पूछा कि जिन लोगों ने मस्जिद के अंदर जाकर नारे लगाए, उन्हें कैसे पहचाना गया? याचिका में कर्नाटक हाईकोर्ट के 13 सितंबर के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें दो आरोपियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया गया था।

शीर्ष कोर्ट ने पूछा-आपने आरोपियों की पहचान कैसे की

बेंच ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील देवदत्त कामत से पूछा, आपने इन लोगों की पहचान कैसे की? आप कह रहे हैं कि ये सब सीसीटीवी में दिख रहे हैं। क्या उन लोगों की पहचान की गई है, जिन्होंने मस्जिद में प्रवेश किया? कामत ने कहा, हाईकोर्ट ने कार्यवाही को रद्द कर दिया था, जबकि मामले की जांच अधूरी थी। इस पर बेंच ने कहा कि हाईकोर्ट ने यह देखा कि आरोप आईपीसी की धारा 503 (आपराधिक धमकी) या धारा 447 (अवैध प्रवेश) के तत्वों को पूरा नहीं करते थे।

जनवरी में होगी मामले की सुनवाई

जब बेंच ने पूछा कि क्या आप उन व्यक्तियों को पहचान पाए हैं, जिन्होंने मस्जिद में प्रवेश किया? तो कामत ने कहा कि राज्य की पुलिस ही इसका जवाब दे सकती है।

'हर कानून के साथ संवैधानिकता की धारणा जुड़ी है' : सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि हर कानून के साथ संवैधानिकता की धारणा जुड़ी होती है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। याचिका में गुजरात सरकार के अशांत क्षेत्रों में संपत्तियों पर 1991 के कानून के कुछ प्रावधानों को निलंबित करने की मांग की गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने पूछा, कैसे एक अंतरिम आदेश के जरिए कानूनी प्रावधानों को निलंबित किया जा सकता है? हर कानून के साथ संवैधानिकता की धारणा जुड़ी होती है। गौरतलब है कि गुजरात उच्च न्यायालय ने याचिका दायर कर गुजरात के संपत्ति कानून, 1991 के अचल संपत्ति के हस्तांतरण पर रोक और अशांत क्षेत्रों में किरायेदारों को बेदखल किए जाने से बचाने के प्रावधानों को निलंबित करने की मांग की गई थी, लेकिन 28 अक्टूबर को गुजरात उच्च न्यायालय ने उस याचिका को खारिज कर दिया था।

महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक खास याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई। दरअसल, याचिका में समाज में महिलाओं, बच्चों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अखिल भारतीय दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों तथा उनसे संबंधित विभागों को नोटिस जारी किया। साथ ही मामले की अगली सुनवाई जनवरी में तय की। याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट वुमन लॉयर्स एसोसिएशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता महालक्ष्मी पवानी ने कहा कि छोटे शहरों में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं हो रही हैं और उन्हें दर्ज नहीं किया जा रहा है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद यौन हिंसा की करीब 95 घटनाएं हुई हैं, लेकिन इन्हें उजागर नहीं किया गया।

नपुंसक बनाने जैसी सजाएं मिलनी चाहिए :

उन्होंने कहा कि स्कैंडिनेवियाई देशों की तरह अपराधियों को रासायनिक नपुंसक बनाने जैसी सजाएं मिलनी चाहिए। पीठ ने कहा कि वह याचिका में उल्लेख किए गए कई अनुरोधों को स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि वे बर्बर और भयावह हैं, लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो बहुत नए हैं और उनकी जांच की आवश्यकता है। न्यायाधीश सूर्य कांत ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन में उचित व्यवहार बनाए रखने का सवाल विचार करने लायक मुद्दों में से एक है और बसों, मेट्रो और ट्रेनों में किसी को कैसे व्यवहार करना चाहिए, इस पर जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है।

बीपीएससी 70वीं प्राथमिक परीक्षा को लेकर आया बड़ा फैसला

एक केंद्र की परीक्षा रद्द की गई

पटना, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग ने बीपीएससी 70वीं की प्राथमिक परीक्षा को लेकर सोमवार को एक अहम फैसला लिया।

देशभर के परीक्षार्थियों की निगाहें इस फैसले पर टिकी थी। फैसले की जानकारी से पहले आयोग अध्यक्ष परमार रवि मनु भाई ने कहा कि 911 सेंटर के चार लाख 75 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा आम तौर पर शांतिपूर्व माहौल में संपन्न हुई। उन्होंने पूरी परीक्षा के दौरान पेपर लीक की बातों को खारिज करते हुए साफ कहा कि पूरी परीक्षा कैंसिल नहीं होगी, लेकिन एक केंद्र पर दोबारा परीक्षा ली जाएगी। दोबारा परीक्षा लेकर भी एक साथ ही परिणाम जारी किया जाएगा। बीपीएससी अध्यक्ष परमार रवि मनु भाई ने कहा कि बापू परीक्षा परिसर में हुई गड़बड़ी को लेकर पटना जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी गई थी। इसी आधार पर पूरी परीक्षा को कैंसिल कराने की मांग उठ रही थी। आयोग की आईटी सेल भी जांच कर रही है। जिन्होंने परीक्षा बाधित करने की कोशिश करते हुए आईटी नियम का उल्लंघन किया, उनपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए पटना एसएसपी के नेतृत्व में टीम का भी गठन किया गया है। परीक्षा कैंसिल करने सवाल पर बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा कि बापू परीक्षा परिसर में कुछ उपद्रवी तत्वों ने परीक्षा बाधित करने की कोशिश की।

विशेष प्रतिनिधि वार्ता के लिए चीन जा सकते हैं डोभाल

> संभावित बीजिंग की यात्रा के पीछे की वजह

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल अगले कुछ सप्ताह में बीजिंग की यात्रा कर सकते हैं। इस दौरान वे व्यापक सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि वार्ता के नए संस्करण में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह वार्ता करीब पांच साल के अंतराल के बाद होगी। इससे पहले विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की वार्ता दिसंबर 2019 में नई दिल्ली में हुई थी। वार्ता के इस तंत्र को बहाल करने का निर्णय 23 अक्टूबर को कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक में लिया गया था। सूत्रों के मुताबिक, एनएसए डोभाल 23वें दौर की एसआर वार्ता में भाग लेने के लिए संभवत: जल्द ही चीन की यात्रा करेंगे। एसआर वार्ता इस महीने के अंत में या जनवरी की शुरूआत में हो सकती है। हालांकि, अभी इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है कि एसआर वार्ता किस जगह पर होगी।

'वीडियो फुटेज है', 150 करोड़ रिश्वत के आरोपों पर सिद्धारमैया ने विजयेंद्र को घेरा, भाजपा का पलटवार

बेंगलूरू, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र पर अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिप्पाडी को 150 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश करने का आरोप लगाया था।

उनके इस आरोपों को भाजपा नेता ने खारिज कर दिया। हालांकि, विजयेंद्र द्वारा इन आरोपों को खारिज करने के एक दिन बाद कर्नाटक के सीएम ने बताया कि उनके पास वीडियो फुटेज है, जिसमें अनवर मणिप्पाडी को भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र पर रिश्वत लेने का आरोप लगाते हुए देखा गया है। उनके इन आरोपों पर भाजपा ने भी प्रतिक्रिया दी। पार्टी ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की।

सिद्धारमैया ने कहा, मनिप्पाडी ने खुद यह बात बताई थी। अब कौन सा बयान सच है और कौन सा झूठ? मनिप्पाडी ने ही सबसे पहले यह बात कही थी। अगर अब वह न कहता है तो इसमें क्या किया जाएगा। मेरे अनुसार, हमारी प्रतिक्रिया सही है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, वह (मणिप्पाडी) वही हैं जिसने दावा किया था कि उसे 150 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। इसका वीडियो रिकॉर्डिंग भी है। उसने यह बात एक प्रेस वार्ता में कही। अब इतने वर्षों बात वह इससे इनकार कर रहा है। सिद्धारमैया से जब यह पूछा गया कि क्या वे मणिप्पडी के कथित दावों की सीबीआई जांच का आदेश देंगे? उन्होंने कहा, मणिप्पाडी ने यह कहा। इस मुद्दे को उठाया जाएगा और चर्चा की जाएगी।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने कांग्रेस को घेरा

चुनाव हारने पर ईवीएम पर आरोप लगाने से कुछ नहीं होगा

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के ईवीएम को लेकर संदेह जताने के दावे को खारिज करने पर केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कांग्रेस पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को भी समझना होगा कि अब चुनाव हारने पर ईवीएम पर आरोप लगाने से कुछ नहीं होगा। क्योंकि उसके सहयोगी दल भी हकीकत को समझने लगे हैं और इस बारे में बात कर रहे हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता ने एक साक्षात्कार में ईवीएम पर लगाए जाने वाले आरोपों को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि जब आप जीतते हैं तो आप चुनाव परिणामों को स्वीकार करते हैं और जब आप हार जाते हैं तो ईवीएम को दोष देते हैं। ऐसा करना ठीक नहीं है। अब्दुल्ला ने कहा था कि जब आपके पास संसद के सौ से अधिक सदस्य एक ही ईवीएम का उपयोग करते हैं और आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में मनाते हैं तो आप कुछ महीनों बाद यह नहीं कह सकते कि हमें ईवीएम पसंद नहीं है, क्योंकि अब चुनाव नतीजे उस तरह नहीं जा रहे हैं जैसा हम चाहते हैं।

इसे लेकर केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि कांग्रेस को अब समझना चाहिए कि उसके इंडी गठबंधन के सहयोगी भी इस बारे में बात कर रहे हैं। ममताजी, शरद पवारजी, अखिलेश जी भी इस बारे में कह चुके हैं। आप ईवीएम को दोष नहीं दे सकते। कांग्रेस को अपनी गलतियों को सुधारना चाहिए। क्योंकि हम भी एक मजबूत विपक्ष चाहते हैं। हम नहीं चाहते कि विपक्ष कमजोर हो। कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण करने के बाद खुद में सुधार करना चाहिए।

भाजपा नेता दिनेश शर्मा ने कहा कि अब्दुल्ला सच कर रहे हैं। कुछ दिन बाद वह धारा 370 को लेकर भी यही कहने लगेंगे। वे कहेंगे कि भाजपा ने इसे हटाकर देश पर उपकार किया है। कांग्रेस के सहयोगी जानते हैं कि ईवीएम के जरिये चुनाव निष्पक्ष होते हैं। अगर वे जीत जाते हैं तो जश्न मनाते हैं और हार जाते हैं तो शिकायत करते हैं। उनका यह नाटक अब उजागर हो गया है। जेडीयू सांसद संजय झा ने कहा कि हम बिहार से आते हैं। हमने बूथ को लुटते और कमजोर लोगों को वोट डालने से रोकते हुए देखा है। जब से ईवीएम आई है तब से गरीब भी वोट डाल पा रहे हैं। कांग्रेस संविधान की एक प्रति लेकर घूमती है और सभी सांविधानिक संस्थाओं को नष्ट कर रही है।

विपक्षी सांसदों ने यह कहा

विपक्षी गठबंधन इंडिया से जुड़े सपा सांसद आनंद भदौरिया ने कहा कि हमारी पार्टी हमेशा से ईवीएम के खिलाफ रही है। सपा और अखिलेश यादव ने जी कहा है कि हम उत्तर प्रदेश में 80 सीटें जीतेंगे और ईवीएम को हटा देंगे। सपा ने हमेशा ईवीएम का विरोध किया है और हम इसके विरोध में रहेंगे। बाराबंकी से कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि पार्टी हमेशा से ईवीएम के खिलाफ रही है। हम लगातार यही कहते हैं। जब भी हम जीतते हैं तो भी हम यही कहते हैं कि ईवीएम को खत्म कर दिया जाए। हमने उत्तर प्रदेश में ज्यादा सीटें जीतीं, लेकिन फिर भी हम यही कहते हैं कि इसे खत्म कर देना चाहिए। कई देशों ने ईवीएम को खारिज कर दिया है क्योंकि इसमें हेरफेर की संभावना है। कांग्रेस के इमरान मसूद ने कहा कि अगर हम ईवीएम के दम पर सत्ता में भी आते हैं, तो भी हम ईवीएम को हटा देंगे। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है।

हरियाणा की राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने ली शपथ

कांग्रेस पर किया हमला, कहा-केवल गांधी परिवार की महिलाओं का विकास हुआ

चंडीगढ़, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा से निर्विरोध नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने आज संसद में राज्यसभा सांसद पद की शपथ ले ली। महिलाओं को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा, कांग्रेस के शासनकाल में महिला अध्यक्ष होने के बावजूद महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया गया! केवल गांधी परिवार की महिलाओं का ही विकास हुआ।

महिलाओं के विकास के नाम पर भी इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी के बाद प्रियंका गांधी ही पार्टी में उच्च पदों पर रहीं। उनकी पार्टी में भी कोई अन्य महिला किसी शीर्ष पद पर नहीं दिखी। जो महिलाएं थीं, उन्हें भी आगे आने का मौका नहीं दिया गया। भाजपा सांसद ने कहा, कांग्रेस को आपातकाल के दौर को नहीं भूलना चाहिए।

आर्थिक रूप से महिलाओं को मजबूत करना मेरा लक्ष्य

राज्यसभा सांसद बनने के बाद दिल्ली में अपनी पहली प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, मैंने महिला आयोग की अध्यक्ष के तौर पर काम किया, उससे पहले मैंने कई एनजीओ और अपनी बीजेपी पार्टी में काम किया। उसी तरह एक सांसद के तौर पर मैं भविष्य में भी महिला सशक्तिकरण के लिए काम करूंगी। महिलाओं के प्रति समाज की सोच बदलना बहुत जरूरी है, जिसके लिए जमीनी स्तर पर काम करना जरूरी है। महिलाओं का आर्थिक विकास मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य होगा। हरियाणा से बीजेपी नेता रेखा शर्मा निर्विरोध राज्यसभा सांसद चुनी गईं हैं। उनके विरोध में कांग्रेस या किसी दूसरी पार्टी के उम्मीदवार ने नामांकन नहीं भरा था।

खबरें जरा हटके

सरकारी नौकरी पाकर लौटा बेटा मां को यूं दी सलामी

देखने पहुंच गया पूरा गांव, आपको भी भावुक कर देगा वीडियो!

सोशल मीडिया पर हमें तरह-तरह की चीज़ें देखने को मिल जाती हैं. कभी कुछ मज़ेदार दिख जाता है तो कभी कुछ ऐसी चीज़ें, जिन्हें देखकर हम पलभर के लिए ही सही भावुक हो जाते हैं. इस वक्त भी एक ऐसा ही वीडियो हम आपको दिखाने जा रहे हैं, जो आपको भावुक कर देगा. ये एक बेटे की कामयाबी पर उसकी मां की प्रतिक्रिया को दिखा रहा है.

कोई चीज़ किसी के लिए क्या मायने रखती है, ये हम तब तक नहीं समझ सकते, जब तक कि हमने उसे महसूस न किया हो. एक ऐसा ही वीडियो देखकर आपकी आंखें नम हो जाएंगी, जो एक बेटे और मां की खुशी के पल हैं. बेटा कड़ी मेहनत के बाद जब कामयाबी का स्वाद चखता है, तो उसे देखकर न मां की आंखों से आंसू रुकते हैं और न ही बेटा खुद पर काबू रख पाता है.

मां के आगे बेटे का सैल्यूट

वायरल हो रहे वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक फौजी अपनी वर्दी में घर पर लौटता है. पूरा गांव उसे देखने के लिए तैयार खड़ा है. उसके घर के लोग फूल-मालाओं के साथ उसका स्वागत करने को तैयार हैं. इसी बीच वो अपने जूते उतारकर वर्दी में परेड करता हुआ अपनी मां के पास पहुंचता है और उनके गले लग जाता है. इस वक्त दोनों ही इतने भावुक होते हैं कि रो पड़ते हैं. आसपास के लोगों की आंखों में भी आप आंसू देख सकते हैं. ये वीडियो काफी भावुक करने वाला है.

न कुत्ता-न बिल्ली...इस कपल ने पाली है विदेशी छिपकली

बच्चों की तरह करते हैं प्यार

शौक बड़ी चीज है... यह कहावत तो हम सब ने सुनी है. किसी को शौक होता है महंगे कपड़ों का, किसी को शौक होता है महंगे घर का. लेकिन दिल्ली एनसीआर के पति-पत्नी का शौक बेहद अजीब है, जो काफी वायरल हो रहा है. मोहल्ले वालों के बीच यह चर्चा का विषय भी बन गया है. वजह आपको भी हैरान कर देगी. दरअसल, दिल्ली की रहने वाली जोया रहमान और उनके पति ने पाल रखी है. इगुआना छिपकली दिखने में 'कोमोडो ड्रैगन' जैसी लगती है. इसे देखने वाले लोग डर जाते हैं. यही नहीं जिस तरह लोग अपने पालतू कुत्ते को गले में पट्टा बांधकर उसे मॉर्निंग और इवनिंग वॉक कराने के लिए लेकर जाते हैं, ठीक उसी तरह जोया रहमान अपनी इगुआना छिपकली के गले में पट्टा बांधकर और उसे कपड़े पहनाकर बाहर लेकर जाती हैं. जैसे ही वह इगुआना छिपकली को बाहर लेकर निकलती हैं, वैसे ही पूरा मोहल्ला घर के अंदर चला जाता है. तो कुछ लोग इसे देखकर फोटो खींचने लग जाते हैं. इसका नाम उन्होंने सुल्ताना रखा है.

मेक्सिको से आई है सुल्ताना

लोकल ने जोया रहमान से बात की तो उन्होंने बताया कि इगुआना छिपकली को उन्होंने मेक्सिको से करीब सात साल पहले मंगाया था. तब तक भारत में इसकी ब्रीडिंग नहीं होती थी. लेकिन अब भारत के केरल में इसकी ब्रीडिंग होने लगी है. उन्होंने बताया कि उनको कुछ अलग पालने का शौक था इसलिए इगुआना छिपकली को पाल लिया. इस पर खर्चा न के बराबर होता है. इसका कोई भी इलाज हमारे देश में फिलहाल अभी नहीं होता है इसीलिए जब भी इसे कोई दिक्कत होती है तो ऑनलाइन ही मेक्सिको के डॉक्टर से बातचीत करके इसका ट्रीटमेंट शुरू किया जाता है.

43 साल में 12 बार शादी और तलाक, वो भी एक ही आदमी से

झन्ना गया सुनने वालों का दिमाग, पर माजरा था कुछ और ही!

एक वक्त था, जब शादियां हो जाती थीं, तो भी सांसें छूटने के साथ ही खत्म होती थीं. धीरे-धीरे वक्त बदला और रिश्ते उतनी ही जल्दी टूटने लगे, जितनी जल्दी जुड़ते थे. आजकल तो शादी जितने धूमधाम से होती है, लोग उतने ही कायदे से अपने तलाक को भी अनाउंस करते हैं और कई बार तो पार्टी भी देते हैं. हालांकि आज हम आपको जो घटना बताने जा रहे हैं, वो इन सबसे बिल्कुल अलग है. कपल शादी के कुछ सालों बाद तलाक ले लें, ये कोई नई बात नहीं है. ऑस्ट्रिया में एक ऐसे कपल की कहानी सामने आई है, जिन्होंने एक-दूसरे से पिछले 43 साल में 12 बार तलाक लिया और शादी की. ऑडिटी सेंट्रल की रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में ये अजीबोगरीब केस सामने आया है, जो खूब सुर्खियां बटोर रहा है.

43 साल में 12 बार शादी और तलाक

वियना का रहने वाला एक बुजुर्ग जोड़ा तब हेडलाइंस में आ गया, जब पता चला कि उसने पिछले 43 साल में एक-दूसरे से ही 12 बार शादी की और फिर 3-3 साल के अंतर पर तलाक लिया. आप भी सोच रहे होंगे कि भला ऐसा क्यों हुआ होगा? पहले पूरी कहानी जानिए. बुजुर्ग महिला के पति की मौत साल 1981 में हो गई थी. उसके बाद उसने एक दूसरे शख्स से शादी की. पड़ोसियों के मुताबिक कपल में काफी प्यार है और वे आदर्श जोड़े की तरह पिछले 43 साल से एक साथ एक ही घर में रहते हैं. उनके बीच कोई मतभेद भी नहीं हुआ. फिर आखिर ये हर ढाई-तीन साल के बाद तलाक लेकर दोबारा शादी करते क्यों थे? दरअसल ऑस्ट्रिया के कानून के एक लूपहोल का फायदा ये जोड़ा 43 साल से उठा रहा था. यहां की नीति के मुताबिक अगर कोई महिला विधवा होने के बाद अकेली रहती है, तो उसे सरकार की ओर से $28,300 यानि 24 लाख रुपये का भत्ता देती है.

3000 की पनीर मखनी और 400 की 1 रोटी

शख्स ने जैसे ही इंटरनेट पर डाला रेस्टोरेंट का बिल तो छिड़ गई तगड़ी बहस

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। जैसे ढाबे का खाना ठेले से महंगा होता है। वैसे ही रेस्टोरेंट का खाना आमतौर पर ढाबे से महंगा होता है। लेकिन अगर 3000 रुपये की पनीर और 400 रुपये की रोटी मिलने लगे, तो लोगों के लिए यह एक ताज्जुब की बात है। इंटरनेट पर एक रेस्टोरेंट का ऐसा ही बिल वायरल हो रहा है, जिस पर अब बहस छिड़ चुकी है।

महंगे रेस्टोरेंट का बिल अक्सर लोगों का चौंका देता है। दरअसल, इंटरनेट पर भी ईशान शर्मा नाम के एक यूजर ने 5-स्टार रेस्टोरेंट का बिल साझा किया था। जिसमें डिशेज का दाम देखकर अब लोग कमेंट सेक्शन में जमकर बहस करते नजर आ रहे है। बिल में जहां पनीर का दाम 3000 रुपये लिखा हुआ है। वही 1 रोटी 400 रुपये में बेची जा रही है। खास बात यह है कि इन सबके चलते रेस्टोरेंट अब 'कोई सेवा शुल्क' नहीं लेता है। फिर भी टोटल बिल देखकर, लोगों का दिमाग घूम गया है। कस्टमर ने रेस्टोरेंट के अंदर खाने के लिए 5 डिशेज ऑर्डर की थी। जिसमें शाही पनीर खुरचन 2900 रुपये, शाही दाल बुखारी 1200 रुपये, 3 पुदीना पराठा 1275 रुपये, 1 खस्ता रोटी 375 और शाही पनीर मखनी 2900 रुपये की थी। इन सभी डिशेज का टोटल बिल 10 हजार 30 रुपये आया है। बिल के ऊपर यह भी लिखा था कि 'हम कोई सेवा शुल्क नहीं लेते।' इस बिल को देख इंटरनेट यूजर्स के बीच बहस छिड़ चुकी है। एक यूजर ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा- जितने का पुदीना पराठा है उतने में मेरा पूरा डिनर हो जाए। दूसरे ने पूछा कि भाई अगर बिल पोस्ट ही करना है तो इतने महंगे होटल में क्यों जाते हो? तीसरे यूजर ने लिखा कि ऐसा क्या डाला था पनीर में। चौथे यूजर ने कहा कि अगर पैसे देने में इतनी ही हालत खराब होती है तो होटल जाने की फिर क्या जरूरत है।

संसद में हंगामे के बीच प्रियंका ने पूछा सवाल

मंत्री ने दिया जवाब; क्यों उठा फलस्तीन का मुद्दा?

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से जारी है। इस बार अभी तक का सत्र काफी ज्यादा हंगामेदार रहा। आज कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी फलस्तीन के प्रति अपना समर्थन दिखाने के लिए एक थैला लेकर संसद पहुंची। इस थैले में फलस्तीन लिखा था। संसद की कार्यवाही शुरू होने पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने लोकसभा में सवाल पूछा। उनका सवाल अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड में इंसान और जानवरों के बीच बढ़ते संघर्ष को लेकर था। उन्होंने बताया कि एक साल में जानवरों के हमले में 90 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। कांग्रेस सांसद ने सवाल किया कि जानवरों के हमले में प्रभावित होने वाले किसानों और आम लोगों के लिए मुआवजा का क्या इंतजाम है? उनके इस सवाल पर केंद्रीय मंत्र ने जवाब दिया।

केंद्रीय मंत्री ने प्रियंका गांधी के सवाल का दिया जवाब

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने प्रियंका गांधी के सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा, वायनाड के तीन तालुका क्षेत्रों में मैं खुद भी गया था। हम लोगों ने पूरी टीम बनाई गई थी। प्रशासन और वन विभाग के साथ मिलकर काम किया गया। यह जो कॉन्स्टेंसी क्षेत्र है, वह केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक का बड़ा इलाका है, इसके तहत ही ये कॉन्स्टेंसी आती है। हमारी सरकार के द्वारा जो कार्य कराए गए, उसकी कॉपी मैं आपको उपलब्ध करा दूंगा। इससे पहले शनिवार को प्रियंका गांधी और केरल के अन्य सांसदों ने वायनाड भूस्खलन त्रासदी के पीड़ितों के लिए राहत पैकेज की मांग की। उन्होंने इसके लिए संसद में प्रदर्शन भी किया। संसद भवन के मकर द्वार के पास प्रियंका गांधी अन्य सांसदों के साथ वायनाड के साथ भेदभाव बंद करो, के नारे भी लगाए। इस दौरान वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा, सरकार वायनाड को विशेष पैकेज देने से इनकार कर रही है। हमने गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध किया और प्रधानमंत्री को चिट्ठी भी लिखी। हिमाचल प्रदेश में भी बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। वे भी केंद्र से मदद की मांग कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राजनीतिक कारणों से केंद्र सरकार पीड़ितो को उनकी उचित सहायता से वंचित कर रही है। उन्होंने कहा, भारत के नागरिक होने के नाते सभी के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए। प्राकृतिक आपदाओं को लेकर कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। फलस्तीन के प्रति समर्थन दिखाने के लिए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी सोमवार को एक थैला लेकर संसद पहुंची। थैले में फलस्तीन लिखा था। कांग्रेस सांसद गाजा में इस्राइल की कार्रवाई के खिलाफ अपनी आवाज उठा रही हैं।

'मौत की धमकियों के बावजूद चिन्मय कृष्ण दास का लड़ूंगा केस'

प्रमुख बांग्लादेशी वकील रवींद्र घोष का बयान

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के एक प्रमुख वकील रवींद्र घोष ने सोमवार को दावा किया कि जेल में बंद हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास का प्रतिनिधित्व करने का फैसला करने के बाद से उन्हें मौत की धमकियां मिल रही हैं, लेकिन उन्होंने कसम खाई कि वह न्याय और अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। बता दें कि, रवींद्र घोष फिलहाल पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। वहीं पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार दास को निशाना बना रही है, क्योंकि वह हिंदुओं पर अत्याचारों के खिलाफ मुखर रहे हैं और सताए गए अल्पसंख्यक समुदाय को एकजुट कर रहे हैं। बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय के वकील ने बताया, मुझे पता है कि मेरे खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए जा सकते हैं, लेकिन इससे मैं नहीं रुकूंगा। मैंने जीवन भर अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मैंने मुसलमानों के लिए भी मुकदमे लड़े हैं और उन्हें न्याय दिलाने में मदद की है। एक दिन मौत आएगी, लेकिन मैं लड़ाई जारी रखूंगा।

रवींद्र घोष ने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में हिंदू अल्पसंख्यकों द्वारा निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डालते हुए दुख जताया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचार युद्ध के 'मूल सिद्धांतों' को पराजित करते हैं, जो पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान, अब बांग्लादेश के नागरिकों के साथ असमान व्यवहार को समाप्त करने के लिए लड़ा गया था।

15 साल पुराना ट्वीट वायरल होने के बाद शशि थरूर की सफाई

कहा-मेरे जॉर्ज सोरोस से संबंध नहीं

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी व्यवसायी और निवेशक जॉर्ज सोरोस के साथ मिलीभगत के आरोप से कांग्रेस घिरी है। इस बीच सोशल मीडिया पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का एक 15 साल पुराना पोस्ट वायरल हुआ। इस ट्वीट में कांग्रेस सांसद ने अरबपति सोरोस को पुराना दोस्त बताया था। इस पोस्ट के जवाब में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिकी निवेशक और व्यवसायी जॉर्ज सोरोस से किसी भी तरह के वित्तीय और राजनीतिक संबंध होने से इन्कार किया। थरूर ने 15 साल पुराने ट्वीट को लेकर छिड़े विवाद को बेतुका और अस्वस्थ जिज्ञासा का परिणाम बताया। सांसद और पूर्व राजनियक ने कहा कि सोरोस के साथ उनके संबंध पूरी तरह से सामाजिक हैं।

शशि थरूर ने एक्स पर लिखा कि ट्वीट के बारे में काफी अस्वस्थ जिज्ञासा है। मैं संयुक्त राष्ट्र में रहता था तो मैं न्यूयॉर्क के एक ईमानदार अंतरराष्ट्रीय सोच वाले निवासी के रूप में सोरोस को अच्छी तरह से जानता था। वह सामाजिक अर्थों में एक मित्र थे। मैंने कभी भी उनसे या उनके किसी फाउंडेशन से अपने लिए या किसी संस्था या उद्देश्य के लिए एक पैसा न तो लिया और न ही मांगा। शशि थरूर ने लिखा कि जिस ट्वीट को वायरल किया जा रहा है, उसके बाद मेरी सोरोस से केवल एक बार मुलाकात हुई। वह भी तब जब संयुक्त राष्ट्र में भारत के तत्कालीन राजदूत और अब केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रात्रिभोज आयोजित किया था। राजदूत पुरी ने कई प्रमुख अमेरिकी लोगों को मेरे साथ रात्रि भोज पर चर्चा के लिए आमंत्रित किया था। तब मेरी उनसे बेहद सीमित बातचीत हुई। इसके बाद से मैं सोरोस के संपर्क में नहीं हूं। मेरे पुराने संबंधों का कभी कोई राजनीतिक अर्थ नहीं रहा। थरूर ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि इस जवाब के बाद उन लोगों को कुछ समझ आएगा जो पंद्रह साल पुराने एक साधारण ट्वीट के आधार पर बेतुके आरोप लगा रहे हैं। लेकिन मैं जानता हूं कि ट्रोल फैक्टरी कैसे काम करती है। इसलिए मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि ऐसा नहीं होगा। सोशल मीडिया पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का 15 साल पुराना एक ट्वीट वायरल हो रहा है।

'तुम बहुत अधिक मोबाइल चला रही हो'

मां की यह बात सुनकर पुल से खाड़ी में कूद गई बेटी

मुंबई, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में इस महीने की शुरुआत में अपनी मां की डांट से क्षुब्ध होकर घर से निकली 15 साल की एक लड़की नौ दिनों बाद एक नाले में मृत पाई गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि मोबाइल फोन पर बहुत अधिक समय बिताने के कारण लड़की की मां ने उसे डांटा था जिसके कारण वह घर छोड़कर चली गई थी। पुलिस के मुताबिक लड़की अपने परिवार के साथ यहां डोंबिवली इलाके में रहती थी। पुलिस के अनुसार, उसकी मां ने पांच दिसंबर को उसे मोबाइल फोन पर ज्यादा समय नहीं बिताने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने को कहा। विष्णु नगर थाने के अधिकारी ने बताया कि बाद में लड़की गुस्से में घर से निकल गई।

उन्होंने आगे बताया कि उसे नहीं ढूंढ पाने पर उसके परिवार के सदस्यों ने अगले दिन स्थानीय पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने इसके बाद अपहरण के आरोपों पर प्राथमिकी दर्ज की। अधिकारी के अनुसार, पुलिस को यह भी सूचना मिली थी कि पांच दिसंबर को एक लड़की डोंबिवली के मोटागांव पुल से खाड़ी में कूद गई थी।

मानहानि केस : सत्येंद्र जैन की याचिका पर दिल्ली कोर्ट में हुई सुनवाई

भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को भेजा नोटिस

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन की याचिका पर कोर्ट ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज को नोटिस जारी किया है। उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत का मामला दर्ज है। राउज ऐवन्यू कोर्ट ने बांसुरी स्वराज को नोटिस भेजा है। अब कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 20 दिसंबर को होनी है।

जैन ने दर्ज कराई थी शिकायत

दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई थी। जैन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि स्वराज ने पांच अक्तूबर 2023 को एक टीवी साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसे लाखों लोगों ने देखा था।

ये है मामला

आरोप है कि एक टीवी इंटरव्यू के दौरान बांसुरी की टिप्पणियों ने उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। उन्होंने दावा किया है कि बांसुरी स्वराज की टिप्पणियां उन्हें बदनाम करने और अनुचित राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए थी। जैन के अनुसार, स्वराज ने झूठा दावा किया कि उनके आवास से तीन करोड़, 1.8 किलोग्राम सोना और 133 सोने के सिक्के बरामद किए गए। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि ये आरोप निराधार और उनकी छवि को खराब करने के लिए राजनीति से प्रेरित थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार
किसी को खुश देख कर यदि आप खुश होते हैं तो यकीनन आप एक खूबसूरत इंसान है।

पोन्नम ने बीआरएस को बहस की चुनौती दी

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बीआरएस नेताओं को पिछले दस वर्षों में पिछड़ा वर्ग पर खर्च किए गए धन पर खुली बहस की चुनौती दी है। विपक्षी सदस्यों ने सामुदायिक भवनों के निर्माण पर विधान परिषद में एक प्रश्न उठाया। इस विषय पर प्रतिक्रिया देते हुए, मंत्री ने कई महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीआरएस सरकार ने अपने दस साल के शासन के दौरान पिछड़ा वर्ग को 8,000 करोड़ रुपये आवंटित किए थे, लेकिन केवल 2,000 करोड़ रुपये ही जारी किए गए। इसके अलावा,

पिछड़ा वर्ग योजनाओं या पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए एक भी रुपया खर्च नहीं किया गया। पोन्नम प्रभाकर ने विपक्षी दलों को चुनौती दी कि जो भी सदन में आए, वह इस विषय पर चर्चा करने के लिए तैयार है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार कांग्रेस पार्टी द्वारा कामारेड्डी में विधानसभा चुनाव के दौरान घोषित पिछड़ा वर्ग घोषणापत्र को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है और सरकार निश्चित रूप से 42 स्वीकृत सामुदायिक भवनों का निर्माण करेगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पिछड़ा वर्ग के विकास के लिए गंभीरता से काम कर रही है और इसके प्रयास के तहत जाति जनगणना कराई जा रही है, जिसका उद्देश्य तदनुसार आरक्षण देना है।

बस की कार से टक्कर महिला की मौत, 4 घायल

सिद्दीपेट, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह गजवेल के पास रिम्मनगुडा में राजीव राहधारी पर आरटीसी बस द्वारा एक कार को टक्कर मारने से एक महिला की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान श्रावणी के रूप में हुई है। उसके परिवार के सदस्य सुधाकर, लतिक, साई और गणेश गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित सिद्दीपेट के मिरुदोड्डी के मूल निवासी थे और दम्मईगुडा में रहते थे। घायलों को गजवेल के सरकारी अस्पताल ले जाया गया तथा मामला दर्ज कर लिया गया।

तेलंगाना में कड़ाके की ठंड

हैदराबाद में पारा 7.1 डिग्री सेल्सियस तक गिरा

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और तेलंगाना राज्य के अन्य हिस्से भीषण शीतलहर की चपेट में हैं। आदिलाबाद के बेला में सोमवार की सुबह इस मौसम का सबसे कम तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) परिसर, सेरिलिंगमपल्ली मंडल में न्यूनतम तापमान 7.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मौलाअली (उप्पल मंडल) में न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

समूचा हैदराबाद और इसके पड़ोसी जिले, जिनमें संगारेड्डी, विकाराबाद, मेडचल-मलकाजगिरी और रंगारेड्डी जिले शामिल हैं, तीव्र शीत लहर की चपेट में हैं और रविवार मध्य रात्रि से लेकर सोमवार तड़के तक कई मुख्य क्षेत्रों में तापमान सामान्य न्यूनतम तापमान से काफी नीचे चला गया।

भेल में सोमवार को सुबह न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, राजेंद्रनगर में पारा 8.2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, उसके बाद गच्चीबोवली में तापमान 9.3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। सिकंदराबाद में सोमवार को सुबह पश्चिम मरेडपल्ली में तापमान 9.1 डिग्री सेल्सियस के करीब था, जबकि कुथबुल्लापुर में न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तेलंगाना राज्य के कई जिलों में भी तीव्र शीतलहर की स्थिति बनी रही और आदिलाबाद, निर्मल, विकाराबाद, कुमराम भीम आसिफाबाद में तापमान 6.3 डिग्री सेल्सियस और 7 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। तेलंगाना राज्य के समूचे ग्रामीण भागों में भी शीतलहर जारी रही तथा आदिलाबाद, रंगारेड्डी, निर्मल संगारेड्डी, मेदक, सिद्दीपेट आसिफाबाद, विकाराबाद और कामारेड्डी में न्यूनतम तापमान में काफी गिरावट आई।

बीएसी में चर्चा के बिना विधानसभा के एजेंडे को अंतिम रूप देना अनुचित है : विधायक

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी और डॉ. संजय ने कहा कि बीएसी में चर्चा किए बिना विधानसभा के एजेंडे को अंतिम रूप देना अनुचित है। तेलंगाना विधानसभा स्थल पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चर्चा लागचेरला में किसानों की अवैध गिरफ्तारी पर होनी चाहिए, न कि पर्यटन पर। उन्होंने सवाल किया कि लागचेरला के किसानों ने क्या गलत किया है। उन्होंने सवाल किया कि किसानों ने एक महीने तक जेल में रहने के लिए क्या गलत किया है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि क्या दिल का दौरा पड़ने वाले हीरा नायक को हथकड़ी पहनाकर अस्पताल लाना सही था। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि तेलंगाना सरकार ने तेलंगाना के सभी किसानों पर संदेह किया है और उनका अपमान किया है।

कौशिक रेड्डी और संजय ने अदाणी के दामाद और उनके भाइयों के लिए रेवंत रेड्डी द्वारा भूमि अधिग्रहण पर अपना गुस्सा व्यक्त किया। उन्होंने खुलासा किया कि लागचेरला पर चर्चा कराने के लिए स्थगन प्रस्ताव दिया गया था। उन्होंने मांग की कि लागचेरला में किसानों की अवैध गिरफ्तारी पर हर हाल में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के पास राज्य में दिल्ली पर्यटन और जेल पर्यटन के अलावा दिखाने के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि लोग चाहते हैं कि चुनाव तुरंत हों। उन्होंने कहा कि किसानों को लगता है कि चुनाव होने से रेवंत की अराजकता खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि 75 लाख किसान रेवंत से नाराज हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता कर्ज पर झूठा प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आरबीआई की पुस्तिका में जो उल्लेख है उसके अनुसार तेलंगाना का कर्ज 3 लाख 17 हजार करोड़ रुपये है। लेकिन उन्होंने कहा कि भट्टी विक्रमार्क ने विधानसभा को यह कहकर गुमराह किया कि तेलंगाना का कर्ज सात लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि वे वित्त मंत्री भट्टी विक्रमार्क के खिलाफ सदन के अधिकारों के हनन का नोटिस देंगे।

तेलंगाना की हरित ऊर्जा नीति तैयार हो रही है : सीएमडी

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के सीएमडी मुशर्रफ फारुकी ने कहा कि तेलंगाना सरकार की हरित ऊर्जा नीति तैयार हो रही है और जल्द ही इसे जारी किया जाएगा। वे भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सहयोग से फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) की ऊर्जा समिति द्वारा आयोजित स्वच्छ ऊर्जा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे। तेलंगाना में हरित ऊर्जा के मामले में अपार संभावनाएं हैं। तेलंगाना की क्षमता अद्वितीय है। यह चारों ओर से भूमि से घिरा हुआ राज्य है। इसके अपने विशिष्ट लाभ और चुनौतियां हैं। यह भारत का एकमात्र राज्य है जो कृषि को मुफ्त बिजली देता है। अधिकारी ने कहा कि यही कारण है कि बिजली से हरित ऊर्जा की ओर जाना भी चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने एक स्टार्टअप द्वारा लाए गए एआई-संचालित प्लेटफॉर्म का अनावरण किया, जो कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टि प्रदान करता है और उपभोक्ताओं को ऊर्जा संरक्षण और बिजली बिल कम करने के लिए सशक्त बनाता है। इससे पहले दिन में, उद्घाटन समारोह में तेलंगाना सरकार के ऊर्जा विभाग के पूर्व विशेष मुख्य सचिव अजय मिश्रा ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि एमएसएमई को सरकार से आनुपातिक समर्थन और लाभ मिलना चाहिए। सात में से एक एमएसएमई द्वारा नियोजित है। एमएसएमई के पास स्वच्छ ऊर्जा के अलावा कोई विकल्प नहीं है। तेलंगाना में हमारे पास 26 लाख एमएसएमई हैं और इस सम्मेलन का उद्देश्य एमएसएमई को स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। यह स्वच्छ ऊर्जा, हरित ऊर्जा का युग है। यह भविष्य है, उन्होंने घोषणा की। एफटीसीसीआई की ऊर्जा समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार अग्रवाल ने कहा कि सरकार ऊर्जा संक्रमण और डीकार्बोनाइजेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऊर्जा परिवर्तन के लिए बुनियादी ढांचे में बदलाव महत्वपूर्ण है और सरकार इस बदलाव को लाने में प्रमुख भूमिका निभाती है। ऊर्जा परिवर्तन और उद्योग का डीकार्बोनाइजेशन बुनियादी ढांचे में बदलाव के लिए प्राथमिक उत्प्रेरक हैं। हैदराबाद विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए नोडल एजेंसी, हैदराबाद के अनुसंधान और नवाचार सर्कल की स्थिरता के निदेशक श्रीनिवास चेरला ने कहा कि तेलंगाना की कुल ऊर्जा खपत 70के जीडब्ल्यूएच है। एमएसएमई ऊर्जा खपत 257 (6.1के से 7के जीडब्ल्यूएच) है। एमएसएमई ऊर्जा खपत में नवीकरणीय घटक दुखद रूप से 0.60-1के जीडब्ल्यूएच है। तेलंगाना को बिजली क्षेत्र को खोलने और नीति में सुधार करने की जरूरत है।

मोहन बाबू पारिवारिक विवाद की जांच जारी

अभिनेता के स्वास्थ्य संबंधी दावों के कारण पुलिस पूछताछ में देरी

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने सोमवार को कहा कि अभिनेता मंचू मोहन बाबू के परिवार के भीतर विवाद से संबंधित तीन प्राथमिकियों के संबंध में जांच चल रही है।

सोमवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए आयुक्त ने कहा कि मोहन बाबू का बयान अभी दर्ज किया जाना बाकी है, क्योंकि अभिनेता ने दावा किया है कि वह बीमार हैं और चिकित्सकीय देखरेख में हैं।

सुधीर बाबू ने कहा कि मोहन बाबू ने अदालत का दरवाजा भी खटखटाया है, जिसने उन्हें 24 दिसंबर तक पुलिस जांच से छूट दे दी है।

हमने पहले ही उन्हें नोटिस जारी कर दिया है। हम जांच अधिकारियों के समक्ष उनकी उपस्थिति के लिए एक और नोटिस जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि हम इस बात पर भी विचार करेंगे कि क्या 24 दिसंबर से पहले अभिनेता से पूछताछ की अनुमति दी जा सकती है या नहीं? मोहन बाबू द्वारा अपने हमले में घायल हुए टीवी पत्रकार से मिलने के लिए अस्पताल जाने तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने का दावा करते हुए आंध्र प्रदेश के चित्तूर की यात्रा करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आयुक्त ने कहा कि इन घटनाक्रमों की जांच अधिकारियों द्वारा पुष्टि की जाएगी।

1.2 करोड़ रुपये का अफीम का पुआल जब्त, 3 गिरफ्तार

अंतरराज्यीय ड्रग रैकेट का भंडाफोड़

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशन टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एक अंतरराज्यीय ड्रग तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है और सोमवार को मीरपेट में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने उनके पास से 1.2 करोड़ रुपये मूल्य का लगभग 53.5 किलोग्राम अफीम का पुआल जब्त किया है।

गिरोह मध्य प्रदेश के नीमच से हैदराबाद में मादक पदार्थ की तस्करी कर उसे ऊंचे दामों पर उपभोक्ताओं को बेच रहा था। सूचना मिलने पर एसओटी और स्थानीय पुलिस ने मादक पदार्थ ले जा रहे वाहनों को रोका और अपराधियों को पकड़ लिया। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू द्वारा बाद में एक मीडिया सम्मेलन में इस भंडाफोड़ के बारे में अधिक जानकारी साझा करने की उम्मीद है।

पुलिस कांस्टेबल की हृदयाघात से मौत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 16 दिसबर (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर में सोमवार को 51 वर्षीय हेड कांस्टेबल थिरुपथैया की हृदयाघात से मौत हो गई। थिरुपथैया ने सीने में दर्द की शिकायत की और सुबह 6 बजे बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत शहर के एक अस्पताल में ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह सेंट्रल क्राइम स्टेशन (सीसीएस) में काम कर रहे थे। उनके परिवार में पत्नी, बेटा और बेटी हैं। करीमनगर जिले के जम्मीकुंटा के रहने वाले थिरुपथैया 1993 में पुलिस विभाग में शामिल हुए थे।

इस बीच डीएसपी रामानुजम, विशेष शाखा निरीक्षक राणा प्रताप और पुलिस अधिकारी कल्याण संघ के अध्यक्ष विजय शंकर रेड्डी ने कांस्टेबल के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी। रामानुजम ने पुलिस विभाग की ओर से तत्काल राहत के तौर पर थिरुपथैया के परिजनों को 30,000 रुपये सौंपे।

एससीआर के 13 सदस्यों को 'महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान 13 कर्मचारियों को अक्टूबर और नवंबर के महीनों के लिए महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार उन कर्मचारियों को दिया जाता है, जिन्होंने असुरक्षित परिस्थितियों को रोकने के लिए कर्तव्य के प्रति सतर्कता और समर्पण दिखाया है। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने सतर्कता दिखाने और असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए समय पर कार्रवाई करने के लिए सिकंदराबाद डिवीजन-04, विजयवाड़ा डिवीजन-02,

गुंटकल डिवीजन-05, गुंटूर डिवीजन-01 और नांदेड़ डिवीजन-01 से संबंधित कर्मचारियों को महीने का कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किया। कर्मचारी लोको पायलट, स्टेशन मास्टर और तकनीशियन आदि विभिन्न श्रेणियों से संबंधित हैं। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उन्हें अत्यंत समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करने की प्रतिबद्धता के लिए सराहना की। बैठक के दौरान, अरुण कुमार जैन ने अगस्त-सितंबर, 2024 के महीनों के दौरान काजीपेट-विजयवाड़ा खंड में मानसून के मौसम के दौरान दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा अपनाई गई आपदा प्रतिक्रिया और पुनर्प्राप्ति रणनीतियों पर एक पुस्तिका जारी की। महाप्रबंधक ने कहा कि पुस्तिका का उद्देश्य न केवल अशांत मौसम पैटर्न से निपटने के लिए क्षेत्र द्वारा उपयोग किए जाने वाले अभिनव तरीकों को उजागर करना था, बल्कि संदर्भ के बिंदु के रूप में काम करना और ऐसी संकट स्थितियों के दौरान भविष्य की पीढ़ियों की मदद करना भी था। बाद में, महाप्रबंधक ने पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने चल रहे सुरक्षा अभियान की स्थिति की जांच की और अधिकारियों को सलाह दी कि यदि कोई कमी है, तो उसे जल्द से जल्द ठीक किया जाना चाहिए। उन्होंने जोन में कोहरे सुरक्षा उपकरणों के स्टॉक की स्थिति की भी समीक्षा की और अधिकारियों को कोहरे के मौसम की स्थिति को देखते हुए पर्याप्त स्टॉक सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने चालक दल के काम के घंटों पर भी चर्चा की और सभी मंडल रेल प्रबंधकों को चालक दल के सदस्यों को दिए जाने वाले उचित आराम की सावधानीपूर्वक योजना बनाने का निर्देश दिया। इसके अलावा, अरुण कुमार जैन ने जोन में रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी)/रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने डिवीजनवार विवरण की जांच की और अधिकारियों को वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्यों में और तेजी लाने की सलाह दी।

तेलंगाना पुलिस ने डिजिटल इंजीनियरिंग अवाड्र्स में शीर्ष स्थिरता पहल जीती

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस को गणेश चतुर्थी उत्सव विसर्जन के दौरान जीआईएस और एआई तकनीकों के अभूतपूर्व उपयोग के लिए चैलेंजर श्रेणी में शीर्ष स्थिरता पहल के लिए प्रतिष्ठित डिजिटल इंजीनियरिंग पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। टेक्सास के डलास में पुरस्कार समारोह के दौरान, सूचना सेवा समूह और एक न्यूज चैनल के सहयोग से एलएंडटी प्रौद्योगिकी सेवाओं द्वारा आयोजित डिजिटल इंजीनियरिंग पुरस्कार-वैश्विक इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और नवाचार को मान्यता देते हैं और उसका जश्न मनाते हैं।

विजेता कार्यक्रम बड़े पैमाने पर सार्वजनिक समारोहों के प्रौद्योगिकी-नेतृत्व वाले समन्वय में एक अग्रणी प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है, जो नवाचार, स्थिरता और सुरक्षा को एकीकृत करके स्मार्ट सिटी प्रौद्योगिकियों के लिए एक वैश्विक बेंचमार्क स्थापित करता है। इस वर्ष गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान लागू किया गया, इसने 150,510 से अधिक गणेश मूर्तियों के विसर्जन से जुड़ी चुनौतियों को संबोधित किया, जिसमें प्रभावी भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण शामिल है। उन्नत जीआईएस और एआई उपकरणों का उपयोग करके, तेलंगाना पुलिस ने 15,000 से अधिक नगरपालिका कर्मचारियों और 25,000 पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर स्थिरता को

प्राथमिकता देते हुए दस दिवसीय उत्सव का सफलतापूर्वक शांतिपूर्ण उत्सव मनाया। प्रस्तुतियों का मूल्यांकन वैश्विक विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा किया गया, जिसमें प्रोफेसर जिम ऑस्टिन, व्हार्टन बिजनेस स्कूल और ब्राउन यूनिवर्सिटी, प्रोफेसर (डॉ.) मार्कोस कॉफ़मैन, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी, नीलू सेठी, ब्रिंक्स इंक., वैनेसा एरिक्सन, जीआईटीएन (गर्ल्स इन टेक नॉर्डिक्स) और स्टीव हॉल, प्रशांत केल्कर और आईएसजी के गौरव गुप्ता शामिल थे। निर्णायक मानदंड नवाचार, डिलीवरी परिशुद्धता, मूर्त व्यावसायिक प्रभाव और स्थायी मूल्य सृजन पर आधारित थे। इस वर्ष के नामांकन 230 से अधिक हो गए, जो उद्योगों में विशेष रूप से एआई और जनरल एआई में डिजिटल इंजीनियरिंग की बढ़ती प्रमुखता को दर्शाता है। उल्लेखनीय विजेताओं में उत्तरी अमेरिका की कंपनियां शामिल थीं, जो नवाचार में अग्रणी बनी हुई हैं, जैसा कि इस क्षेत्र से 150 से अधिक प्रस्तुतियों से स्पष्ट है। यूरोप और एशिया-प्रशांत ने भी बेजोड़ दक्षता, व्यावसायिक स्थिरता और परिचालन उत्कृष्टता के लिए डिजिटल इंजीनियरिंग का लाभ उठाने में उल्लेखनीय गति का प्रदर्शन किया। वी वी श्रीनिवास राव, आईपीएस एडीजीपी, तेलंगाना पुलिस- पीसीएस एंड एस, हैदराबाद, भारत ने कहा, यह पुरस्कार जीतना सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ अत्याधुनिक तकनीक को मिलाने की तेलंगाना पुलिस की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें सुरक्षित और स्थायी रूप से मनाया जाए। तेलंगाना पुलिस कमांड कंट्रोल सेंटर और फील्ड कर्मियों की एक विशेषज्ञ टीम का लाभ उठाते हुए हमारा अभिनव दृष्टिकोण दर्शाता है कि जब तकनीक और टीमवर्क सहज रूप से जुड़ते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है। इस पहल ने तेलंगाना पुलिस कमांड कंट्रोल सेंटर के साथ विकसित जीआईएस-आधारित अनुप्रयोगों का उपयोग किया, जिससे पंडालों, भीड़ की आवाजाही और यातायात प्रवाह की वास्तविक समय पर नज़र रखने की अनुमति मिली। विसर्जन जुलूसों की निगरानी और अवैध पार्किंग और भीड़भाड़ जैसी विसंगतियों का पता लगाने के लिए 733 सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन सहित एआई-संचालित निगरानी प्रणालियों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया था। इस तकनीकी एकीकरण ने इस आयोजन को बदल दिया।

शिल्पा लेआउट द्वितीय स्तर फ्लाईओवर का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए : आयुक्त इलांबर्ती

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती ने संबंधित अधिकारियों को शिल्पा लेआउट सेकेंड लेवल फ्लाईओवर का काम तेजी से पूरा करने का निर्देश दिया है। सोमवार को उन्होंने शिल्पा ले आउट सेकेंड लेवल फ्लाईओवर के काम का निरीक्षण किया, जो गच्चीबोवली से कोंडापुर तक जाता है। इस मौके पर आयुक्त ने अधिकारियों को सर्विस रोड से संबंधित भूमि अधिग्रहण का काम पूरा करने का आदेश दिया। जोनल कमिश्नर को आदेश दिया गया कि छात्रों के लिए बिना किसी परेशानी के सीएसआर तरीके से भवन का निर्माण कराने के लिए कदम उठाएं क्योंकि सरकारी स्कूल का भवन भूमि अधिग्रहण में कुछ हद तक कम है।

उन्होंने कहा कि फुट ओवर ब्रिज के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार किया जाए ताकि छात्रों को सड़क के दोनों ओर से गुजरने की स्थिति में कोई खतरा न हो। उन्होंने कहा कि फ्लाईओवर निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा, अगर यह फ्लाईओवर उपलब्ध हो जाता है, तो गच्चीबोवली जंक्शन से कोंडापुर तक यातायात की समस्याएं कम हो जाएंगी और समय पर गंतव्य तक पहुंचा जा सकेगा। आयुक्त ने कहा कि जीएचएमसी राज्य सरकार के निर्देशानुसार शहरवासियों के लिए बेहतर परिवहन व्यवस्था स्थापित करने के लिए काम कर रही है। इस कार्यक्रम में प्रोजेक्ट सीई देवानंद, सेरिलिंगमपल्ली जोनल कमिश्नर उपेन्द्र रेड्डी, एसई शंकर नाइक, डीसी मुकुंद रेड्डी, ईई हरीश, नाइक, टाउन प्लानिंग सहायक स्वास्थ्य अधिकारी रजनी कांत रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

'सच्चाई सामने आई खटाखट: जनता ने किया सफाचट'

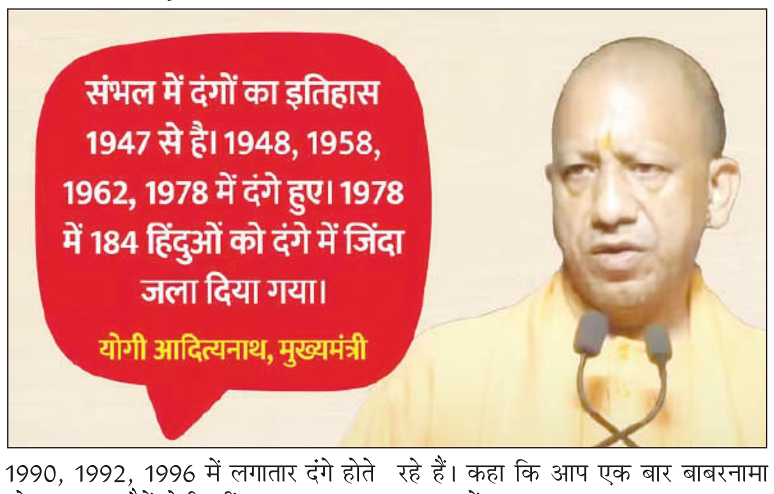

लखनऊ, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सदन में विपक्ष को जवाब देते हुए सीएम योगी ने कहा कि एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में सांप्रदायिक दंगों में 97 फीसदी तक की कमी आई है। 2012-2017 के दौरान सपा के कार्यकाल के दौरान 815 सांप्रदायिक दंगे हुए। इसमें 192 लोगों की मौत हुई। इससे पिछले कार्यकाल में भी 616 दंगे हुए। जिसमें 121 लोगों की मौत हुई।

राम नाम बोलना सांप्रदायिक नहीं

सीएम योगी ने कहा कि मिलने पर राम राम बोलते हैं। अंतिम यात्रा में राम नाम सत्य बोलते हैं। राम नाम बोलना कहां से सांप्रदायिक हो गया। विपक्ष को निशाने पर लेकर कहा कि आप लोग सत्य पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं।

मंदिर को तोड़कर ही मस्जिद बनाई गई

सीएम योगी बोले नेता प्रतिपक्ष कहते हैं कि मंदिर निकल आएगा तो क्या मंदिर बन जाएगा। कहा कि बाबर नामा भी यही कहता है कि मंदिर को तोड़कर ही हर मस्जिद को बनाया गया है। कहा कि सर्वे के दौरान दो दिन कोई शांति भंग नहीं हुई। लेकिन तीसरे दिन जुमे के नमाज के बाद जो सक्रियता देखी गई। उसके बाद घटना हुई।

दूध का दूध और पानी का पानी हो

कहा कि हम ज्यूडिशियल कमेटी बनाएंगे। दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। कहा कि विपक्ष सच्चाई को स्वीकार नहीं करेगा। 1982 में दंगा हो गया। 1986, 1990, 1992, 1996 में लगातार दंगे होते रहे। लगातार मौतें होती रहीं। अब तक 209 हिंदुओं की हत्या हो चुकी। लेकिन किसी ने उन निर्दोश हिंदुओं के बारे में दो शब्द भी नहीं कहे। आज घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहेब के संविधान में धर्म निरपेक्ष, पंथ निरपेक्ष या समाजवाद का एक भी शब्द नहीं है। कहा कि लोगों को भ्रमित करके आप लोग सिर्फ सत्ता हथियाना चाहते हैं। कहा कि संभल घटना के जो भी दोषी हैं, कोई भी बख्शा नहीं जाएगा। कहा कि 'संभल में आपकी हकीकत खटाखट सामने आई... जनता ने तुरंत कहा सफाचट'। सीसामऊ में बाल-बाल बच गए। कुंदरकी में लोगों को अपनी जड़े याद आने लगी हैं। लोग चिल्ला-चिल्लाकर बोल रहे हैं। कहा कि आप एक बार बाबरनामा जरूर पढ़ें।

सीएम ने गिनाया कब और किस दंगे में कितने लोगों की मौत

सीएम योगी बोले आगरा में 1972 में दंगा-19 लोगों की मौत हुई। 1972 में आजमगढ़ में दंगा हुआ। तीन लोगों की मौत हुई। 1973 आगरा में फिर दंगा हुआ। एक व्यक्ति की मौत हुई। 1973 में गोंडा में दंगा हुआ। एक व्यक्ति की मौत हुई। 1973 में प्रयागराज में दंगा हुआ। तीन लोगों की मौत हुई। 1973 में मेरठ में दंगे में 8 लोगों की मौत हो गई। आगरा में 1974 में दंगे में एक की मौत हो गई। इसी वर्ष पीलीभीत दंगे में तीन लोगों की मौत हो गई। सीएम ने कहा कि मुस्लिम त्योहार आराम से हो जाते हैं। दंगे सिर्फ उसी क्षेत्रों में क्यों होते हैं, जहां मुस्लिम आबादी होती है। कहा कि जब मंदिर के सामने से जुलूस निकल सकता है, तो मस्जिद के सामने से शोभायात्रा क्यों नहीं निकल सकती। एक झंडा लगाने में युवक की हत्या हो गई। अपने ही देश में कोई एक झंडा क्यों नहीं लगा सकता। भगवा झंडा क्यों नहीं लग सकता।

दंगे और दंगाइयों के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस

सीएम ने कहा कि पिछले 7.5 वर्ष में सभी पर्व शांतिपूर्ण संपन्न हुए। सभी वीवीआईपी विजिट शांति से संपन्न हुए। 2025 में यूपी को दुनियाभर का समागम करने का अवसर मिल रहा है। तो विपक्ष से अपील है कि अपने वक्तवयों को ठीक रखें। कोई भी अराजकता करेगा तो उसे बख्शा नहीं जाएगा। सीएम योगी बोले दंगे में शामिल, तमंचा लहराते, पत्थर फेंकते लोगों के सारे विजुअल हैं। दोषी को कोई बचा नहीं पाएगा। दंगे और दंगाइयों के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस है। कहा कि किसी को कहीं से भी निकलने से कोई नहीं रोक सकता। बहराइच में परंपरागत यात्रा निकलने के दौरान घटना की गई। सीएम योगी बोले शोभा यात्रा के दौरान भजन बजाए जाते हैं। नवरात्रि पर मां दुर्गा के गाने बजते हैं। उनका आरती बजती है। मां दुर्गा हमारे लिए आस्था और सशक्तिकरण का प्रतीक हैं। कहा कि कुंदरकी की जीत सनातन की जीत है।

संभल केस पर प्रवीण तोगड़िया का तंज

अभी मंदिरों के नीचे मिलते थे शिवलिंग, अब घरों में भी ढूंढना पड़ेगा

वाराणसी, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। काशी दौरे पर आए अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने बांग्लादेश और संभल के मुद्दे पर भी कड़ी टिप्पणी की। दशमी रामलीला मैदान के पास आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि भारत को भी इजरायल की भांति काम करना होगा। उन्होंने कहा कि विश्व में कहीं भी किसी भी हिंदू का उत्पीड़न हो रहा है। उसके कस्टोडियन के नाते भारत को भी इजरायल की भांति काम करना होगा। बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं के अत्याचार को देखते हुए सर्जिकल नहीं बल्कि वर्टिकल स्ट्राइक करना होगा। संभल मामले में कहा कि पुलिस देश का सिंबल होता है और पुलिस पर हमला करने वाला देश का गद्दार होता है। अभी तक तो मंदिरों के नीचे शिवलिंग मिलते थे अब घरों में भी शिवलिंग ढूंढना पड़ेगा। कहा कि हिंदुओं का उत्पीड़न करने वाला समाज कभी उनका भाई नहीं हो सकता है। सभी को अपने घर पर हनुमान चालीसा, रामायण का पाठ करना चाहिए।

तलाक के बाद बनी साइबर सरगना, 4 करोड़ ठगे

गोपालगंज, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र पुलिस ने गोपालगंज से साइबर फ्रॉड सानिया को गिरफ्तार किया है। सानिया पर पुणे के एक कारोबारी से 4 करोड़ 6 लाख ठगने का आरोप है। गोपालगंज के थावे थाना क्षेत्र के लोहर पट्टी गांव से महाराष्ट्र पुलिस ने स्थानीय थाना पुलिस के सहयोग से छापेमारी कर महिला को गिरफ्तार किया है।

सानिया उर्फ गुड़िया सिद्दीकी के खिलाफ पुणे के साइबर थाने में फ्रॉड करने का मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस की माने तो सानिया एक शातिर ठग है। कभी सानिया, कभी गुड़िया और कभी सोफिया बनकर रहती है। कभी हरियाणा तो कभी बिहार उसका ठिकाना रहता है। पुलिस का कहना है 'सानिया ने सीवान के नुरुहाता में शादी की थी, लेकिन पति से तलाक लेकर वो साइबर फ्रॉड की दुनिया में आ गई और ठगी करने लगी।'

संभल के खग्गू सराय में 46 साल बाद खुले मंदिर के कुएं में निकलीं देव मूर्तियां

संभल, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 46 साल से बंद पड़े 400 साल पुराने कार्तिक शंकर मंदिर को प्रशासन ने खुलवाया। इस ऐतिहासिक मंदिर में प्राचीन शिवलिंग के साथ हनुमान जी की मूर्ति और एक कुआं भी मिला है। हाल ही में इस कुएं की खुदाई के दौरान मां पार्वती, गणेश और कार्तिकेय की तीन मूर्तियां बरामद की गईं। मंदिर को 1978 में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद बंद कर दिया गया था। 46 साल बाद प्रशासन ने मंदिर की साफ-सफाई करवाई और 15 दिसंबर को विधि-विधान और मंत्रोच्चारण के साथ यहां पूजा-अर्चना की गई।

डिप्टी एसपी अनुज चौधरी ने बताया कि मंदिर के कुएं की खुदाई के दौरान तीन मूर्तियां मिली हैं, जिनमें मां पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय जी की प्रतिमाएं शामिल हैं। इनमें से एक मूर्ति संगमरमर की है, जो कार्तिकेय जी की प्रतीत होती है। हालांकि, अन्य दो मूर्तियां खंडित अवस्था में मिलीं। प्रशासन ने कुएं की खुदाई का काम फिलहाल बंद कर दिया है और उसे ढक दिया गया है। मूर्तियों की प्रामाणिकता और उम्र का निर्धारण करने के लिए कार्बन डेटिंग की जाएगी।

400 साल पुराना मंदिर और ऐतिहासिक महत्व

यह प्राचीन मंदिर लगभग 400 साल पुराना है और स्थानीय लोगों में इसे कार्तिक शंकर मंदिर के नाम से जाना जाता है। 82 वर्षीय विष्णु शरण रस्तोगी ने बताया कि उनके परिवार के करीब 40 से 42 घर इस इलाके में खग्गू सराय में स्थित थे। मंदिर से जुड़ा उनका परिवार वहां पूजा-अर्चना करता था और कुएं से जल लेकर धार्मिक अनुष्ठान किए जाते थे। 1978 में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद इस इलाके में रहने वाले रस्तोगी परिवारों ने अपना घर छोड़ दिया। दंगों के दौरान एक बड़े गोदाम में आग लगा दी गई थी, जिससे डरकर ये परिवार वहां से पलायन कर गए। इसके बाद मंदिर पर पूजा-अर्चना बंद हो गई और उस इलाके में मुस्लिम आबादी बस गई।

बिहार के तीन बड़े कोचिंग संस्थान पुलिस की रडार पर

पटना, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं प्रारंभिक परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक की अफवाह उड़ाने की साजिश रची गई थी। इतना ही नहीं नॉर्मलाइजेशन को लेकर भी अभ्यर्थियों को भड़काया गया है। बिहार पुलिस को जांच में ऐसे सबूत मिले हैं। पुलिस मुख्यालय में आज एजीडी हेडक्वार्टर कुंदन कृष्णन और आर्थिक अपराध इकाई के डीआईजी मानवजीत सिंह ढिल्लो ने पत्रकारों से बातचीत की। बिहार पुलिस की ओर से कहा गया कि राज्य के तीन बड़े कोचिंग के खिलाफ छात्रों को भड़काने साथ सरकार के विरोध में साजिश करने के सबूत मिले हैं। इनके खिलाफ जांच की जा रही है। जल्द ही बड़ी कार्रवाई होगी।

बिहार पुलिस की ओर से यह भी बताया गया कि राज्य में कई ऑनलाइन एग्जाम सेंटरों को बड़े माफिया चला रहे हैं।

रेलवे में नौकरी के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा

इंटरव्यू के बाद ट्रेनिंग भी दी जाती थी

हाजीपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। रेलवे के नौकरी के नाम पर फर्जीवाड़ा का पुलिस ने खुलासा किया है। एक अंतरराज्यीय गिरोह बेरोजगार युवाओं को झांसे में लेकर उनसे लाखों रुपये ठगी कर रहा था। इतना ही नहीं यह गिरोह फर्जी ज्वाइनिंग लेटर भी देता था। और, छोटे सेंटरों पर ट्रेनिंग भी करवाता था। इसमें रेलवे के एक कर्मचारी की भी मिलीभगत थी। पुलिस ने जब इस गिरोह का भंडाफोड़ किया तो सब दंग रह गए। दरअसल, पूर्व मध्य रेल के सोनपुर डिवीजन में आने वाले सोनपुर स्टेशन से दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया था। इनके पास से पुलिस ने दो आई कार्ड बरामद किया। दोनों आईकार्ड ओरिजिनल की तरह दिख रहा था। आई कार्ड पर टिकट कलेक्टर लिखा हुआ था। दोनों की पहचान दीपक कुमार तिवारी और सक्षम श्रीवास्तव के रूप में हुआ। दोनों पश्चिमी चंपारण के रहने वाले हैं। दोनों के आईकार्ड पर मोहर आईडी नंबर सहित तमाम चीजों का जिक्र आई कार्ड पर था। दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस को पता चला कि फर्जी रेलवे में नौकरी बहाली का बड़ा गैंग चल रहा है। यह गैंग बिहार, झारखंड, उड़ीसा, बंगाल में फैला हुआ है।

सोनपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों से पहले पूछताछ की गई फिर मोतिहारी में जीआरपी पुलिस ने छापेमारी की गई। इसके बाद एक रेल कर्मी को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आशंका है कि यह एक इंटरस्टेट रैकेट है जो बेहद बड़े पैमाने पर चलाए जा रहा है। पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, झारखंड सहित कई राज्यों में ऐसे लोगों को यह गैंग टारगेट करता है। जो हिंदी भाषी नहीं हो उसे अपने जाल में यह सभी लोग फंसाते हैं। फिर इन लोगों को नौकरी का झांसा देकर इनसे मोटी रकम लेते हैं। कई रेल कर्मियों और अधिकारियों के मिलीभगत की भी आशंका है, इसे पुलिस खंगालने में लगी हुई है। पुलिस ने सोनपुर डीआरएम ऑफिस का एक सीसीटीवी वीडियो बरामद किया है। इसमें गिरफ्तार किए गए आरोपी डीआरएम ऑफिस में आते जाते हुए दिख रहे हैं। रेल पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि फर्जी नौकरी मामले में इंटरव्यू डीआरएम ऑफिस के एक कमरे में आयोजित किया जाता था। रेलवे के ही अस्पतालों में मेडिकल भी होता था। इसके बाद उनकी ट्रेनिंग भी कराई जाती थी।

आरपीएफ का फर्जी ट्रेनिंग सेंटर

सूत्र बताते हैं कि फर्जी रेलवे में बहाली का मामला सोनपुर डिवीजन के अलावा समस्तीपुर और दानापुर डिविजन में भी इनके जाल फैले हो सकते हैं। विभिन्न जगहों पर फर्जी बहाल किए गए लोगों की ट्रेनिंग कराई जाती थी। पूर्वी चंपारण स्थित ग्राम भटहा थाना मुफस्सिल के पप्पू कुमार के मकान में फर्जी तरीके से रेलवे सुरक्षा बल का प्रशिक्षण केंद्र संचालन होता था। पप्पू कुमार के घर में चल रहे कथित कार्यालय की अलमीरा से कई दस्तावेज बरामद हुए हैं।

आयुष हत्याकांड : हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व अध्यक्ष समेत चार पर इनाम घोषित, तलाश में जुटी पुलिस

शाहजहांपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के चर्चित आयुष गुप्ता हत्याकांड में वांछित आरोपियों पर एसपी ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया है। एक दिन पहले ही सदर पुलिस ने वांछितों के घरों में हाजिर होने को नोटिस चस्पा किया था।

दो दिसंबर को टेंट कारोबारी मोहल्ला श्यामतगंज गौटिया निवासी दिलीप गुप्ता के बेटे आयुष गुप्ता की ओसीएफ के रामलीला मैदान में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। प्रेम-प्रसंग को लेकर हुए हत्याकांड में 14 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया था। एसपी राजेश एस. के नेतृत्व में सीओ सिटी पंकज पंत ने खुलासे की कमान को संभाला और 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। घटना में नामजद हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष स्वप्निल शर्मा, शेखर मौर्य, अनमोल और अनुज फरार हैं। पुलिस की टीमें लगातार उनकी तलाश में दबिश दे रही हैं।

यूपी विधानमंडल सत्र : हंगामे और नारेबाजी पर भड़के विधानसभा अध्यक्ष, हेडफोन फेंका और चले गए

लखनऊ, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी विधानमंडल सत्र का प्रारंभ सोमवार को हंगामे के साथ हुआ। सपा सहित विपक्ष के अन्य विधायकों ने जमकर नारेबाजी की और हंगामा किया। काफी देर तक होते रहे हंगामे को लेकर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना भड़क उठे और विपक्ष के लोगों को चेतावनी दे दी है। उन्होंने कहा कि बीते तीन साल से विधानमंडल सत्र ठीक से चल रहा है। एक भी बार स्थगित नहीं करना पड़ा। सत्ता पक्ष जवाब देने के लिए तैयार रहता है और विपक्ष सवाल पूछता है। इसके लिए मैं आप सब की प्रशंसा भी करता हूं लेकिन आप सभी हंगामा कर रहे हैं जो कि दिखाता है कि आपके पास मुद्दे नहीं हैं।

अनुप्रिया के मंत्री पति ने दी इस्तीफे की धमकी

योगी सीबीआई जांच करा लें-डरूंगा नहीं

पल्लवी बोलीं-हर लेक्चरर से 25 लाख वसूले गए

लखनऊ, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार में मंत्री और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के पति आशीष पटेल ने इस्तीफे की धमकी दी है। कहा- मेरी राजनीतिक हत्या कराने की साजिश हो रही है। सीएम आरोपों की सीबीआई से जांच करा लें। पीएम मोदी जिस दिन आदेश करेंगे, मैं एक सेकंड में इस्तीफा दे दूंगा।

मंत्री पर आरोप है कि उन्होंने पॉलिटिकल कॉलेजों में प्रमोशन कर लेक्चरर्स को विभागाध्यक्ष बना दिया। इससे आरक्षित वर्ग के लेक्चरर्स विभागाध्यक्ष बनने चूक गए। भाजपा विधायक मीनाक्षी सिंह ने मंत्री की शिकायत सीएम योगी से की है। सपा विधायक पल्लवी पटेल ने कहा- प्रमोशन में भारी घोटाला हुआ है। 250 लेक्चरर्स से 25-25 लाख रुपए की वसूली की गई। वहीं, मंत्री आशीष ने दैनिक भास्कर से बातचीत में आरोप को बेबुनियाद बताया। कहा- कमेटी की सिफारिश के अनुसार ही पदोन्नति की गई।

थप्पड़ कांड : लखीमपुर के भाजपा विधायक नहीं पहुंचे विधानसभा

बोले-न्याय नहीं मिला, क्या मुंह दिखाऊं जाकर

लखीमपुर खीरी, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी के चर्चित थप्पड़ कांड की गूंज अभी थमी नहीं है। इस घटना में पीड़ित भाजपा विधायक योगेश वर्मा लखनऊ में मौजूद होने के बाद भी सोमवार से शुरू हुए विधानसभा के शीतकालीन सत्र में शामिल नहीं हुए। उन्होंने यह कहते हुए सत्र में शामिल होने से इन्कार कर दिया कि उन्हें अपने साथ हुई घटना में न्याय नहीं मिला। अब वह अपने साथियों के बीच क्या मुंह लेकर जाएं।

लखीमपुर सदर से विधायक योगेश वर्मा ने कहा है कि नौ अक्तूबर को लखीमपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की प्रधान शाखा के बाहर उनके साथ मारपीट की जो घटना हुई, उसमें अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने घटना को लेकर मुख्यमंत्री से भी शिकायत की थी। मुख्यमंत्री ने कार्रवाई का आश्वासन भी दिया था, जिसके बाद भी उन्हें अब तक न्याय नहीं मिला। इस कारण उनकी हिम्मत नहीं हो रही है कि वह क्या मुंह लेकर अपने साथी विधायकों के सामने जाएं। इसी कारण वह विधानसभा सत्र में शामिल नहीं हुए हैं।

नौ अक्तूबर को हुई थी घटना

नौ अक्तूबर को लखीमपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के डेलीगेट चुनाव की नामांकन प्रक्रिया आवास विकास कॉलोनी स्थित प्रधान कार्यालय में चल रही थी। वहीं पर जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अवधेश सिंह ने सदर से भाजपा विधायक योगेश वर्मा को थप्पड़ जड़ दिया था। 10 अक्तूबर को पीड़ित भाजपा विधायक ने पुलिस को तहरीर दी थी। छह दिन की हीलाहवाली के बाद पुलिस ने थप्पड़ कांड में रिपोर्ट दर्ज की। इसमें जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अवधेश सिंह, उनकी पत्नी लखीमपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की निवर्तमान अध्यक्ष पुष्पा सिंह, जगन्नाथपुर थाना फरधान के मूल निवासी और फिलहाल शहर के मोहल्ला कमलापुर में रहने वाले संग्राम सिंह और थाना नीमगांव के ग्राम बहादुरपुर निवासी नीरज सिंह को नामजद कराया गया था। साथ ही 30- 40 आरोपी अज्ञात हैं।

भाजपा से बर्खास्त हो चुके हैं आरोपी

भाजपा ने इस मामले में आरोपी चार कार्यकर्ताओं को पार्टी से बर्खास्त किया था। इनमें लखीमपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक की निवर्तमान अध्यक्ष पुष्पा सिंह, उनके पति व पार्टी के सक्रिय सदस्य अवधेश सिंह समेत जिला उपाध्यक्ष अनिल यादव और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की पूर्व सह संयोजक ज्योति शुक्ला शामिल हैं। अवधेश सिंह जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष भी हैं।

मगध विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसर पर केस

विदेशियों को पीएचडी की फर्जी डिग्री बांटने का आरोप

गया, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के मगध विश्वविद्यालय की पीएचडी की फर्जी डिग्री विदेश में बांटने का मामला प्रकाश में आया है। विदेशी छात्रों को पीएचडी की फर्जी डिग्री बांटने का मामला सामने आने के बाद मगध विश्वविद्यालय प्रशासन के बीच हड़कंप मच गया। फिलहाल इस मामले में मगध विश्वविद्यालय कुलानुशासक डा. उपेंद्र कुमार ने मगध विश्वविद्यालय थाने में दो प्रोफेसर पर एफआईआर दर्ज कराया है।

सोशल मीडिया पर फर्जी डिग्री हुआ वायरल

वहीं विदेशी छात्रों के बीच पीएचडी की फर्जी डिग्री का मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मगध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर शशि प्रताप शाही ने मामले को गंभीरता से लिया है। मगध विश्वविद्यालय के नाम पर म्यांमार देश के यंगून के छात्रों के बीच पीएचडी की डिग्री दी गई है। उक्त डिग्री पर वर्ष 2024 है। वहीं तीन साल पूर्व कार्यरत कुलपति का हस्ताक्षर है।

इन पर हुई थाने में एफआईआर

जब सोशल मीडिया पर तस्वीर वायरल हुई थी। मगध विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन विभाग के व्याख्याता डॉ विष्णु शंकर और डॉ कैलाश प्रसाद के विरुद्ध मगध विश्वविद्यालय थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इन प्रोफेसरों ने म्यांमार देश की राजधानी यंगून में छात्रों के बीच पीएचडी की फर्जी डिग्री देने का आरोप है। मालूम हो कि पूर्व में भी मगध विश्वविद्यालय के कई कारनामे सामने आया था। पूर्व में भी फर्जी तरीके से पैसा का बंदरबांट के मामलों में तत्कालीन कुलपति समेत कई लोगों को जेल की हवा खानी पड़ी थी। इससे पूर्व भी कई विदेशी छात्रों को पीएचडी की फर्जी डिग्री देने का मामला उजागर हुआ था।

बीपीएससी 70वीं प्राथमिक परीक्षा को लेकर आया बड़ा फैसला, एक केंद्र की परीक्षा रद्द की गई

पटना, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार लोक सेवा आयोग ने बीपीएसीसी 70वीं की प्राथमिक परीक्षा को लेकर सोमवार को एक अहम फैसला लिया। देशभर के परीक्षार्थियों की निगाहें इस फैसले पर टिकी थी। फैसले की जानकारी से पहले आयोग अध्यक्ष परमार रवि मनु भाई ने कहा कि 911 सेंटर के चार लाख 75 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा आम तौर पर शांतिपूर्व माहौल में संपन्न हुई। उन्होंने पूरी परीक्षा के दौरान पेपर लीक की बातों को खारिज करते हुए साफ कहा कि पूरी परीक्षा कैंसिल नहीं होगी, लेकिन एक केंद्र पर दोबारा परीक्षा ली जाएगी। दोबारा परीक्षा लेकर भी एक साथ ही परिणाम जारी किया जाएगा।

परीक्षा केंद्र पर जो भी हुआ, उसी पर नियमानुसार लिया फैसला: अध्यक्ष

बीपीएससी अध्यक्ष परमार रवि मनु भाई ने कहा कि बापू परीक्षा परिसर में हुई गड़बड़ी को लेकर पटना जिला प्रशासन से रिपोर्ट मांगी गई थी। इसी आधार पर पूरी परीक्षा को कैंसिल कराने की मांग उठ रही थी।आयोग की आईटी सेल भी जांच कर रही है। जिन्होंने परीक्षा बाधित करने की कोशिश करते हुए आईटी नियम का उल्लंघन किया, उनपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए पटना एसएसपी के नेतृत्व में टीम का भी गठन किया गया है। परीक्षा कैंसिल करने सवाल पर बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा कि बापू परीक्षा परिसर में कुछ उपद्रवी तत्वों ने परीक्षा बाधित करने की कोशिश की। यूपीएससी के नियम अनुसार, अगर किसी कारण से कुछ देर के लिए परीक्षा बाधित हुई है तो उतने देर का अतिरिक्त समय दिया जाए। बापू परीक्षा परिसर के जिस कक्ष में प्रश्न पत्र देर से पहुंचा, वहां अतिरिक्त समय देने की बात थी। लेकिन, करीब एक बजे से सवा एक बजे तक उपद्रवी तत्वों ने परीक्षा बाधित की। उनका प्रश्न पत्र उड़ा दिया। अफवाह फैलाई। कई बच्चों ने ईमेल के जरिए इसकी शिकायत की। बीपीएससी को अंत तक यह भी देखने को मिला कि कुछ शरारती तत्व परीक्षा केंद्र के अन्दर मोबाइल से वीडियो भी बना रहे थे।

वह कैसे मोबाइल लेकर घुसे, यह भी जांच का विषय है। इन सभी के कारण जितने भी अभ्यर्थी परीक्षा नहीं दे पाए, उनके प्रति भी आयोग की सहानुभूति है। केंद्राधीक्षक की रिपोर्ट को देखते हुए बापू परीक्षा परिसर की पूरी परीक्षा को रद्द कर दिया है। आयोग जल्द नई परीक्षा की तिथि की घोषणा करेगा। इस केंद्र पर करीब 12 हजार परीक्षार्थियों का सेंटर था। उनमें से 68 प्रतिशत पहुंचे थे।

जल्द ली जाएगी इस केंद्र की परीक्षा, एक साथ आएगा परिणाम

बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा कि बापू परीक्षा परिसर में रद्द की गई परीक्षा जल्द ही ली जाएगी। इस रिजल्ट का प्रकाशन एक साथ किया जाएगा। अध्यक्ष ने कहा कि आयोग ने केंद्राधीक्षक की रिपोर्ट, जिला प्रशासन की रिपोर्ट, आयोग के आईटी सेल की रिपोर्ट और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह कार्रवाई की है।

बीपीएससी अध्यक्ष ने कहा कि 912 सेंटर में से केवल एक सेंटर को छोड़कर कहीं प्रश्न पत्र देर से नहीं पहुंचा। बापू परीक्षा केंद्र के दोनों ब्लॉक में कुल 12 हजार बच्चे थे। इसमें से एक कक्ष में हंगामा हुआ। कुछ उपद्रवियों ने परीक्षा बाधित की। आयोग ने अबतक 25 लोगों को चिह्नित किया है। अध्यक्ष ने कहा कि एक कक्ष में 273 अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था का मामला भी जांच के दायरे में है, दोषियों पर कार्रवाई होगी।

'ये चड्डी छाप है नितिन गडकरी'

जब बालासाहब बोले थे -इसके लिए गोमूत्र और गाय के गोबर से वाइन बनाओ, तब पिएगा

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। नितिन गडकरी की गिनती मोदी सरकार के टॉप मंत्रियों में होती है। नितिन गडकरी वर्तमान केंद्र सरकार के उन मंत्रियों में शामिल हैं, जो पूरी तरह से न सिर्फ शाकाहारी हैं बल्कि शराब का सेवन भी नहीं करते हैं। एक यू-ट्यूब चैनल (अनफिल्टर्ड बॉय समधीश) के साथ बातचीत में नितिन गडकरी ने बताया कि उनके साथ बैठकर लोग शराब और नॉन-वेज का सेवन करें तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं। नितिन गडकरी ने बताया कि बचपन में मां द्वारा दिए गए संस्कारों की वजह से उन्होंने कभी नॉन-वेज और शराब का सेवन नहीं किया है।

पॉडकास्ट में महाराष्ट्र की सियासत के दिग्गज नेता रहे बालासाहेब ठाकरे से जुड़ी एक घटना साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वे एक बार रात में बालासाहब से मुलाकात के लिए गए थे, तब वहां नासिक के सोला वाइन वाले चौगुले बैठे हुए थे। वो स्पेशल वाइन लेकर आए थे। बाला साहब ने ये वाइन ग्लास में डालकर सबको दी।

बाला साहेब ने ली नितिन गडकरी की मौज

नितिन गडकरी ने बताया, "उन्होंने कहा तुम लो तो मैंने कहा बालासाहब मैं नहीं पिता तो बोले क्यों, तो मैंने कहा कभी पिया नहीं है, मैं नींबू शरबत पिऊंगा। वो चौगुले से बोले- चौगुले, ये चड्डी छाप है नितिन गडकरी। इसके लिए गोबर और गोमूत्र से वाइन बनाओ, तब ये पिएगा।"

नितिन गडकरी ने मुस्लिमों में शिक्षा के प्रसार की वकालत

मुस्लिम आबादी से जुड़े एक सवाल पर उन्होंने कहा कि भारतीयत्व ही हिंदुत्व है और हिंदुत्व ही राष्ट्रीयत्व है और सुप्रीम कोर्ट ने जो बताया है कि हिंदुत्व ही वे ऑफ लाइफ है, हमारे देश में जो मस्जिद में जाता है, बुद्ध विहार में जाता है, चर्च में जाता है, गुरुद्वारे में जाता है, मंदिर में जाता है उनकी उपासना पद्धति अलग है, पर सब भारतीय है। नितिन गडकरी ने कहा कि भारतीयत्व, राष्ट्रीयत्व का संबंध हिंदू संस्कृति, इतिहास और विरासत से है। हिंदू जातिवाचक और सांप्रदायिक शब्द नहीं है। हिंदुत्व जीवन पद्धति है और इसलिए, हम ऐसे भारतीय समाज का निर्माण करना चाहते हैं जो भारतीय संस्कृति में हिंदू संस्कृति के इतिहास, संस्कृति और विरासत के आधार पर खड़ा हो और हर व्यक्ति को उसमें धार्मिक अधिकार है। ये सही में संघ की बात है। उन्होंने कहा कि हम लोग बिना समझे, हिंदुत्व मीन्स मुस्लिमों के खिलाफ, अल्पसंख्यकों के खिलाफ। हम न बहुसंख्यक मानते हैं, न अल्पसंख्यक मानते हैं। हम मानते हैं कि ये पूरा समाज अपना है और जात, पंथ, धर्म, भाषा से ऊपर उठकर हम किसी को डिसक्रिमिनेट नहीं करेंगे, किसी को अपमानित नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले ग्यारह सालों में हम कई योजनाएं लाएं, क्या हमने किसी भी योजना में लिखा क्या कि दलित और मुसलमान अप्लाई न करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा का प्रसार बढ़ना चाहिए। मुस्लिम समाज को कांग्रेस के राज में क्या मिला? जब शिक्षा का प्रसार होगा, तब व्यक्ति में परिवर्तन होता है।

मशहूर तबला वादक के निधन पर पीएम मोदी ने जताया दुख

मुंबई, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन से बहुत दुख हुआ। उन्हें एक सच्चे प्रतिभाशाली व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत की दुनिया में क्रांति ला दी। वे तबले को वैश्विक मंच पर भी लेकर आए और अपनी बेजोड़ लय से लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

उन्होंने भारतीय शास्त्रीय परंपराओं को वैश्विक संगीत के साथ सहजता से मिश्रित किया। इसलिए वे सांस्कृतिक एकता के प्रतीक थे। उनके प्रतिष्ठित प्रदर्शन और भावपूर्ण रचनाएं संगीतकारों और संगीत प्रेमियों की पीढ़ियों को प्रेरित करने में योगदान देंगी। उनके परिवार, दोस्तों और वैश्विक संगीत समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

'ड्रग्स लेना बिल्कुल भी 'कूल' नहीं'

सुप्रीम कोर्ट ने युवाओं को चेताया-नशे का महिमामंडन बंद हो

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के युवाओं में बढ़ रही नशे की लत पर गहरी चिंता जाहिर की और युवाओं को चेताते हुए कहा कि ड्रग्स लेना बिल्कुल भी 'कूल' नहीं है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने ड्रग्स तस्करी के आरोपी अंकुश विपन कपूर के खिलाफ एनआईए जांच की मंजूरी देते हुए उक्त टिप्पणी की। अंकुश पर आरोप है कि वह पाकिस्तान से समुद्र के रास्ते भारत में होने वाली हेरोइन तस्करी में शामिल है।

नशे से देश की युवा पीढ़ी को गंभीर खतरे

जस्टिस नागरत्ना ने चेतावनी देते हुए कहा कि ड्रग्स इस्तेमाल के सामाजिक और आर्थिक खतरों के साथ ही मानसिक खतरे भी हैं। इससे देश के युवा वर्ग की चमक खो सकती है। पीठ ने युवाओं में बढ़ रही नशे की लत के खिलाफ तुरंत सामूहिक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अदालत ने माता-पिता, समाज और सरकारों से मिलकर इस समस्या के खिलाफ लड़ने को कहा।

तेजी से बढ़ रही नशे की लत की समस्या

देश के युवाओं में नशे की लत तेजी से बढ़ी है, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जाहिर की। पीठ ने कहा कि ड्रग्स का असर उम्र, जाति और धर्म से परे है और इसके पूरे समाज और व्यवस्था पर गंभीर परिणाम होते हैं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि ड्रग्स से होने वाली कमाई से ही आतंकवाद और समाज को अस्थिर करने के लिए फंडिंग होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-नशे का महिमामंडन बंद होना चाहिए

पीठ ने समस्याओं से भागने वाले रवैये पर चिंता जताते हुए कहा कि इस गंभीर खतरे के खिलाफ सभी को एकजुट होना पड़ेगा। खासकर युवाओं से इस चुनौती से निपटने के लिए प्रयास करने की अपील की।

पीठ ने कहा कि नशे के शिकार व्यक्ति के साथ सहानुभूति और प्यार से पेश आने की जरूरत है। ड्रग तस्करों की कमाई पर प्रहार करने की जरूरत है। ड्रग्स का महिमामंडन बंद होना चाहिए और इसके खतरों के प्रति युवाओं को जागरुक किया जाना चाहिए।

सौर कौथिग मेला शुरू : सीएम धामी ने किया शुभारंभ

सोलर वैन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

देहरादून, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए पहली बार सौर कौथिग (ऊर्जा मेला) का आयोजन किया गया। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सौर कौथिग का शुभारंभ किया। सीएम धामी ने सोलर वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

100 दिन तक पहाड़ के कोने-कोने तक वैन पहुंचेगी। जो लोगों को सौर ऊर्जा परियोजना व इसमें मिलने वाली सब्सिडी की जानकारी देगी। मौके पर वित्त एवं शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी, विधायक खजान दास, सीएम के सलाहकार विश्वास डाबर भी मौजूद रहे। मेले में देश-प्रदेश के करीब 50 सोलर प्रोजेक्ट पर काम करने वाली कंपनियों ने स्टॉल लगाए है। सौर कौथिग में उपभोक्ता सभी जानकारियां ले सकेंगे।

सचिव ऊर्जा आर मीनाक्षी सुंदरम ने कहा कि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए केंद्र व राज्य के स्तर से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। हाल ही में पीएम सूर्यघर योजना शुरू हुई थी। अपने घर के ऊपर खुद बिजली पैदा करो और यूज करो। उत्तराखंड में अब तक 28,000 आवेदन आ चुके हैं। 11,000 संयंत्र लग चुके हैं। 37 मेगावाट उत्पादन शुरू हो चुका है। वहीं, 2027 तक 2000 मेगावाट उत्पादन का लक्ष्य है। साथ में उद्योगों को भी नेट मीटर की सुविधा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना में पहले तीन मेगावाट तक की योजना लग पाई। इस नीति में बदलाव के बाद 67 मेगावाट के प्रोजेक्ट लग चुके। 200 मेगावाट के आवेदन आए हैं। उत्तराखंड में सूर्य भगवान की असीम कृपा है, इसका हमें भरपूर उपयोग करना चाहिए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सौर समृद्ध उत्तराखंड अभियान के अंतर्गत ये मेला अपने आप में विशिष्ट पहल है। अधिकाधिक घरों तक सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचा रहे है। जीवाश्म आधारित ईंधन के स्रोत सीमित हैं जिससे पर्यावरण को भी नुकसान होता है, लेकिन सौर ऊर्जा का स्रोत असीमित है। आज पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में 100 गीगावाट ऊर्जा का लक्ष्य रखा गया है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में डॉक्टर्स 10 दिन तक प्रोटेस्ट करेंगे, सीबीआई से चार्जशीट फाइल करने की मांग

कोलकाता, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित आरजी कर हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस में दो आरोपियों को जमानत मिलने से डॉक्टर्स गुस्से में हैं। वेस्ट बंगाल जॉइंट प्लेटफॉर्म ऑफ डॉक्टर्स (डब्ल्यूबीजेपीडी) सीबीआई जांच को लेकर मंगलवार, यानी 17 दिसंबर से कोलकाता में 10 दिन का धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे। पांच एसोसिएशन से बना डब्ल्यूबीजेपीडी का धरना 26 दिसंबर तक डोरेना क्रॉसिंग पर किया जाएगा। डब्ल्यूबीजेपीडी ने सीबीआई से सप्लिमेंट्री चार्जशीट दायर करने की मांग की है और कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा से धरने की परमिशन मांगी है। सियालदह कोर्ट ने 13 दिसंबर को आरोपी पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और ताला थाने के पूर्व इंचार्ज अभिजीत मंडल को जमानत दी थी।

पंजाब में आतंकी हमले का अलर्ट

एनआईए ने स्टेट पुलिस को रिपोर्ट भेजी, डेड ड्रॉप मॉडल का जिक्र किया, चीनी डिवाइस मिलने का दावा

जालंधर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) ने पंजाब पुलिस के साथ एक रिपोर्ट साझा की है। जिसमें दावा किया गया है कि पंजाब को आतंकी हमलों से दहलाने की साजिश रची जा रही है। इसमें पहला निशाना पंजाब पुलिस के थाने होंगे। क्योंकि इससे पहले पंजाब के करीब पांच पुलिस थानों पर ग्रेनेड और आईईडी हमले हो चुके हैं।

जिसके बाद से एनआईए पंजाब पर नजर रख रही थी। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि खालिस्तानी आतंकी 1984 में इस्तेमाल किए गए डेड ड्रॉप मॉडल की तर्ज पर हमले कर रहे हैं। 1984 की तरह अब फिर से पंजाब को दहलाने की कोशिश की जा रही है। इसे लेकर केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। डेड ड्रॉप मॉडल एक तरह से टारगेट किलिंग होता है। बस इसमें किसी एक व्यक्ति को नहीं टारगेट करते, किसी बिल्डिंग या फिर किसी संस्थान को टारगेट किया जाता है। आरोपी पहले अपना टारगेट चुन लेते हैं, फिर वारदात को अंजाम देते हैं। इस मॉडल को विदेश से हैंड किया जाता है। साथ ही टारगेट करने के लिए लोकल एरिया के लोग चुने जाते हैं। जिसे रास्तों की अच्छी जानकारी हो और संगठन के साथ जुड़ने को तैयार हों।

सेना द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले डिवाइस बरामद खालिस्तान टाइगर फोर्स, बब्बर खालसा इंटरनेशनल और अन्य आतंकी संगठन चाइनीज डिवाइसों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि एनआईए को कुछ संदिग्ध चीजें मिली हैं जो चीनी हैं। बरामद सभी सामान आतंकी उपकरण बनाने और एआई के जरिए धमाके करने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। साथ ही ये उपकरण ऐसे हैं जिनका इस्तेमाल देशों की सेनाओं द्वारा किया गया है। ऐसे में एजेंसी मान रही है कि उक्त आतंकी पाकिस्तान की आईएसआई के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। ताकि पंजाब को किसी तरह से दहलाया जा सके।

सज्जन कुमार के खिलाफ हत्या मामले में सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित, अगले साल आ सकता है आदेश

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के खिलाफ 1984 के सिख दंगों में दो लोगों की हत्या मामले पर फैसला अगले साल आएगा।

कोर्ट अब इस मामले पर आठ जनवरी 2025 को फैसला सुनाएगी। राउज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल जज कावेरी बाजवा ने सोमवार को सुनवाई के दौरान यह आदेश जारी किया। जज ने कहा कि आठ जनवरी 2025 अगली तारीख है। सज्जन कुमार फिलहाल अभी दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। जो वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए।

14 लंबित सीएजी रिपोर्ट पेश करने और विशेष विधानसभा सत्र बुलाने को कहा

एलजी ने सीएम आतिशी को लिखी चिट्ठी

दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (सीएजी) की लंबित 14 रिपोर्ट का मामला गरमा सकता है। दिल्ली सरकार से जुड़ी 14 सीएजी रिपोर्ट डेढ़ साल तक लंबित रही। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिख कर दिल्ली विधानसभा की विशेष बैठक बुलाने की बात कही है। साथ ही इन्हें सदन के पटल पर रखने को कहा है। दिल्ली सरकार ने कुछ दिन पहले ही एलजी से इन रिपोर्ट को सदन में रखने की मंजूरी मांगी थी। सरकार की मांग पर एलजी ने उक्त रिपोर्ट को पटल पर रखने की मंजूरी दी। साथ ही अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए इन्हें विशेष सत्र बुलाने को कहा है। उम्मीद की जा रही है कि इन रिपोर्ट को लेकर दिल्ली में राजनीति गरमा सकती है। भाजपा लगातार इस विषय को मुद्दा बनाकर दिल्ली सरकार को घेर रही है। भाजपा का दावा है कि इन रिपोर्ट में दिल्ली सरकार की कई अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। इस विषय को लेकर भाजपा ने सदन के अंदर और बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही दिल्ली में चुनावी प्रचार के दौरान मुद्दे को जोर-शोर से उठा रही है। दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इन रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनाई के दौरान ही दिल्ली सरकार ने एलजी से सदन में इन्हें रखने की मांग रखी थी।

एलजी ने इन सभी रिपोर्ट को पेश करने के लिए, अपनी औपचारिक सहमति दे दी है। साथ ही कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार अधिनियम, 1991 की धारा 48 के अनुसरण में इन्हें रखने की मंजूरी दी है। ये रिपोर्ट शासन में पारदर्शिता की कसौटी है। सरकार को यह सभी रिपोर्ट सीएजी से पहले भी अलग-अलग तारीखों पर मिली थीं। एलजी ने अपने पत्र में कहा कि संवैधानिक दायित्व का पालन सुनिश्चित करने के लिए बिना समय गंवाए दिल्ली सरकार तुरंत सत्र बुलाए। बता दें कि दिल्ली विधानसभा का कार्यकाल फरवरी में पूरा हो रहा है। इस चुनाव को लेकर जनवरी या दिसंबर में चुनाव का ऐलान हो सकता है। ऐसे में विधानसभा का सत्र बुलाने के लिए दिल्ली सरकार को जल्द फैसला लेना होगा। एलजी ने अपनी शक्ति का प्रयोग करते हुए तुरंत इस सत्र को बुलाने की बात कही है। लंबित 14 रिपोर्टों में दिल्ली में शराब के विनियमन और आपूर्ति पर निष्पादन लेखापरीक्षा, दिल्ली में वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण की रोकथाम और शमन पर निष्पादन लेखापरीक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना और स्वास्थ्य सेवाओं का प्रबंधन, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के कामकाज पर निष्पादन लेखा परीक्षा रिपोर्ट, सरकार के राजस्व, व्यय और वित्तीय लेखा परीक्षा के अलावा सहित अन्य शामिल हैं। भाजपा शराब के मुद्दे को चुनाव में भुनाने का प्रयास कर रही है।

केजरीवाल ने लगाई 'महिला अदालत', कानून व्यवस्था के मुद्दे पर केंद्र को घेरा

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने महिला अदालत में भाजपा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "निर्भया घटना के 12 साल बाद भी महिलाओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं कम नहीं हुईं, बल्कि कई गुना बढ़ गई हैं।

केंद्र पर साधा निशाना

उन्होंने केंद्र सरकार को निशाने पर लेते हुए कहा कि दिल्ली की सुरक्षा की जिम्मेदारी 10 साल पहले भाजपा को दी गई थी, लेकिन इस पर कोई काम नहीं किया गया। केजरीवाल ने कहा केंद्र सरकार ने दिल्लीवासियों को सुरक्षा देने का वादा किया था, लेकिन वह तक पूरा नहीं कर पाई, अरविंद केजरीवाल ने भाजपा नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा वाले कहते हैं कि महिलाओं की सुरक्षा कोई मुद्दा नहीं है।

नए साल से नया रूल-भिखारियों को भीख देने वालों की खैर नहीं

दर्ज होगी एफआईआर, 1 जनवरी से सख्ती

इंदौर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के इंदौर को भिखारियों से मुक्त बनाने के लिए जिला प्रशासन 1 जनवरी, 2025 से भिखारियों को भीख देने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना शुरू कर देगा। जिला कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि प्रशासन ने इंदौर में भीख मांगने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश पहले ही जारी कर दिया है। इंदौर कलेक्टर ने कहा, भीख मांगने के खिलाफ हमारा जागरूकता अभियान इस महीने (दिसंबर) के अंत तक शहर में चलेगा। अगर कोई व्यक्ति 1 जनवरी से भीख देते हुए पाया गया, तो उसके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जाएगी। मैं इंदौर के सभी निवासियों से अपील करता हूं कि वे लोगों को भीख देकर पाप के भागीदार न बनें।

उन्होंने कहा कि प्रशासन ने हाल के महीनों में लोगों को भीख मांगने के लिए मजबूर करने वाले तमाम गिरोहों का पर्दाफाश किया है और भीख मांगने में शामिल कई लोगों का पुनर्वास भी किया गया है। बता दें कि केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने देश के 10 शहरों को भिखारी मुक्त बनाने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है, जिसमें इंदौर भी शामिल है। पता हो कि इंदौर को भिक्षुक मुक्त बनाने के लिए पुलिस और प्रशासन की टीमों ने पिछले दिनों 14 भिक्षुओं को पकड़ा था। इस कार्रवाई में राजवाड़ा के शनि मंदिर के पास भीख मांग रही एक महिला के पास से 75 हजार रुपये बरामद हुए थे, जो उसने महज 10-12 दिनों में इकट्ठे किए थे। परियोजना अधिकारी ने बताया कि शहर में कुछ ऐसे परिवार हैं, जो बार-बार पकड़े जाने के बावजूद भिक्षावृत्ति में लिप्त हैं।

महिला का मिला था शव, नहीं हो पा रही थी पहचान फिर दर्जी के टैग के जरिए पकड़ में आए तीन हत्यारे

कटक, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के कटक में पुलिस ने एक रहस्यमयी हत्या को बड़े ही फिल्मी अंदाज में सुलझा लिया है। ऑनलाइन पेमेंट और दर्जी के टैग के जरिए हत्याकांड के आरोपियों पर शिकंजा कसा है। कटक की काठजोड़ी नदी किनारे मिली महिला की हत्या के मामले में महिला के पति और दो देवरों को गिरफ्तार किया गया है।

कुछ दिनों पहले मिली थी लाश

दअरसल, 13 दिसंबर की सुबह कटक के कंदरपुर इलाके में काठजोड़ी नदी के किनारे एक 35 वर्षीय महिला की लाश मिली। घटना की जानकारी मिलते ही कंदरपुर थानाधिकारी तथा एसीपी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड पहुंची और जांच में सहयोग किया। हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार (चापड़) को भी पुलिस ने बरामद कर लिया।

महिला की नहीं हो पा रही थी पहचान

कटक के डीसीपी जगमोहन मीना ने कहा, 'मृतक की पहचान नहीं हो पा रही थी। यहां तक कि किसी भी पुलिस स्टेशन में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। सिर्फ हथियार के सिवाय कोई और सुराग नहीं था। मामले की तह तक जाना एक बड़ी चुनौती थी। महिला के दोनों हाथ पर टैटू था, लेकिन उससे भी उसकी पहचान करने में कोई मदद नहीं मिली।'

न्यू स्टार टेलर्स का मिला टैग...

उन्होंने कहा कि जांच करने पर घटनास्थल के पास एक खून से सनी शर्ट और पैंट मिली। कपड़ों में 'न्यू स्टार टेलर्स' का टैग लगा हुआ था। इसी सुराग के जरिए मामले की तह तक जाने में जुट गए। ओडिशा में इस नाम के करीब 10 दर्जियों से संपर्क किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इसी बीच, एक व्यक्ति ने व्हाट्सएप पर जानकारी दी कि ऐसा दर्जी गंजाम जिले के भंजनगर में हो सकता है। पुलिस तुरंत हरकत में आई और गंजाम जिले के भंजनगर थाने के एसडीपीओ को दुकान का पता लगाने को कहा गया।

फिल्मी तरीके से सुलझा मामला

उन्होंने आगे बताया कि जांच में गंजाम जिले के जगन्नाथप्रसाद पुलिस थाने के आईआईसी ने दुकान का पता लगाकर वहां तक पहुंचने की कोशिश की पर वहां भी टैग का मिलान नहीं हुआ। हालांकि, दर्जी ने बताया कि ऐसा टैग गुजरात में इस्तेमाल होता है। इसके बाद गुजरात की पुलिस से संपर्क किया गया और सूरत में एक दर्जी का पता चला। टैग पर लिखा नंबर 3833 की जांच करने पर बाबू नाम के ग्राहक का पता चला। हालांकि, इसके बाद फिर जांच की सुई अटक गई क्योंकि कुछ और जानकारी नहीं थी।

सीएम आतिशी : ये सब झुग्गी में जाने का ड्रामा

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तैयारियों जोरों पर हैं। इसी बीच आम आदमी पार्टी और भाजपा एक दूसरे पर निशाना साध रहीं हैं। सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा पर निशाना साधा है। सीएम आतिशी ने कहा कि भाजपा झुग्गी में जाने का ड्रामा कर रही है।

सीएम आतिशी ने कहा कि उन्हें (भाजपा) वोट मत देना क्योंकि पांच साल के लिए वो आपकी जरूरतों को पूरा नहीं करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने पांच सालों में आपकी जरूरतों को पूरा करेंगे। उन्होंने फ्री बिजली, फ्री पानी, सरकारी स्कूलों में अच्छी शिक्षा, मोहल्ला क्लीनिक में फ्री इलाज हो रहा है। अरविंद केजरीवाल ऐसे नेता हैं जो झुग्गी में रहने रहने वाले लोगों की फिक्र करते हैं। झुग्गी झुपड़ी वाले लोग भाजपा नेताओं से संभल कर रहें।

महाराष्ट्र में फिर ईवीएम पर संग्राम

विधान भवन की सीढ़ियों पर विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन, नारेबाजी

मुंबई, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधान भवन की सीढ़ियों पर विपक्ष के नेताओं ने सोमवार को प्रदर्शन किया। उन्होंने चुनाव में ईवीएम के इस्तेमाल पर नारे भी लगाए। यह विरोध प्रदर्शन नागपुर में विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के उद्घाटन के दिन आयोजित किया गया था। राज्य विधान परिषद में विपक्ष के नेता अंबादास दानवे इस प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने प्रदर्शन में संविधान और लोकतंत्र को बचाने का आह्वान किया और ईवीएम के इस्तेमाल का विरोध किया।

प्रदर्शन के दौरान विपक्षी पार्टियों के नेताओं ईवीएम हटाओ देश बचाओ, ईवीएम हटाओ संविधान बचाओ और ईवीएम हटाओ लोकतंत्र बचाओ के नारे भी लगाए। इस दौरान अंबादास दानवे के साथ कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार नितिन राउत, भाई जगताप, विकास ठाकरे, शिवसेना (यूबीटी) नेता भास्कर जाधव, वरुण देसाई और सचिन अहीर और राकांपा-एसपी विधायक जितेंद्र अवध भी मौजूद थे। पत्रकारों से बात करते हुए अंबादास दानवे ने दावा किया कि लोकतंत्र के लिए ईवीएम बहुत खतरनाक है। लोग चुनाव में ईवीएम के इस्तेमाल का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा, हमें लगता है कि ईवीएम को जल्द हटाना चाहिए। चुनाव मतपत्र में कराना चाहिए।

फडणवीस ने किया था पलटवार महाविकास अघाड़ी (एमवीए) द्वारा महायुति की ईवीएम की सरकार कहने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार सत्ता में आई, क्योंकि हर वोट महाराष्ट्र के लिए गया है। फडणवीस के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए दानवे ने कहा, हर वोट मतपत्र के लिए। कांग्रेस नेता भाई जगताप ने कहा कि ईवीएम का मतलब है हर वोट महायुति के लिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और महाराष्ट्र सरकार ने ईवीएम का दुरुपयोग किया।

महाविकास अघाड़ी (एमवीए) द्वारा महायुति को ईवीएम की सरकार कहने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार सत्ता में आई, क्योंकि हर वोट महाराष्ट्र के लिए गया है। फडणवीस के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए दानवे ने कहा, हर वोट मतपत्र के लिए। कांग्रेस नेता भाई जगताप ने कहा कि ईवीएम का मतलब है हर वोट महायुति के लिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और महाराष्ट्र सरकार ने ईवीएम का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और एमवीए में ईवीएम के बजाय मतपत्रों के इस्तेमाल के बारे में जागरूकता बढ़ाएंगे।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 17 दिसंबर- 2024

कौन खेल रहा है दोहरा खेल?

इस संसद सत्र में ज़्यादा कामकाज तो नहीं हो पाया, लेकिन संविधान पर चर्चा कई मायनों में दिलचस्प रही। नई सांसद प्रियंका गांधी ने पहली बार लोकसभा में भाषण दिया और बहुत हद तक उन्होंने आशा के अनुरूप सार्थक बातें कीं। दूसरे दिन राहुल गांधी की बारी थी, लेकिन उनके भाषण में न नयापन था और न ही पैनापन, जितना कि प्रियंका के भाषण में था। बाक़ी कांग्रेसी नेता भी अपनी तोतारटंत भाषा में ही मोदी सरकार पर संविधान को तहस नहस करने का आरोप लगाते रहे। ऐसे में सवाल लाजिम है कि जिनके अपने घर शीशे के होते हैं, वे दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंकते। यही बात कांग्रेस और उसके नेताओं को पता नहीं कब समझ में आएगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1 घंटे 10 मिनट की स्पीच में कांग्रेस पर संविधान बदलने का आरोप लगाया। राजनाथ के बाद विपक्ष की ओर से प्रियंका गांधी ने 31 मिनट में उनके हर एक बयान का जवाब उन्हीं का भाषा में दिया। जब अंत में चर्चा का जवाब देने की बारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आई तो उन्होंने पंडित जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी तक की कई सारी खामियां गिना दीं। खामियां भी ऐसी जिन्हें कोई कांग्रेसी भी नकार नहीं सकता। वे 1952 में नेहरूजी द्वारा मुख्यमंत्रियों को लिखी गई चिट्ठी से शुरू हुए। फिर श्रीमती इंदिरा गांधी द्वारा देश पर लादी गई इमरजेंसी तक पहुँचे। उस इमरजेंसी तक जिसे याद करके लोग आज भी सिहर उठते हैं। उन्होंने कांग्रेसियों से पूछा कि इमरजेंसी में आम नागरिक के सारे संवैधानिक क़ानून निरस्त करने वाले आप संविधान की रक्षा की बात किस मुँह से कर सकते हैं? मोदी यहीं नहीं रुके। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल में हुए शाहबानो मामले का भी ज़िक्र कर कांग्रेस की बखिया ही उधेड़ दी। बता दें कि शाहबानो प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले को राजीव गांधी सरकार ने मुस्लिम तुष्टिकरण की वजह से पलट दिया था। इस मामले को उठाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा जो लोग अपनी सरकारों के रहते सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का सम्मान नहीं कर पाए, वे संविधान की रक्षा की बात किस मुंह से कर सकते हैं? पीएम मोदी ने कांग्रेस को संविधान का शिकार करने वाली पार्टी तक बता दिया। अपने 1 घंटे 49 मिनट की स्पीच में पीएम मोदी ने संवैधानिक अधिकार प्राप्त मनमोहन कैबिनेट के निर्णय को राहुल गांधी द्वारा सार्वजनिक तौर पर फाड़ दिए जाने की घटना की भी याद दिलाई। यह भी कहा कि किसी संवैधानिक पद पर न होते हुए एक व्यक्ति कैबिनेट के निर्णय को फाड़ देता है और वह निर्णय सरकार वापस भी ले लेती है, इससे बड़ा आश्चर्य की बात और क्या हो सकती है? प्रधानमंत्री ने एक और संवेदनशील मुद्दा उठाया, जिसका जवाब कांग्रेस के पास नहीं था। उन्होंने कहा- देश के संविधान की बात तो बहुत दूर की है, कांग्रेस तो खुद अपने संविधान का सम्मान भी नहीं कर पाती! यह मामला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सीताराम केसरी से जुड़ा हुआ है। जब सोनिया गांधी कांग्रेस की अध्यक्ष चुन ली गई थीं और केसरी कुर्सी छोड़ नहीं रहे थे। तब भाई लोगों ने पहले तो केसरी को बाथरूम में बंद कर दिया और बाद में दफ़्तर के बाहर फेंक दिया था। कुल मिलाकर कांग्रेस के ऐसे कई कारनामे हैं, जिनका खुद उसके पास ही कोई जवाब नहीं है। इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि जब तक हमारे पास सटीक और तार्किक जवाब नहीं हो तो दूसरों पर सवाल उठाने से परहेज़ करना चाहिए। बहरहाल, इसमें शक नहीं कि बहस का केंद्र यही सवाल रहा कि कौन संविधान और संवैधानिक मूल्यों को लेकर समर्पित है और कौन इस पर दोहरा खेल खेल रहा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जहां सावरकर के सहारे बीजेपी पर निशाना साधा वहीं पीएम मोदी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक की गलतियां गिनाईं।

अडानी-अंबानी से फायदा अर्थव्यवस्था को ही होगा

अशोक भाटिया

अदाणी समूह पर अमेरिका में लगे आरोपों पर कंपनी की सेबी में फाइलिंग के बाद यह साफ हो गया है कि अमेरिका में डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने जो रिश्वतखोरी के आरोप लगे थे वे बेबुनियाद और गलत थे। इन आरोपों की खबर के बाद भारत में अदाणी के खिलाफ मौके की तलाश में बैठे राजनीतिक दलों को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने का मौका मिल गया था। अब जब आरोप गलत पाए गए हैं तब यह साफ हो रहा है कि देश में इस प्रकार की राजनीति प्रगति के मार्ग में बड़ा अवरोधक है। महाराष्ट्र में अभी हुए चुनाव में सत्ता में वापसी करने वाली शिवसेना की प्रवक्ता मनीषा कायंदे ने भी कहा है कि राहुल गांधी और उनकी गैंग उद्योगपतियों को टारगेट कर रहे हैं। ये सब बस मोदी जी को नीचा दिखाने के लिए और चिढ़ाने के लिए करते हैं। शिवसेना प्रवक्ता ने कहा कि जब उनकी सरकार थी वो खुद कॉन्ट्रैक्ट देते थे, अब महायुति की सरकार है तो ऐसी बात कर रहे हैं। उदाहरणतः केरल में एक बंदरगाह बन रहा है जिसे गौतम अडानी की कंपनी बना रही है। बन रहे इस बंदरगाह का नाम वैसे तो विझिंजम पोर्ट है पर इसे अडानी पोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। विझिंजम पोर्ट या अडानी पोर्ट देश का पहला ऐसा बंदरगाह होगा, जहां बड़े-बड़े कंटेनर जहाज आ सकेंगे। लेकिन इस पोर्ट को बनाने का विरोध भी होता रहा है। आपको बता दें कि केरल में समुद्री तट पर बसा एक छोटा सा गांव, तिरुवनंतपुरम से करीब 20 किलोमीटर दूर इस इलाके में लंबे समय से अडानी समूह का विरोध हो रहा। अडानी ग्रुप की विझिंजम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह परियोजना के लिए सौदे को 2015 में अंतिम रूप दिया गया था। मगर राज्य में कुछ मछुआरों ने इसका विरोध किया था। इसके बाद से निर्माण कार्य प्रमुख रूप से प्रभावित हुआ। इस बंदरगाह का निर्माण 75 हजार करोड़ रुपयों की लागत से हो रहा है। इस बंदरगाह का प्रस्ताव कांग्रेस और यूडीएफ़ के गठबंधन की सरकार के दौरान आया था। तब ओमन चांडी केरल के मुख्यमंत्री थे, उस समय भारत में डीप वॉटर पोर्ट भी नहीं था। इस समय बड़े कंटेनर जहाज़ दुबई, सिंगापुर और कोलंबो में ठहरते हैं। ये सभी भारत से आने-जाने वाला सामान के हब भी हैं। दरअसल इस समय अडानी भारतीय राजनीति में एक बड़ा मुद्दा बन चुके हैं। कारोबारी पहले भी देश की राजनीति में मुद्दा होते थे ,लेकिन तब सिर्फ यह फर्क यह था कि टाटा, बिरला, बजाज, अंबानी या फिर अडानी की जगह अमेरिका की कोई डाऊ केमिकल, एनरान या रूस की रेसाटॉम (कुडनकुलम) और इटली के कारोबारी ओतावियो क्वात्रोची आदि मुद्दे होते थे। कहने का मतलब यह कि पहले भारतीय राजनीति में विदेशी कंपनियों के खिलाफ जनभावना दिखती थी। इस समय हमारे यहाँ हब न होने के कारण हम दुबई, कोलंबो और सिंगापुर की 'मेहरबानी' पर निर्भर हैं। इस मेहरबानी के बदले हमें अच्छी खासी कीमत चुकानी पड़ती है। समुद्री रास्ते से चाहे कोई सामान भेजना हो या फिर लाना ही हो- इन्हीं तीन केन्द्रों पर निर्भरता है। ये तीनों केंद्र हमारे ही कारोबार की वजह से हब बने हुए हैं। सिर्फ इसी एक खूबी ने उन्हें हब बना दिया है। बिना नून-फिटकिरी लगाए तगड़ा मुनाफा कमाते हैं। यह उस देश की हालत है जो हजार साल पहले समुद्र पर राज करने की स्थिति की वजह से दुनिया के कारोबार का सबसे बड़ा केंद्र था। इस मामले में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और पूर्व वाम मुख्यमंत्री ओमान चांडी के प्रति देश को शुक्रगुजार होना चाहिए। उन्होंने मोदी सरकार से पहले ही जरूरत को ध्यान में रखते हुए बड़े बंदरगाह की रूपरेखा पर काम शुरू कर दिया था। काश कि मनमोहन से पहले हमारे पास कोई डीप वाटर पोर्ट बन गया होता। अब जब केरल में मनमोहन की उसी योजना को मूर्त रूप दिया जा रहा है। अडानी पोर्ट से तो कायदे से दुबई, कोलंबो और सिंगापुर को परेशान होना चाहिए था। कोलंबो ही क्यों, कायदे से केरल पोर्ट से चीन को परेशान होना था। इसी वजह से चीन- श्रीलंका का इस्तेमाल हमें घेरने के लिए करता रहा है। वह कोलंबो में दुनिया का सबसे बड़ी पोर्ट सिटी बना रहा है ताकि समुद्र पर राज करते हुए भारत के कारोबारी हितों को नुकसान पहुंचा सके। लेकिन चीन, दुबई या फिर सिंगापुर तो भारत के पोर्ट का विरोध कर नहीं सकते। उन्हें सिंडिकेट की जरूरत पड़ेगी। अब सवाल तो किया ही जा सकता है कि क्या अडानी पोर्ट का विरोध करने के पीछे देश विरोधी ताकतें शामिल हैं? विरोध करने वालों का तर्क रहा है कि अडानी पोर्ट से समुद्री तटों को नुकसान पहुंच रहा है। लोगों का ठीक से पुनर्वास नहीं हो पाया है। और भी आरोप हैं। कुल मिलाकर स्थानीय लोगों को पर्यावरण और जोरदार राहत पुनर्वास का लालच दिखाकर परियोजना तय होने के सालों बाद विरोध की आग को हवा दी जाती रही। अगर पुनर्वास और पर्यावरण ही मसला था तो प्रदर्शनकारियों को हिंसा की बजाए कोर्ट और दूसरे विकल्पों का सहारा लेना चाहिए। अभी हाल में हिंसा हुई और पता चला कि विरोध करने वाले, हाईकोर्ट के आदेश तक की अनदेखी कर रहे हैं। क्या यह गंभीर मसला नहीं है? यह भी कम दिलचस्प नहीं कि केरल पोर्ट के समर्थन में वहीं के स्थानीय लोग प्रदर्शन भी कर रहे हैं। लैटिन चर्च से अलग ईसाई ही पोर्ट को समर्थन वाले आंदोलन के अगुआ भी हैं। समर्थन करने वालों में मुस्लिम और हिंदू आबादी भी है। उन्हें मालूम है कि पोर्ट बनने के बाद सबसे ज्यादा फायदा उन्हें ही मिलने वाला है। समझने वाली बात यह भी है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का जो तर्क गढ़ा गया- उसके दूसरे पहलू भी हैं। पोर्ट के लिए जिन तटों पर कुछ महीने पहले काम हुआ था, अब वे अपनी प्राकृतिक स्थिति में वापस आ चुके हैं।

कोलंबो में चीन की मौजूदगी को देखते हुए केरल में पोर्ट बनाने के अलावा देश के पास कोई विकल्प भी नहीं है। शायद मोदी सरकार गंभीरता को समझ रही हो, तभी उसने इसे अन्य राज्यों से जोड़ने की पहल भी की है। मनमोहन सिंह के रूप में एक प्रधानमंत्री ने जरूरी प्रोजेक्ट अडानी को दिया। दूसरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल पोर्ट को विशाखापट्टनम पोर्ट और देश के दूसरे हिस्सों से जोड़ने के लिए विशाल हाइवे का नेटवर्क बना रहे हैं। राहुल गांधी और उनकी टीम का मानना है कि दक्षिण की परियोजनाओं से अब स्थानीय लोगों को नुकसान पहुंच रहा है। क्या है यह? राहुल एंड टीम क्या चाहती है। अडानी पोर्ट के विरोध में राहुल और कांग्रेस सीधे-सीधे नहीं दिख रहे, मगर उनकी भूमिका गंभीर है।कांग्रेस कई महीनों से संबंधित पोर्ट और उसे जोड़ने वाले हाइवे के निर्माण के विरोध की पटकथा लिखती रही है। प्रदर्शनकारियों को उकसा रही है, उन्हें सपोर्ट कर रही है। इसमें पर्यावरण का हवाला देते हुए दक्षिण की तमाम परियोजनाओं का विरोध किया गया था। केरल पोर्ट भी। सभी परियोजनाएं सीधे-सीधे चीन और अरब को प्रभावित करने वाली हैं। तमाम पर्यावरण कार्यकर्ताओं को राहुल गांधी की यात्रा में साथ-साथ टहलते देख भी सकते हैं। विरोध में उन्हीं का सिंडिकेट है। बहरहाल राहुल गांधी को अब अपनी ही परियोजनाओं को लेकर संदेह है और वे मानते हैं कि उनकी सरकार से गलती हुई। क्या केरल में पोर्ट बनाना भारत की गलती है या फिर चीन-दुबई के इशारे पर केरल में पोर्ट बनने देने से रोकना भारत की गलती होगी?केरल में पोर्ट बन जाने से अगर देश समुद्री कारोबार में विदेशी बिचौलियों से मुक्त हो जाएगा तो इससे किसी को क्यों दिक्कत होनी चाहिए? कोई बिजनेस विशेशज्ञ ज्यादा बेहतर तरीके से बता सकता है कि केरल पोर्ट से कैसे ना सिर्फ केरल बल्कि देश के दूसरे तमाम राज्यों को सीधा-सीधा फायदा मिलेगा। कितना विरोधाभास है कि राजनीति के लिए कांग्रेस को अपनी ही परियोजनाओं का विरोध करना पड़ रहा है। भाजपा दूसरे की परियोजना के लिए आगे आ रही है। यह भारतीय राजनीति की सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

क्या महज सत्ता पाने भर के लिए कांग्रेस व्यापक देशहित को भी दांव पर लगाने को आमादा है अब। अडानी एक कारोबारी हैं। राहुल गांधी लगभग गाली देने के अंदाज में उनकी आलोचना करते हैं और अगले दिन उन्हीं के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान में उनसे निवेश करवाते हैं। क्या अडानी की जगह कोई डाऊ केमिकल कोई क्वात्रोची देश में कारोबार करे तो कांग्रेस को ठीक लगेगा।

शब्दों से पैदा होने वाले सियासी बवंडरों को थामेगा कौन

कमलेश पांडेय

लोकसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा हुई जिसमें तमाम दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। चाहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों, या नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, चाहे मजे-मजाए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हों, या नई नवेली लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी या अन्य दलों के सांसद या मंत्रीगण, सबों ने बातों ही बातों में एक-दूसरे की खूब मीन मेख निकाली जबकि अपने गिरेबान में झांकने की कोशिश नहीं की। हां, सबने अपने अपने पसंदीदा संविधान निर्माताओं की जमकर तारीफ की। यह सवाल एक बार फिर निरुत्तर रह गया कि शब्दों के 'संवैधानिक आडंबर' से पैदा होने वाले सियासी बवंडरों को आखिर थामेगा कौन क्योंकि नेताओं की संकीर्ण सियासी सोच ने तो जनमानस को एक बार फिर से निराश किया है. वरिष्ठ पत्रकार उमेश चतुर्वेदी ने तो लिंक्ड इन पर यहां तक लिख दिया कि 'संविधान पर चर्चा में आरोप-प्रत्यारोप ज़्यादा रहा। बेहतर होता कि सभी पक्ष मूल मुद्दों, समस्याओं और चुनौतियों पर विचार करते। 1997 जैसी चर्चा हो सकती थी. तब आजादी की स्वर्ण जयंती पर बेहतर चर्चा हुई थी। कहने का तात्पर्य यह कि उन्होंने चर्चा के स्तर पर भी तुलनात्मक सवाल खड़ा कर दिया। स्पष्ट है कि सियासत का स्तर भी गिरा है! ऐसे लोगों से उम्मीद भी क्या की जा सकती है। ऐसे में सुलगता सवाल है कि जो विधान हमारे देश व समाज को तोड़ने के लिए और ब्रिटिश साम्राज्यवादी हित साधने के लिए अंग्रेजों द्वारा बनाए गए थे, उनके अधिकांश नकारात्मक तथ्यों को भारतीय संविधान में भी जगह क्यों दे दी गई? जरा आजादी से पहले बने विभिन्न अधिनियमों पर गौर कर लीजिए। उनमें से कई हूबहू या थोड़ा हेर-फेर के हमारे संविधान में मिल जाएंगे। समझा जाता है कि इससे आजाद भारत में लोगों में वैचारिक मतभेद बढ़ा, प्रतिक्रिया स्वरूप ब्रेन ड्रेन बढ़ा और जो यहां बच गए वो 'विदेशी एजेंट्स' बनकर भारत को कमजोर करने लगे! इन बातों की शिनाख्त करने और उस पर स्वस्थ बहस करने के बजाय इन लोगों ने संविधान का गला मरोड़ने से लेकर संविधान को बचाने तक के अनेक दृष्टांत गिनाए। यक्ष प्रश्न है कि जब संविधान की नौंवी अनुसूची में शामिल विषयों, आपातकाल, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने, गरीबी मिटाने, रोजगार आदि बातें तो रोज टीवी स्क्रीन पर होती हैं तो फिर इसके लिए लोकसभा में भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर चर्चा करने जैसी क्या जरूरत आन पड़ी थी, जब घिसे-पिटे सियासी मुद्दों को ही बार बार दुहराना था. चलिए 75 साल में इनको दोहरा लिया तो सही किया लेकिन वह मौलिकता कहाँ दिखी जो यह बताती हो कि हमारे संविधान निर्माताओं ने ये गलतियां कीं जिनकी 21वीं शताब्दी में कोई जरूरत नहीं है. हमारे पूर्व प्रधानमंत्री ने ये-ये भूलें की, जिसे नए भारत में बदल देने की जरूरत है! इसलिए सवाल उठता है कि आखिर उन शाब्दिक विरोधाभासों की चर्चा हमारे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने क्यों नहीं की जिससे जाने-अनजाने में भारत कमजोर होता है, भारतीयता संदिग्ध होती है, सवर्ण-ईडब्ल्यूएस, पिछड़ा-अति पिछड़ा, दलित-महादलित, बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक, पसमांदा, भाषाई राज्यों, धर्मनिरपेक्षता-धार्मिक आतंक, समाजवाद-पूंजीवाद जैसे शब्दों के प्रतिक्रिया स्वरूप सामाजिक विरोधाभास बढ़ते हैं। कहना न होगा कि इन द्विअर्थी शब्दों से निर्वाचित जनप्रतिनिधियों या इस कतार में शामिल लोगों, चयनित नौकरशाहों या इस पंक्ति में प्रतीक्षारत जमात, कृपापात्र उद्यमियों और इनके इर्द गिर्द मंडराने वाले लोगों की तो मौज रहती है लेकिन बाकी बचे लोगों के लिए संघर्ष, षड्यंत्र, संशय और संत्रास की जद्दो जहद ही मुबारक प्रतीत होती है। वहीं कोढ़ में खाज यह कि हमारे देश में सिर्फ वोट का महत्व समान है लेकिन हर व्यक्ति वोट दे पाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है। इसलिए तो हर चुनाव में कुछ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से ही गायब मिलते हैं। सच कहूं तो किसी भी देश में शांति और सुव्यवस्था लोगों की पहली पसंद होती है, जिसे देने में आधुनिक लोकतंत्र और संविधान दोनों विफल साबित हुए हैं। लोगों का पेशेवर अनुभव बताता है कि आतंकवाद, नक्सलवाद और अंडरवर्ल्ड के कारनामों, तस्करों, मिलावटखोरों, प्रशासनिक घूसखोरों और न्यायिक परिसरों में विचरते पढ़े-लिखे षड्यंत्रकारियों के दांवपेचों से आज हर व्यक्ति परेशान है। आलम है कि 1992 के बाद प्रचलित लाभ आधारित आधुनिक अर्थव्यवस्था की अंधी दौड़ में मानवता का गला हर ओर घोंटा जा रहा है लेकिन प्रशासन इसे रोकने में बेपरवाह है, क्योंकि उसे 'सुविधा शुल्क' तो मिल ही जाता है। वहीं, बाजारू भ्रष्टाचार से हर कोई प्रभावित है जबकि उसे रोकने में प्रशासन विफल है ! ऐसे में इस लोकतंत्र का, संविधान का, प्रशासन तंत्र का, न्यायिक तंत्र का, मतलब क्या रह जाता है? आप खुद सोचिए। उससे भी बड़ा ज्वलंत सवाल यह कि जब विदेशी निवेश के नाम पर विदेशी कम्पनियों के इशारे पर आम भारतीयों के हितों को कमजोर करने वाले कानून हमारे निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के द्वारा ही बनाए जाते हैं तो फिर जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर सवाल उठेंगे ही क्योंकि भारत की परिस्थिति और पश्चिमी देशों की परिस्थितियां अलग-अलग हैं, जनसंख्या को लेकर और प्राकृतिक संसाधनों को लेकर भी लेकिन हमारे जनप्रतिनिधिगण इस तफरके को समझने में नाकाम रहे हैं। लिहाजा, उनके द्वारा बनाए हुए संसदीय कानून, सवाल-जवाब इसी बात की चुगली करते हैं। सच्चे अर्थों में आम भारतीयों की दुर्दशा की असली वजह भी ये ही हैं अन्यथा 75 साल कम नहीं होते। वैसे भी अब बूढ़े हो चले भारतीय संविधान से नवयुवक कितना उम्मीद रखेंगे? सवाल है कि जब हमारे यहां पर्याप्त श्रमबल है तो फिर कार्यों में मशीनीकरण को बढ़ावा क्यों दिया जा रहा है? क्या सिर्फ इसलिए कि निजी कम्पनियों को लाभान्वित किया जाना है? वहीं, जब ग्रामीण भू-जमींदारी का उन्मूलन किया गया तो शहरी भू-जमींदारी क्यों छोड़ दी गई? और अब कम्पनियों या फर्मों की भू-जमींदारी और बेनामी सम्पत्तियों पर चर्चा क्यों नहीं होती? क्या इसलिए कि भारतीय अभिजात्य वर्गों का प्रतिनिधित्व संसद में है, विधानमण्डलों में है? वहीं, राष्ट्रीय परिसम्पत्तियों को सिर्फ निजी कम्पनियों को ही क्यों दिया जाता है? बाजारों में आरक्षण क्यों नहीं लागू किया जाता क्योंकि बनिया वर्ग से चुनावी चंदा मिलती है? सवाल बहुत है, पर जवाब नदारद !

सबसे ज्यादा अरबपति फिर भी आधी आबादी गरीबी रेखा के नीचे!

मनोज कुमार अग्रवाल

इसे दुर्भाग्य कहा जा सकता है या हमारे नीति निर्माताओं की गलतियों का नतीजा कि दुनिया के अरबपतियों की तादाद में वृद्धि दर में भारतीय सबसे आगे हैं लेकिन फिर भी करोड़ों लोगों को मुफ्त राशन से अपनी आधी-अधूरी भूख मिटाने की मजबूरी है। संयुक्त राष्ट्र की 2024 की रिपोर्ट में 23.4 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने के लिए मजबूर बताया गया है आज किसी भी व्यक्ति की आय राष्ट्रीय की तुलना में यदि 60 फ़ीसदी कम है तो उसे व्यक्ति को गरीबी रेखा के नीचे माना जाता है हालांकि भारत सरकार का दवाई की देश में 85 परसेंट गरीबी घट गई है और अब सिर्फ पांच पीस दी लोग ही गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं लेकिन सवाल उठता है कि यदि 8595 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से बाहर आ गए हैं तो मुफ्त अनाज पाने वाले 81 करोड लोग कौन है? दुनिया के सभी देशों में जिस तरीके से अरबपतियों की संख्या बढ़ रही है, उसमें भारत का स्थान शीर्ष पर है। यूबीएस की एक रिपोर्ट हाल ही में प्रकाशित हुई है। उसके अनुसार चीन में अरबपतियों की संपत्ति सालाना 20 फीसदी की दर से बढ़ी है। पिछले 5 वर्षों में अब इसमें पांच फीसदी की कमी आ गई है। 2020 से 2024 के बीच में अमेरिका के अरबपतियों की संपत्ति 58.5 फीसदी की दर से बढ़ी है। वहीं भारत में अरबपतियों की संख्या 263 फीसदी की दर से बढ़ रही है। इसको लेकर सारी दुनिया के देशों में आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। भारत में पिछले 10 सालों में अरबपतियों की संपत्ति तीन गुना 77 लाख करोड़ से बढ़कर 203 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। पिछले 10 साल में भारतीय अरबपतियों की संख्या 83 से बढ़कर 185 पर पहुंच गई है। भारत में अरबपतियों की संपत्ति ओसतन पिछले वर्षों में 263 फीसदी की दर से बढ़ी है। जो दुनिया के देशों में अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भारत के शेयर बाजार की इसमें सबसे बड़ी भूमिका है। 2017 में क्रेडिट सुइस की एक रिपोर्ट में कहा गया था, भारत में बिजनेस स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टेड जो शीर्ष 500 कंपनियां हैं, उनकी संपत्तियों में बड़ी तेजी के साथ वृद्धि हुई है। भारतीय शेयर बाजार ने पिछले वर्षों में जिस तरह की ऊंचाइयां छुई है, उसके कारण सारा विश्व हतप्रभ है। पिछले 5 वर्षों में चीन में अरबपतियों की संख्या लगभग 16 फीसदी घट गई है। चीन ने अपने गरीब और मध्यम वर्ग के नागरिकों की हालात को बेहतर बनाने के लिए अपनी नीतियों में परिवर्तन किया। जिसके सुखद परिणाम चीन में देखने को मिल रहे हैं। अमेरिका के अरबपति भी भारतीय अरबपतियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में अमेरिका के अरबपतियों की संपत्ति 58.5 फीसदी बढ़ी है। यूरोप के अन्य देशों में भी अमीरी बढ़ने की रफ्तार घटी है। इसी बीच भारत के अरबपतियों की संपत्ति में लगातार वृद्धि हो रही है। दुनिया के सभी देशों के अरबपतियों की संपत्ति 2015 में 533.5 लाख करोड़ थी। जो 2024 में बढ़कर 1185 लाख करोड रुपए पर पहुंच गई है। दुनिया के 185 अरबपतियों की संपत्ति के मामले में भारत के 102 उद्योगपति हैं। जिनकी संपत्ति पर तेजी के साथ वृद्धि हुई है। चीन के सिर्फ पांच हैं। पूंजीवाद के इस युग में भारत में सबसे ज्यादा संपत्ति और आय अरबपतियों की बढ़ रही है। इन्हें भारत में सबसे कम टैक्स देना होता है। मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग की आय कम होती जा रही है।

0 पिछले 10 वर्षों में टैक्स और शुल्क मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग पर बढ़ाए गए हैं। जिसके कारण असमानता, सामाजिक व्यवस्था में भारत की बढ़ती जा रही है। पिछले 10 वर्षों में भारत में अमीरी और गरीबी के बीच में खाई लगातार बढ़ती चली जा रही है। भारत की पहचान एक समाजवादी देश के रूप में थी। यहां पर पूंजीवाद और साम्यवाद दोनों मिलकर काम कर रहे थे। पिछले 10 वर्षों में जिस तरीके से भारत में पूंजीवाद बढ़ रहा है, उसने भारतीय अर्थव्यवस्था में पूंजीवाद को असमान तरीके से बढ़ावा दिया है। पूंजीपतियों की कमाई बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। उनकी संपत्ति भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। इसकी तुलना में गरीब और मध्यम वर्ग की आय, खर्च की तुलना में लगातार कम हो रही है। जो भारत की सबसे बड़ी समस्या बनकर सामने आ रही है। भारत इन दिनों महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से गुजर रहा है। 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देना पड़ रहा है। मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग पर कर्ज लगातार बढता जा रहा है। निम्न और मध्यम वर्ग की बचत लगातार घटती चली जा रही है। उनके ऊपर कर्ज भी बढ़ता चला जा रहा है। इसके विपरीत सारा कारोबार सरकारी नीतियों के कारण कॉर्पोरेट कंपनियों के पास पहुंच रहा है।

चला गया तबले का फ़नकार उस्ताद जाकिर हुसैन

डॉ श्रीगोपाल नारसन

मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन का 73 साल की उम्र में अमेरिका के एक अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया है। जाकिर हुसैन के दिल का अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में उपचार चल रहा था। वही इस गंभीर बीमारी के कारण उनकी मौत हो गई। मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन को हृदय संबंधी समस्याओं के बाद अमेरिकी शहर सैन फ्रांसिस्को के एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। उस्ताद अल्ला रक्खा कुरैशी जो कि अपने जमाने के मशहूर तबला वादक थे, ने तबले के यही बोल 'धाति धागे नधा तिरकिट, धाति धागे धिना गिना, ताति ताके नता तिरकि धाति धागे धिना गिना' अपने डेढ़ दिन के बेटे जाकिर हुसैन के कान में कहे थे, उन्होंने कहा था कि मैं तबले की ही इबादत करता रहा हूं, यही एक बंदगी मैं जानता हूं और यही मेरा आशीर्वाद भी है जाकिर हुसैन के लिए। उस्ताद अल्ला रक्खा कुरैशी का यह बेटा तबले के उस्ताद के नाम से मशहूर हुआ। शायद पैदाइशी के समय कान में जो 'मंत्र रूपी ताल' फूंकी गई, वही उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान बन गई।

सन 1990 के दशक में दूरदर्शन पर अमर गीत 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' और दूसरा एक चाय का विज्ञापन बहुत मशहूर रहा जिसमे यमुना नदी का किनारा, ताजमहल का बैकग्राउंड और 'मुहब्बत की निशानी' के सामने बैठा एक नौजवान जिसकी उंगलियां तो तबलों पर थिरकती ही थीं, बाल भी उसी गति से हवा से बातें करते हुए क्या ही गजब लहराते थे. ये विज्ञापन भले ही चाय का रहा हो, लेकिन उस्ताद जाकिर हुसैन साहब इसके जरिए हर घर में मशहूर हो गए थे। तबले की थाप से भारतीय शास्त्रीय संगीत को पूरी दुनिया में एक नई पहचान दिलाने वाले उस्ताद जाकिर हुसैन का नाम हर संगीत प्रेमी के दिल में बसा है। 9 मार्च सन 1951 को मुंबई में जन्मे जाकिर हुसैन ने संगीत की दुनिया में अपनी अनोखी छाप छोड़ी। बचपन से ही वे अपने पिता के साथ तबले की साधना में जुट गए थे।

जाकिर हुसैन ने सेंट माइकल्स हाई स्कूल मुंबई से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। इसके बाद उन्होंने मुंबई के सेंट जेवियर कॉलेज से ग्रेजुएशन किया था। वे पढ़ाई के साथ-साथ संगीत साधना में भी लगे रहे।जाकिर हुसैन ने अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ वॉशिंगटन में भी पढ़ाई की।

यहां वे संगीत और विश्व सांस्कृतिक धरोहर के आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बने। उनका यह सफर उन्हें बतौर ग्लोबल आर्टिस्ट स्थापित करने में मददगार साबित हुआ। जाकिर हुसैन ने मात्र 12 साल की उम्र में मंच पर तबला बजाना शुरू कर दिया था। उनकी थाप ने जल्द ही उन्हें इंडियन क्लासिकल म्यूजिक के उभरते सितारे के रूप में पहचान दिलाई। पिता उस्ताद अल्ला रक्खा की छत्रछाया में उन्होंने तबले की बारीकियां सीखीं और अपने हुनर को निखारा।

शोकसभा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

गांव के बाहरी छोर पर बस स्टॉप के पास का वह पुराना बरगद का पेड़ आज एक नए किस्म के तमाशे का गवाह बना। पुराने जमाने में यह पेड़ पंचायत और न्याय का केंद्र था। पर आज इसकी शाखाओं के नीचे जो हो रहा था, उसे देखकर खुद पेड़ भी शर्म से झुक गया होगा। दरअसल, यह पूरा मामला गांव के रसूखदार कक्काजी के निधन से शुरू हुआ। कक्काजी जैसे ही परलोक सिधारे, गांव में अफरा-तफरी मच गई। रोने-धोने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। लेकिन ध्यान देने वाली बात यह थी कि इस भीड़ में से आधे लोग ऐसे थे, जिन्हें कक्काजी के जीते-जी उनकी शक्ल तक पहचाननी मुश्किल होती। शोक सभा में ओवरएक्टिंग ब्रिगेड का धमाकेदार आगमन हुआ। उनके लीडर, मुनुआ मास्टर, जो खुद को दूसरे दिलीप कुमार मानते थे, ने आते ही ऐसा विलाप करना शुरू किया, मानो कक्काजी उनके परम मित्र थे। हाय कक्काजी! अब मैं किसके सहारे जियूंगा? उन्होंने इतनी करुणा से चिल्लाया कि बगल में खड़ी महिला हक्की-बक्की रह गई। वहीं, रामखिलावन ने मुनुआ मास्टर को पीछे छोड़ने की ठानी। उन्होंने अपने आंसू निकालने के लिए प्याज का सहारा लिया। आंखों से झर-झर बहते आंसुओं के बीच उन्होंने डायलॉग फेंका, कक्काजी, आप बहुत याद आओगे। अब आपके बिना दुनिया सूनी हो गई! इस बीच, चंदन भाई और उनकी मंडली, जिनका शोक से ज्यादा सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने का शौक था, अपनी सेल्फी मोड में व्यस्त हो गए। भाई, जरा ऐसे पोज दो, जिससे लगे कि हम बहुत दुखी हैं, चंदन ने कहा। कैप्शन क्या डालें? उनके दोस्त ने पूछा। लाइफ इज शॉर्ट, किप स्माइलिंग। फोटो अपलोड हुई और तुरंत 200 लाइक्स आ गए। कोई कमेंट कर रहा था, सच्चा शोक! तो कोई पूछ रहा था, कक्काजी कौन थे? शोक सभा के माहौल में एक और टीम एक्टिव थी— पेट-पूजा के कलाकार। भूखलाल और उनके साथी खाना खाने के बहाने शोक व्यक्त करने आए थे। भाई, सुनने में आया है कि आज कक्काजी के घर की खीर बहुत स्वादिष्ट बनी है, भूखलाल ने कहा। अरे, खीर ही नहीं, पूड़ी, आलू-सब्जी और गुलाब जामुन भी है! जब तक लोग विलाप कर रहे थे, ये मंडली रसोई में जमकर भोज कर रही थी। आह, कक्काजी की आत्मा तृप्त हो गई होगी! भूखलाल ने डकार लेते हुए कहा। और तो और, गांव के एक महाशय, बिजनेसमैन बलराम, ने इसे एक ब्रांडिंग अवसर में बदल दिया। उन्होंने कक्काजी के शोक सभा का प्रायोजन कर दिया। यह सभा 'बलराम एंड संस एग्रो प्रोडक्ट्स' द्वारा प्रायोजित है, एक पोस्टर पर लिखा था। सभा में पहुंचे हर व्यक्ति को बलराम के ब्रांड का एक कैरी बैग दिया गया, जिसमें उनके उत्पादों के सैंपल थे। बलराम ने भाषण देते हुए कहा, कक्काजी हमारे आदर्श थे। उनकी स्मृति में हमने आज 10% डिस्काउंट की घोषणा की है। शाम तक, शोक सभा का हाल किसी मेले से कम नहीं था।

क्यों नहीं हुआ कभी युधिष्ठिर का अंतिम संस्कार बाकी पांडवों का क्या हुआ था ?

महाभारत में कई बातें ऐसी हुईं कि वो बिल्कुल अलग थीं। जब युधिष्ठिर ने एक दिन हस्तिनापुर में तय किया कि वह अब राजपाट छोड़कर भाइयों और द्रौपदी के साथ हिमालय की चढ़ाई करते हुए स्वर्गारोहण करेंगे, तो वो सभी निकल पड़े। इस रास्ते में युधिष्ठिर को छोड़कर उनके सभी भाई और द्रौपदी रास्ते में ही गिरकर प्राण छोड़ते रहे। लेकिन ऐसा क्या था कि युधिष्ठिर का अंतिम संस्कार कभी हुआ ही नहीं।

आखिर क्या था इसका राज। दुनियाभर के सभी धर्मों के लोग मृत्यु के बाद अपने परिजनों का अंतिम संस्कार जरूर करते हैं तो युधिष्ठिर कैसे इससे वंचित रह गए। दरअसल इसकी भी एक कहानी है। सभी पांडव तो रास्ते में जब चढ़ाई शुरू हुई तो पांडवों ने ये सोचा कि वो सभी शरीर के साथ स्वर्ग पहुंचेंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हर पांडव के हिस्से में कुछ ऐसे पाप थे, जिससे वो रास्ते में गिरकर मरते रहे।

तब युधिष्ठिर स्वर्ग के दरवाजे तक पहुंच गये

केवल युधिष्ठिर और उनके साथ एक कुत्ता (जो धर्मराज का रूप था) अपनी यात्रा अंत तक जारी रखते हैं। ऐसा करते हुए युधिष्ठिर स्वर्ग के द्वार तक पहुंच गए। वहां उन्हें इंद्र मिले, जो अपने रथ पर सवार होकर वहां आए थे। उन्होंने युधिष्ठिर को जीवित ही स्वर्ग उनके साथ चलने का न्योता दिया। बस शर्त थी कि उन्हें कुत्ते का साथ छोड़ना होगा।

फिर कैसे स्वर्ग पहुंचे वो

युधिष्ठिर ने कुत्ते (धर्मराज) के बिना स्वर्ग में जाने से इनकार कर दिया। तब इंद्र को उनकी बात माननी पड़ी। उसी समय उनके साथ चल रहा कुत्ता धर्मराज के असली रूप में आ गया। इसके बाद युधिष्ठिर सशरीर स्वर्ग पहुंचे। सशरीर स्वर्ग पहुंचने के बाद उनका शरीर दिव्य रूप में बदल गया।

बाकि पांडवों का अंतिम संस्कार कैसे हुआ

चूंकि युधिष्ठिर ने सशरीर स्वर्ग में प्रवेश किया था। उनकी मृत्यु कभी हुई ही नहीं लिहाजा उनका अंतिम संस्कार भी नहीं हुआ। इस लिहाज से देखें तो वह अकेले ऐसे शख्स थे, जिनकी मृत्यु पृथ्वी पर नहीं हुई। इसी वजह से उनका अंतिम संस्कार भी कभी नहीं हुआ। तो बाकी पांडवों का अंतिम संस्कार कैसे हुआ, किसने किया, ये अब तक एक पहेली ही है।

ये अब तक एक रहस्य ही है

महाभारत में द्रौपदी और पांडवों का अंतिम संस्कार एक रहस्य के समान है। ये बात साफतौर पर कहीं बताई नहीं गई कि युधिष्ठिर को छोड़कर उनके शेष भाइयों और द्रौपदी के मृत शरीरों का क्या हुआ। उनके अंतिम संस्कार किसने किए। स्वर्गारोहण की कथा के अनुसार, उनके शव हिमालय के दुर्गम क्षेत्रों में ही रह गए।

सबसे पहले द्रौपदी गिरीं

स्वर्गारोहण यात्रा में सबसे पहले द्रौपदी गिरीं, उसके बाद क्रमशः सहदेव, नकुल, अर्जुन, और भीम। जब सभी पांडव आपस में बात करते हुए हिमालय की चढ़ाई चढ़ रहे थे तभी अचानक द्रौपदी लड़खड़ाईं। जमीन पर गिर गईं। सभी चकित रह गए कि ये क्या हो गया। तब भीम ने युधिष्ठिर से पूछा कि द्रौपदी ने ऐसा क्या पाप किया, जो वह गिरीं। उनके प्राण निकल गए। तब युधिष्ठिर बोले, वह अर्जुन को लेकर विशेष पक्षपाती थीं, इसलिए उन्हें ये पाप मिला।

फिर सहदेव गिरे

सभी आगे बढ़ गए। कुछ देर बाद सहदेव गिर पड़े। तब भीम ने कहा, माद्रीपुत्र सहदेव के अंदर तो ना किसी तरह का घमंड और ना उसने कभी हम लोगों की सेवा में कोई कोताही की तो फिर वो गिर गया। युधिष्ठिर ने जवाब दिया कि सहदेव का पाप ये था कि वो सोचते थे कि उनसे अधिक बुद्धिमान और कोई नहीं।

अब बारी नकुल के गिरने की थी

उसके बाद नकुल गिरे। भीम ने फिर सवाल किया कि हमारा ये भाई तो कभी धर्म से अलग नहीं हुआ। हमेशा हमारी आज्ञा का पालन किया, फिर वो क्यों गिरे। अब युधिष्ठिर ने जवाब दिया, नकुल सोचते थे कि उन जैसा रूपवान कोई नहीं। इसी वजह से नकुल को अपने कर्मों का फल मिला।

फिर अर्जुन ने भी प्राण छोड़ा

सभी बचे पांडव शोकाकुल थे। सभी को लग रहा था कि पता नहीं कब किसका नंबर आ जाए। अब तो केवल युधिष्ठिर, अर्जुन और भीम ही बचे थे। कुछ देर जाने पर अर्जुन गिरे और प्राण छोड़ दिया।

अब दुखी भीम ने पूछा – भाई युधिष्ठिर अब ऐसा क्यों हो गया। अर्जुन ने तो कभी झूठ नहीं बोला, फिर ये दशा क्यों हुई। युधिष्ठिर बोले, अर्जुन हमेशा घमंड किया करते थे कि एक ही दिन में सभी शत्रुओं का नाश कर देंगे, परंतु कभी ऐसा कर नहीं सके। घमंड ही उनका पाप था। इसके साथ साथ वह दूसरे धनुर्धरों का अनादर भी करते थे। ऐसा कहकर युधिष्ठिर आगे बढ़ गए।

आखिर में भीम गिरे

अब भीम भी जमीन पर गिर पड़े। गिरते गिरते बड़े भाई से पूछा, महाराज मैं भी गिर पड़ा हूं। मैं हमेशा आपका प्रिय रहा। आखिर मेरी ये हालत क्यों हो गई। युधिष्ठिर बोले, तुम बहुत अधिक भोजन किया करते थे। हमेशा अपनी ताकत पर कुछ ज्यादा ही घमंड करते थे। अब युधिष्ठिर के साथ उनका कुत्ता ही बचा रह गया।

तो किसने किया पांडवों का अंतिम संस्कार

चूंकि युधिष्ठिर को छोड़कर बाकी पांडव भाइयों और द्रौपदी के शरीर बर्फ से ढके हिमालय पर गिरे, इसलिए यह संकेत मिलता है कि उनके शरीर वहीं प्रकृति के हाथों में रह गए। धार्मिक दृष्टि से यह माना जा सकता है कि हिमालय जैसी पवित्र भूमि में उनकी मृत्यु ही उनके अंतिम संस्कार के बराबर थी। यह भी संभव है कि उनके शरीरों का अंतिम संस्कार किसी स्थानीय ऋषि, तपस्वी, या देवदूतों ने किया हो।

प्रयागराज में गंगा किनारे नागों के राजा वासुकि ने किया था विश्राम!

पुराणों में कई नागों की कथाओं का वर्णन है। जिनमें से नाग वासुकी को सर्पराज माना जाता है। नाग वासुकी भगवान शिव के कण्ठहार हैं, समुद्र मंथन की पौराणिक कथा के अनुसार नागवासुकी सागर को मथने के लिए रस्सी के रूप में प्रयुक्त हुए थे। समुद्र मंथन के बाद भगवान विष्णु के कहने पर नागवासुकि ने प्रयाग में विश्राम किया। देवताओं के आग्रह पर वो यहां ही स्थापित हो गये। मान्यता है कि प्रयागराज में संगम स्नान के बाद नागवासुकि का दर्शन करने से ही पूर्ण फल की प्राप्ति होती है। नागवासुकि जी का मंदिर वर्तमान काल में प्रयागराज के दारागंज मोहल्ले में गंगा नदी के तट पर स्थित है।

नागवासुकि जी कथा का वर्णन स्कंद पुराण, पद्म पुराण,भागवत पुराण और महाभारत में भी मिलता है। समुद्र मंथन की कथा में वर्णन आता है। जब देव और असुर, भगवान विष्णु के कहने पर सागर को मथने के लिए तैयार हुए तो मंदराचल पर्वत मथानी और नागवासुकि को रस्सी बनाया गया था। लेकिन मंदराचल पर्वत की रगड़ से नागवासुकि जी का शरीर छिल गया था। भगवान विष्णु के ही कहने पर उन्होंने प्रयाग में विश्राम किया। त्रिवेणी संगम में स्नान कर घावों से मुक्ति प्राप्त की। वाराणसी के राजा दिवोदास ने तपस्या कर उनसे भगवान शिव की नगरी काशी चलने का वरदान मांगा।

समुद्र मंथन के बाद सर्पराज नाग वासुकि ने प्रयाग में किया था विश्राम

दिवोदास की तपस्या से प्रसन्न होकर जब नागवासुकि प्रयाग से जाने लगे तो देवताओं ने उनसे प्रयाग में ही रहने का आग्रह किया। नागवासुकि ने कहा कि यदि मैं प्रयागराज में रुकूंगा तो संगम स्नान के बाद श्रद्धालुओं के लिए मेरा दर्शन करना अनिवार्य होगा। सावन मास की पंचमी के दिन तीनों लोकों में मेरी पूजा होनी चाहिए। देवताओं ने उनकी इन मांगों को स्वीकार कर लिया। ब्रह्माजी के मानस पुत्र द्वारा मंदिर बना कर नागवासुकि को प्रयागराज के उत्तर पश्चिम में संगम तट पर स्थापित किया गया।

नागवासुकि मंदिर में स्थित था भोगवती तीर्थ

एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार जब देव नदी गंगा जी का धरती पर अवतरण हुआ तो भगवान शिव की जटा से उतर कर भी मां गंगा का वेग अत्यंत तीव्र था और वो सीधे पाताल में प्रवेश कर रहीं थी। तब नागवासुकि ने ही अपने फन से भोगवती तीर्थ का निर्माण किया था। नागवासुकि मंदिर के पुजारी श्याम लाल त्रिपाठी ने बताया कि प्राचीन काल में मंदिर के पश्चिमी भाग में भोगवती तीर्थ कुंड था जो वर्तमान में कालकवलित हो गया है। मान्यता है बाढ़ के समय जब मां गंगा मंदिर की सीढ़ियों को स्पर्श करती उस समय इस घाट पर गंगा स्नान से भोगवती तीर्थ के स्नान का पुण्य मिलता है मान्यता है कि नागपंचमी पर सर्पों के पूजन पर्व यहीं से शुरू हुआ मंदिर के पुजारी ने बताया कि नागपंचमी पर्व की शुरुआत भगवान नागवासुकि जी की शर्तों के कारण ही हुई। नाग पंचमी के दिन मंदिर में प्रत्येक वर्ष मेला लगता है। मान्यता है इस दिन भगवान वासुकि का दर्शन कर चांदी के नाग-नागिन का जोड़ा अर्पित करने मात्र से कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक मास की पंचमी तिथि को नागवासुकि के विशेष पूजन का विधान है। इस मंदिर में कालसर्प दोष और रूद्राभिषेक करने से जातक के जीवन में आने वाली सभी तरह की बाधाएं समाप्त हो जाती हैं। संगम स्नान, कल्पवास और कुम्भ स्नान के बाद नागवासुकि के दर्शन के बाद ही पूर्ण फल की प्राप्ति होती है और जीवन में आने वाली सभी बाधांए दूर होती हैं।

घर के इन जगहों पर भूलकर भी न रखें पैसा पैर जकड़ के बैठ जाएगी कंगाली

क्या आप जानते हैं कि घर में पैसे रखने का स्थान भी आपकी आर्थिक स्थिति पर असर डाल सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कुछ ऐसे स्थान होते हैं जहां पैसा रखने से सकारात्मक ऊर्जा रुक जाती है, जिस वजह से गरीबी, कर्ज और अधिक खर्च जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अगर आपको इस बारे में कुछ नहीं पता है तो आइए जानते हैं वास्तु के अनुसार किन जगहों पर आपको पैसे रखने से बचना चाहिए, ताकि धन और समृद्धि हमेशा आपके साथ रहे।

घर की तिजोरी

ज्योतिष के मुताबिक, वास्तु शास्त्र में घर की तिजोरी को एक निश्चित दिशा में रखना चाहिए। तिजोरी को कभी भी अंधेरी जगह पर नहीं रखना चाहिए।

अगर तिजोरी को अंधेरी जगह पर रखा जाए तो इससे घर में धन की कमी और आर्थिक परेशानियां हो सकती हैं। इसी तरह तिजोरी को भी ऐसे स्थान पर नहीं रखना चाहिए जहां हवा का संचार न हो, क्योंकि इससे धन की कमी और आर्थिक संकट हो सकता है। वास्तु में माना जाता है कि तिजोरी का स्थान घर की उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए, जहां सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है।

दीवार के पास शौचालय या बाथरूम

घर में पैसे रखने का एक और स्थान जिसे वास्तु शास्त्र में गलत माना जाता है, वह है दीवार के पास।

अगर आप अपना पैसा ऐसे स्थान पर रखते हैं जहां दीवार के पास शौचालय या बाथरूम हो तो इससे भी वास्तु दोष हो सकता है। माना जाता है कि ऐसी जगहों पर पैसे रखने से पैसा टिकता नहीं है और फिजूलखर्ची भी बढ़ती है। परिणामस्वरूप आर्थिक संकट एवं धन विकार संभव है। इसलिए वास्तु शास्त्र के अनुसार धन को उस स्थान से दूर रखना चाहिए जहां शौचालय या स्नानघर हो।

दक्षिण दिशा में पैसा रखना

वास्तु के अनुसार दक्षिण दिशा में पैसा रखना भी गलत माना जाता है। दक्षिण दिशा को यम स्थान माना जाता है और यहां धन रखने से घर में दरिद्रता और धन की कमी हो सकती है।

इस दिशा में पैसा रखने से घर में आर्थिक तंगी और दरिद्रता आती है, जिसका असर परिवार की खुशियों पर पड़ सकता है।

इसलिए वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में धन रखने के लिए उत्तर, उत्तर-पूर्व और पूर्व दिशा सबसे अच्छी मानी जाती है। क्योंकि ये दिशाएं सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होती हैं और घर में समृद्धि लाती हैं।

तुलसी माला पहनते समय इन बातों का रखें ध्यान

सनातन धर्म में तुलसी को जगत के पालनहार भगवान विष्णु से जोड़कर देखा जाता है, क्योंकि तुलसी का पौधा श्रीहरि को प्रिय है। जातक देवी लक्ष्मी और विष्णु जी की कृपा प्राप्त करने के लिए तुलसी की माला पहनते हैं। ऐसा माना जाता है कि तुलसी माला के नियम का पालन न करने से जीवन में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है, तो ऐसे में नियम का पालन करना बेहद आवश्यक होता है।

इन बातों का रखें ध्यान

तुलसी की माला पहनने से पहले से इसे गंगाजल से शुद्ध करें।

इसे पहनने वाले जातक को मांसाहारी भोजन और शराब का सेवन नहीं करना चाहिए।

जातक को रोजाना सुबह पूजा के दौरान श्रीहरि के मंत्रों का जप करना चाहिए।

जातक को रुद्राक्ष की माला पहनने से बचना चाहिए।

ऐसी धार्मिक मान्यता है कि इस माला को पहनने से जीवन के सभी तरह के दुख और संकट से छुटकारा मिलता है।

इसके अलावा किसी के बारे में गलत न सोचें और किसी को गलत शब्द न बोलें।

इन जगहों पर जाना है वर्जित

तुलसी की माला पहनने वाले इंसान को श्मशान घाट जाने से बचना चाहिए। अगर जरुरी काम से श्मशान घाट से जाना है, तो तुलसी की माला को पहले उतारकर गंगाजल में रख दें। वहां से आने के बाद इसे पहने।

इस दिन धारण कर सकते हैं माला

सनातन शास्त्रों के अनुसार, तुलसी माला को पहनने के लिए सोमवार, बुधवार और गुरुवार का दिन शुभ माना जाता है। रविवार और अमावस्या के दिन तुलसी माला नहीं पहननी चाहिए।

तुलसी माला धारण करने से मिलते हैं ये आध्यात्मिक लाभ

तुलसी माला पहनने वाले जातक को मानसिक शांति प्राप्त होती है। साथ ही तनाव और चिंता से छुटकारा मिलता है।

ध्यान में वृद्धि होती है।

इसके अलावा बुध और शुक्र ग्रह मजबूत होते हैं।

घर में सुख-शांति का आगमन होता है।

जातक पर सदैव मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है।

धन लाभ के योग बनते हैं।

माला टूटने पर क्या करें ?

यदि आपकी माला किसी वजह से टूट गई है, तो ऐसे में माला को इधर-उधर भूलकर भी न फेंके। इसे पवित्र नदी में विसर्जित कर दें। इसके अलावा तुलसी के पौधे में भी टूटी हुई माला को रख सकते हैं। इसके बाद नई माला को शुद्ध कर पहने।

नंदी के कान में इस तरह बोलें अपनी मनोकामना

नंदी जी के कान में अपनी मनोकामना कहने से पहले विधि-विधान से उनका पूजन करना चाहिए और दीपक जलाएं उन्हें भोग लगाना चाहिए। इसके बाद ऊँ शब्द बोलकर अपनी मनोकामना नंदी जी के कान में कहनी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि यदि आप नंदी जी के बाएं कान में मनोकामना कहते हैं, तो वह जल्द महादेव तक पहुंचती है और पूरी होती है।

रखें इन बातों का ध्यान

नंदी जी के कान में अपनी मनोकामना कहते समय इस बात का पूर्ण रूप से ध्यान रखना चाहिए, कि आपके द्वारा कही गई बात कोई और न सुन रहा हो, इसलिए अपनी बात कहते समय आपको अपना मुंह भी ढक लेना चाहिए। मनोकामना कहने के बाद नंदी जी को कुछ भेंट जैसे - फल, प्रसाद या धन आदि अर्पित करना चाहिए। अंत में कहें कि 'नंदी महाराज हमारी मनोकामना पूरी कीजिए'।

कैसे होनी चाहिए मनोकामना

नंदी जी के कान में ऐसा इच्छा कहनी चाहिए, जिसका पूरा होना संभव हो। इसी के साथ किसी के अहित से जुड़ी इच्छा भी नंदी जी के कान में नहीं कहनी चाहिए।

दुनिया की वो एकमात्र नदी जिसकी परिक्रमा करते हैं लोग

भारत में लगभग 200 से अधिक नदियाँ हैं, जिनमें से हर एक का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। सनातन धर्म में नदियों को देवी का रूप मानकर पूजा जाती है तथा माना जाता है कि इन नदियों में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप समाप्त हो जाते हैं। नदियों के साथ जुड़ी मान्यताएँ और परंपराएँ भारतीय संस्कृति में गहरे रूप से समाहित हैं। किन्तु क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसी नदी है, जिसकी लोग सिर्फ स्नान करने के लिए नहीं, बल्कि उसकी परिक्रमा भी करते हैं? यह विशेष नदी और कोई नहीं, बल्कि नर्मदा है। नर्मदा नदी को दुनिया की एकमात्र नदी माना जाता है, जिसकी लोग परिक्रमा करते हैं।

नर्मदा नदी का महत्व

नर्मदा नदी को जीवनदायिनी माना जाता है। यह नदी न केवल अपने धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि इसके ऐतिहासिक और पारिस्थितिकी दृष्टिकोण से भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। नर्मदा नदी मध्य प्रदेश के अमरकंटक से निकलती है तथा यह नदी गुजरात के खंभात की खाड़ी में जाकर मिलती है। नर्मदा का पानी शुद्ध और पवित्र माना जाता है, और इसके तट पर बसे मंदिरों और घाटों को तीर्थ स्थल के रूप में पूजा जाता है।

नर्मदा नदी के तट पर कई धार्मिक स्थल स्थित हैं, जैसे ओंकारेश्वर, महेश्वर, एवं अमरकंटक, जहां लाखों श्रद्धालु हर साल नर्मदा स्नान करते हैं। नर्मदा नदी का पानी न सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह नदी क्षेत्र के पर्यावरण और जीवन का आधार भी है। इस नदी के तट पर बसे गाँवों और शहरों का जीवन इस नदी के पानी पर निर्भर करता है।

नर्मदा परिक्रमा का महत्व

नर्मदा परिक्रमा न सिर्फ एक धार्मिक यात्रा है, बल्कि यह मनुष्य के आत्म-शुद्धि और मोक्ष की प्राप्ति का साधन भी मानी जाती है। नर्मदा परिक्रमा के चलते श्रद्धालु नदी के चारों ओर 1,320 किलोमीटर लंबी यात्रा करते हैं। यह यात्रा मध्य प्रदेश के अमरकंटक से आरम्भ होकर गुजरात के खंभात की खाड़ी में समाप्त होती है। इस यात्रा में श्रद्धालु नर्मदा नदी के सभी प्रमुख तटों, घाटों, मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर रुकते हैं तथा हर स्थान पर पूजा और आराधना करते हैं।

नर्मदा परिक्रमा का आयोजन विशेष रूप से देवउठनी एकादशी के पश्चात की पूर्णिमा से शुरू होता है। यह परिक्रमा 1,320 किलोमीटर तक चलती है, जिसमें श्रद्धालु नर्मदा नदी के उद्गम स्थल अमरकंटक से शुरुआत करते हैं। इस यात्रा के चलते श्रद्धालु नर्मदा के प्रमुख घाटों जैसे ओंकारेश्वर, महेश्वर, और अन्य धार्मिक स्थलों पर भी रुकते हैं। यात्रा के आखिरी चरण में वे फिर उसी स्थल पर लौटते हैं, जहां से यात्रा की शुरुआत की थी। इस परिक्रमा में हिस्सा लेने वाले श्रद्धालु पूरे रास्ते में पैदल यात्रा करते हैं। यह यात्रा शारीरिक और मानसिक तपस्विता का प्रतीक मानी जाती है तथा इसके चलते श्रद्धालु न केवल शारीरिक रूप से उन्नति करते हैं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति की ओर भी अग्रसर होते हैं।

नर्मदा परिक्रमा से पापों का नाश और मोक्ष प्राप्ति

नर्मदा परिक्रमा का धार्मिक महत्व अत्यधिक है। पुराणों और धार्मिक ग्रंथों के मुताबिक, नर्मदा परिक्रमा करने से मनुष्य के सभी पाप समाप्त हो जाते हैं तथा उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। परिक्रमा करने वाले श्रद्धालु अपने साथ एक आस्था और श्रद्धा लेकर यात्रा करते हैं। इस के चलते वे पूरी यात्रा के दौरान नर्मदा नदी के पवित्र जल से स्नान करते हैं, पूजा अर्चना करते हैं और भजन कीर्तन में लीन रहते हैं। यात्रा के चलते, वे न सिर्फ शारीरिक रूप से सशक्त होते हैं, बल्कि मानसिक और आत्मिक शुद्धता की ओर भी अग्रसर होते हैं। यह यात्रा न सिर्फ धार्मिक दृष्टिकोण से, बल्कि एक जीवन के उद्देश्य को समझने और उसे प्राप्त करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण मानी जाती है।

नर्मदा नदी का उल्टा बहना

नर्मदा नदी उन कुछ नदियों में से एक है, जो उल्टी दिशा में बहती है। यह नदी पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है, जबकि अधिकांश नदियाँ पश्चिम से पूर्व की तरफ बहती हैं। इस विशेषता की वजह से भी नर्मदा नदी को विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व प्राप्त है। माना जाता है कि नर्मदा का पानी बहुत ही शुद्ध है तथा इसकी धाराओं में विशेष शक्ति और ऊर्जा का संचार होता है।

राज कपूर की 100वीं जयंती का जश्न मनाएगी सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन

एक्ट्रेस पूनम ढिल्लों बोलीं- राज कपूर के योगदान को हमेशा याद रखेंगे

इस साल राज कपूर की 100वीं जयंती पर उनकी याद में मुंबई में एक खास इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस इवेंट में राज कपूर के पॉपुलर गानों की प्रस्तुति दी जाएगी। सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन जो कि फिल्म इंडस्ट्री के जरूरतमंद कलाकारों की मदद करती है, इस इवेंट के जरिए फंड जुटाएगी।

एक्ट्रेस और सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष, पूनम ढिल्लों ने इस इवेंट के बारे में बात की। उन्होंने कहा, , 'यह साल उनके लिए 100 साल का था, इसलिए हमने यही थीम चुनी - राज कपूर जी के गाने। उनकी संगीत अद्वितीय है, जैसे कोई अमर धरोहर। हम उन्हें याद करेंगे और उनके गानों का आनंद लेंगे। सुरेश वाडकर, शैलेंद्र सिंह और मुकेश जी के गाने सुनेंगे।

नितिन मुकेश की आवाज में मुकेश जी के गीत होंगे। सुदेश भोसले भी होंगे, जो मन्ना डे और मोहम्मद रफी के गाने गाएंगे। कविता कृष्णमूर्ति और मधुश्री भी लता मंगेशकर के गीत गाएंगी। सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन का यह इवेंट एक श्रद्धांजलि है, जहां हम राज कपूर जी के योगदान को हमेशा याद रखेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'राज कपूर सिर्फ एक फिल्म निर्माता नहीं थे, वे सिनेमा की असली धरोहर थे। उनकी फिल्मों में एक जादू था - प्यार, हंसी, और रोमांस सबकुछ था। उनकी कला और काम के प्रति समर्पण हमें हमेशा प्रेरित करेगा।'

बातचीत के दौरान, उन्होंने राज कपूर की मशहूर होली पार्टियों से जुड़ी कुछ यादें भी साझा कीं। 'उनकी होली पार्टियां हमेशा खास होती थीं। आर के स्टूडियो में सब लोग मिलकर जश्न मनाते थे। वहां मस्ती और गर्मजोशी का माहौल होता था। उनके कॉटेज में सभी का स्वागत होता था। उनके होली पार्टी बहुत मशहूर थी। हर कोई वहां आता था और जैसे ही आप अंदर जाते, आपको टैंक में फेंक दिया जाता था - किसी को फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने भी तैयार होकर आए थे, बाहर निकलने पर आप भीग चुके होते थे। यह पार्टी बहुत मस्ती भरी, हंसी-मजाक और संगीत से भरी होती थी।' आखिरी में, एक्ट्रेस ने राज कपूर के स्ट्रिक्ट स्वभाव के बारे में बताया। 'देखिए, उनके सामने थोड़ा संकोच भी होता था। लोग राज जी से थोड़ा डरते थे। लेकिन उनके स्वभाव में भी एक प्यारा और मिलनसार पहलू था। उनकी संगीत की समझ और प्यार कोई और नहीं कर सकता था। उनका काम और उनकी समझ यूनिक थी।'

सलमान खान-विक्की में से किसके साथ रश्मिका की है स्पेशल बॉन्डिंग

रश्मिका मंदाना अपनी हालिया रिलीज पुष्पा 2 द रूल की सफलता का आनंद ले रही हैं। रश्मिका अब अपने आगामी बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स की तैयारी कर रही हैं, जिसमें सलमान खान की सिकंदर और विक्की कौशल की छावा शामिल हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में, उन्होंने दोनों अभिनेताओं के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बातचीत की। रश्मिका मंदाना ने एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म सिकंदर में अपने को-स्टार सलमान खान को लेकर खुलकर बातचीत की और कहा, सलमान सर और मैं जो भी बात करते हैं वह हमेशा हमारे बीच ही रहेगी। मुझे लगता है कि इन रिश्तों को बिना, दिखावा किए बिना, इन्हें बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

एनिमल फिल्म में रणबीर कपूर के साथ बेहतरीन अभिनय के बाद नेशनल क्रश अब पुष्पा 2 द रूल के बाद क्रशमिका बन चुकी हैं। रश्मिका ने सलमान खान और

विक्की कौशल के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की। रश्मिका ने कहा, " (सलमान खान) और (विक्की कौशल) दोनों ही पूरी तरह से अलग हैं, लेकिन वे दोनों ही दयालु हैं। उनके साथ काम करना बेहद खास अनुभव रहा है और वे वास्तव में अच्छे इंसान हैं, जो उनके लिए सबसे ज्यादा मायने रखता हैं।"

रश्मिका ने यह भी बताया कि वह अपने सभ को-स्टार से सीखी गई अनोखी बातों को महत्व देती हैं, जो लिए काफी लाभकारी भी होता है। उन्होंने बताया कि अपने सहकर्मियों के साथ बिताए गए पल और बातचीत को हमेशा छुपाकर रखना सही रहता है। सलमान खान का जिक्र करते हुए रश्मिका ने कहा कि वे दोनों जो भी आपस में बात करते हैं, वह हमेशा उन दोनों के बीच ही रहेगी। उन्होंने सलमान के साथ की हुई बातचीत को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह उनके लिए बहुत कीमती चीज है।

रश्मिका ने सलमान खान और विक्की कौशल द्वारा उनके प्रति दिखाई गई दयालुता और गर्मजोशी खास रही है और वह उन रिश्तों के लिए आभारी हैं। सिकंदर, ईद 2025 पर रिलीज होगी। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सलमान खान और रश्मिका के अलावा प्रतीक बब्बर, सत्यराज, शरमन जोशी और बाकी कलाकार भूमिकाओं में हैं।

लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित छावा में विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना के अलावा अक्षय खन्ना भी इस ऐतिहासिक कहानी को बड़े पर्दे पर पेश करते नजर आएंगे। शुरुआत में बॉक्स ऑफिस पर पुष्पा 2 द रूल के साथ टकराव की वजह से ही छावा की रिलीज डेट बदल दी गई है। अब फिल्म छावा 14 फरवरी, 2025 को रिलीज होगी।

मुक्का मारकर तोड़ सकती है जबड़ा, कैमरा ऑन होते ही करती है प्यार, कौन है ये मार्शल आर्टिस्ट

रितिका सिंह को बनना तो किक बॉक्सर या मिक्स मॉर्शल आर्टिस्ट था लेकिन उनकी किस्मत में सिनेमा जगत का हिस्सा बनना लिखा था। आज अभिनेत्री रितिका सिंह का जन्मदिन (16 दिसंबर 1994) है। इस मौके पर जानिए, रितिका सिंह की एक्टिंग जर्नी के बारे में।

रोल मिलने की दिलचस्प कहानी

बचपन से ही किक बॉक्सिंग, मॉर्शल आर्ट की ट्रेनिंग लेने वाली रितिका ने सुपर फाइट लीग जैसे कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया। इस कॉम्पिटिशन के एक एड पोस्टर में उन्हें निर्देशक सुधा कोंगरा ने देखा। वह उस दौरान एक फिल्म बनाने जा रही थीं। रितिका को एड पोस्टर पर देखकर उन्हें लगा कि उनकी फिल्म के लिए यही लड़की सही है। रितिका से संपर्क किया गया, उन्होंने ऑडिशन दिया और फिल्म के लिए सेलेक्ट हो गई। पहली ही फिल्म में रितिका ने अपने अभिनय से सबको हैरान कर दिया।

स्पोर्ट्स फिल्म से ही शुरुआत

रितिका का सेलेक्शन तमिल फिल्म 'इरुधि सुत्रु (2016)' के लिए हुआ था। यह एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म थी। फिल्म की कहानी बॉक्सिंग पर ही आधारित थी। इस फिल्म के लिए रितिका का सेलेक्शन इसलिए ही हुआ, क्योंकि वह एक प्रोफेशनल किक बॉक्सर रही हैं। फिल्म में रितिका ने एक बॉक्सर का रोल किया और उनके कोच की भूमिका में आर. माधवन नजर आए थे। इस फिल्म को हिंदी में 'साला खड़ूस' नाम से रिलीज किया गया था।

पहली ही फिल्म के लिए मिला नेशनल अवॉर्ड

फिल्म 'इरुधि सुत्रु' के लिए रितिका को कई अवॉर्ड मिले। साथ ही नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी रितिका के हिस्से आया। स्पेशल मेंशन कैटेगिरी (63वें राष्ट्रीय पुरस्कार) में रितिका सिंह को अवॉर्ड मिला। फिल्म 'इरुधि सुत्रु' को 2017 में तेलुगू भाषा में 'गुरु' नाम से भी बनाया, इसमें भी रितिका ने ही मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद रितिका कई और दक्षिण भारतीय और हिंदी फिल्मों में नजर आईं, जिसमें 'शिवलिंगा', 'ओह माय कडवुले' और 'इन कार' शामिल हैं। वह कुछ बेहतरीन वेब सीरीज का भी हिस्सा बनीं।

रजनीकांत-

अमिताभ के साथ किया काम

साल 2024 में रितिका सिंह एक दक्षिण भारतीय फिल्म 'वैट्टैयान' में भी नजर आईं। इस फिल्म में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गज कलाकारों ने मुख्य भूमिका निभाई। रितिका को भी इन कलाकारों के साथ एक्टिंग करने का मौका मिला। फिल्म में रितिका सिंह के

रितिका सिंह

गुरु रंधावा ने किया दिलजीत दोसांझ पर कटाक्ष?

मशहूर पंजाबी गायक गुरु रंधावा ने हाल ही में एक क्रिप्टिक पोस्ट से सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान आकर्षित किया। गायक का पोस्ट ऐसे समय में आया है जब दिलजीत दोसांझ के ट्वीट के कारण चल रही 'पंजाब बनाम पंजाब' बहस जोर पकड़ रही है। विवाद तब शुरू हुआ जब दिलजीत ने अपने चंडीगढ़ कॉन्सर्ट की घोषणा के लिए 'पंजाब' की जगह 'पंजाब' का इस्तेमाल किया। दिलजीत के जरिए किए गए स्पेलिंग के इस्तेमाल से नेटिजन्स की भौंहें तन गईं, क्योंकि यह आमतौर पर क्षेत्र के पाकिस्तानी पक्ष से जुड़ा हुआ है, जिसके कारण उनकी ऑनलाइन बेहद आलोचना हुई।

गुरु रंधावा के क्रिप्टिक नोट ने खींचा ध्यान

मशहूर गायक गुरु रंधावा ने रविवार रात अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक क्रिप्टिक नोट लिखकर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनकी पोस्ट की टाइमिंग पर सवाल खड़े हो गए क्योंकि यह 'पंजाब बनाम पंजाब' विवाद के बीच में आया है, जो पंजाबी सेंसेशन दिलजीत दोसांझ की एक पोस्ट के बाद से भड़का हुआ है।

कैसे बढ़ा विवाद?

नेटिजन्स ने यह भी ध्यान दिया कि दिलजीत दोसांझ ने अपने अन्य सभी कॉन्सर्ट पोस्ट में तिरंगे का इमोटिकॉन डाला। हालांकि, उन्होंने अपने 'पंजाब' पोस्ट में इसे छोड़ दिया। दिलजीत की इस हरकत ने आग में घी डालने का काम किया। 'पंजाब' की स्पेलिंग के साथ-साथ इस चूक के कारण प्रशंसकों और सोशल मीडिया यूजर्स द्वारा व्यापक अटकलें लगाई गईं और गायक की खूब आलोचना भी हुई।

गुरु रंधावा ने साधा दिलजीत पर निशाना!

इस बीच, गुरु रंधावा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर तिरंगे वाले इमोजी के साथ 'पंजाब' शब्द पोस्ट किया। उनकी पोस्ट के समय पर संदेह पैदा हो गया। साथ ही कई लोगों ने इसे दिलजीत दोसांझ पर कटाक्ष के रूप में देखा।

कौन हैं आशिका भाटिया? फिल्मी करियर, पर्सनल लाइफ से लेकर नेट वर्थ कितनी

आशिका भाटिया टीवी की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। आज वह अपना 25वां जन्मदिन मना चुकी हैं। अभिनेत्री का जन्म 15 दिसम्बर 1999 को सूरत, गुजरात में हुआ। अभिनेत्री को सोनी टीवी के शो 'परवरिश- कुछ खट्टी कुछ मीठी' में गुणवंत कौर अहलूवालिया के लिए पहचाना जाता है। वह सलमान खान की फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' में उनकी छोटी बहन का भी किरदार निभा चुकी हैं। आशिका अभिनेत्री के साथ-साथ एक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर भी हैं। आइए अभिनेत्री की जिंदगी से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों को जानते हैं।

आशिका भाटिया का करियर

आशिका के करियर की शुरुआत 'मीरा' नाम के शो से हुई थी। उन्होंने इंडस्ट्री में एक बाल कलाकार के रूप में कदम रखा। उन्होंने 9 साल की उम्र में डेब्यू किया था। अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उन्होंने स्कूल भी छोड़ दिया। आशिका ने लगभग 12 किलो वजन कम करते हुए गजब का ट्रांसफॉर्मेशन भी किया है।

'बिग बॉस ओटीटी 2' का भी रही हिस्सा

आशिका भाटिया 'बिग बॉस ओटीटी 2' में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने इस शो में वाइल्डकार्ड कंटेस्टेंट्स के तौर पर एंट्री ली थी। उन्होंने अपने बेबाक बोल और सिंपल गेम से फैंस का दिल जीत लिया था।

अलग हो गए आशिका के माता-पिता

गुजरात के सूरत में जन्मी आशिका के पिता राकेश भाटिया एक बिजनेसमैन थे। उनकी मां मीनू भाटिया एक सैलून चलाती हैं। हालांकि, अभिनेत्री के माता पिता अलग हो गए थे और वह अपनी मां के साथ रहती हैं। आशिका के पिता का निधन 25 नवंबर 2024 को हो गया।

आशिका भाटिया के सोशल मीडिया फॉलोअर्स और नेट वर्थ

आशिका भाटिया अभिनेत्री के साथ-साथ सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर भी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर उनके 6.4 मिलियन फॉलोअर्स हैं। आशिका के नेट वर्थ की बात की जाए तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह 14 करोड़ रुपये है।

'स्पिरिट' मूवी में प्रभास के साथ पर्दे पर रोमांस फरमाएंगी मृणाल ठाकुर

'स्पिरिट' की टीम वर्तमान में प्री-प्रोडक्शन के साथ-साथ फिल्म के लिए कास्टिंग भी कर रही है। रिपोर्ट की मानें तो निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा और निर्माता भूषण कुमार इस एक्शन फिल्म की फीमेल लीड के लिए अभिनेत्री मृणाल ठाकुर के साथ बातचीत कर रहे हैं।

संदीप रेड्डी वांगा ने दो हिट फिल्मों 'कबीर सिंह' और 'एनिमल' के साथ बॉलीवुड में अपने लिए जगह बनाई है। और अब, वह पैन इंडिया स्टार प्रभास की मुख्य भूमिका वाली एक और बड़ी फिल्म 'स्पिरिट' बनाने के लिए तैयार हैं। फिल्म में प्रभास एक पुलिस वाले के किरदार में होंगे और इसके 2025 की पहली तिमाही में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। इसी बीच फिल्म की स्टारकास्ट पर आए नए और बड़े अपडेट ने प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है।

प्रभास के अपोजिट नजर आएंगी मृणाल ठाकुर?

करीना-सैफ की जोड़ी भी मचाएगी धमाल

फिल्म 'स्पिरिट' भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी और प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। इसके निर्माता कथित तौर पर फिल्म में सर्वश्रेष्ठ और सबसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं को शामिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।खबरें तो यह भी हैं कि इसमें रियल लाइफ कपल करीना कपूर खान और सैफ अली खान भी नजर आएंगे। फिल्म में दोनों की नकारात्मक भूमिका होने की अटकलें हैं।

क्या राम चरण-कियारा आडवाणी स्टारर 'गेम चेंजर' का बनेगा सीक्वल?

गेम चेंजर अगले साल पोंगल त्यौहार के दौरान रिलीज होने वाली सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। एस शंकर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में, साउथ अभिनेता श्रीकांत ने हैदराबाद में एक इंटरव्यू के दौपान फिल्म पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बात की और इसके साथ ही गेम चेंजर के सीक्वल के बारे में खुलकर बात की।

एस शंकर के साथ काम करने का अनुभव

निर्देशक एस शंकर के साथ अपने काम के अनुभव के बारे में बात करते हुए श्रीकांत ने कहा कि पहले दिन से ही फिल्म के सेट पर शंकर ने उन्हें सहज महसूस कराया। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माता जरूरत के हिसाब से ही कई टेक लेते हैं। श्रीकांत ने बताया कि शंकर को अच्छी तरह पता है कि वह अपने अभिनेताओं से कैसा अभिनय करवाना चाहते हैं।

क्या गेम चेंजर का आएगी सीक्वल

गेम चेंजर के सीक्वल के बारे में बात करते हुए श्रीकांत ने कहा कि उनका मानना है कि गेम चेंजर एक स्टैंडअलोन फिल्म है। श्रीकांत ने उम्मीद जताई कि निर्देशक इस फिल्म के साथ दमदार वापसी करेंगे। श्रीकांत ने कहा, नहीं। मुझे लगता है कि गेम चेंजर एक एकल-भाग वाली फिल्म है। शंकर की हालिया फिल्मों ने भले ही निराश किया हो, लेकिन निर्देशक के तौर पर वे कभी असफल नहीं हुए हैं।

गेम चेंजर होगी बड़ी हिट?

श्रीकांत ने कहा कि फिल्म में वह सभी जरूरत चीजें मौदूज हैं, जिनको देखना लोग पसंद करते हैं, जिसमें राजनीतिक पहलू के साथ कई ट्विस्ट भी शामिल हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह फिल्म बड़ी हिट साबित होगी। श्रीकांत ने आगे बताया कि जब उन्होंने गोविंदुडु अंडारिवाडेले में राम चरण के साथ काम किया था, तब वह अभी भी युवा थे। उन्होंने बताया कि अब आरआर अभिनेता का अभिनय काफी शानदार है।

कब रिलीज होगी फिल्म

श्रीकांत ने कहा कि राम चरण अब ज्यादा परिपक्व भूमिकाएं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अब वे जो भी कर रहे हैं, वे परिपक्व किरदार हैं, चाहे वह रंगस्थलम हो या आरआरआर। 'गेम चेंजर' में उनके दोनों किरदार बेहद ही लाजवाब हैं। इस फिल्म में अप्पन्ना का किरदार निभाना बहुत चुनौतीपूर्ण रहा। गेम चेंजर 10 जनवरी 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

अनुष्का शेट्टी की 'घाटी' फिल्म पांच भाषाओं में बनेगी

बाहुबली फिल्म में देवसेना के किरदार से सभी कि दिलों पर राज करने वाली साउथ अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी की आगामी फिल्म घाटी की रिलीज डेट से पर्दा उठ गया है। हाल ही में फिल्म का बेहद ही शानदार पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसे देखने के बाद प्रशंसकों का उत्साह फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गया है। वहीं फिल्म निर्माताओं ने अब घाटी की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है।

अनुष्का शेट्टी के प्रशंसक फिल्म घाटी की रिलीज डेट आने से बेहद खुश हैं। अनुष्का की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'घाटी' इस साल नहीं बल्कि अगले साल की गर्मियों में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म में वो एक घाटी की रानी की तरह दुश्मनों के छक्के छुड़ाती नजर आएंगी। फिल्म घाटी में अनुष्का शेट्टी के हाव भाव से उनका किरदार काफी गुस्से वाला और रहस्यमयी नजर आ रहा है।

अनुष्का शेट्टी कृष जगरलामुदी की आगामी निर्देशित फिल्म घाटी में दमदार किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में अनुष्का को पहले कभी न देखे गए अवतार में दिखाया गया है। घाटी शुक्रवार, 18 अप्रैल, 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज के लिए तैयार है। इसकी घोषणा करते हुए, निर्माताओं ने एक्स पर लिखा, 'द क्वीन' अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में बॉक्स ऑफिस पर राज करेगी। घाटी 18 अप्रैल, 2025 को दुनिया भर में भव्य रिलीज होगी। फिल्म को तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। अनुष्का शेट्टी की फिल्म कथानार साल 2025 में रिलीज होनी है। फिल्म की रिलीज को अभी समय है, लेकिन प्रशंसक अपनी पसंदीदा अभिनेत्री को देखने के लिए उत्साहित हैं।

ये आदतें बिगाड़ देंगी आपकी मेंटल हेल्थ तुरंत कर लें इनमें सुधार वरना होगा पछतावा

मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखना संपूर्ण स्वास्थ्य को ठीक रखने के लिए जरूरी है। हालांकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण वयस्कों-बुजुर्गों में मेंटल हेल्थ की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सामाजिक कलंक के डर के कारण लोग अपनी परेशानियों को लेकर डॉक्टर से मिलने नहीं जाते जिससे समय पर बीमारी का निदान और उपचार नहीं हो पाता है।

मानसिक स्वास्थ्य को अच्छा बनाए रखना हमारे जीवन की गुणवत्ता को सुधारने और बेहतर महसूस करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि कुछ आदतें ऐसी होती हैं जो हमारी मानसिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। सभी लोगों को इस बारे में जानना और बचाव के लिए प्रयास करते रहना जरूरी है।

मेंटल हेल्थ की समस्या

हम क्या खाते हैं, दिनचर्या कैसे है, कब सोते-जागते हैं, इन सभी का असर मेंटल हेल्थ पर पड़ता है। अनियमित और अपर्याप्त नींद से लेकर नकारात्मक सोच, आहार में गड़बड़ी ये सभी आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए दिक्कतें पैदा कर सकती है। इन आदतों को पहचानना और इन्हें बदलने की कोशिश करना मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए

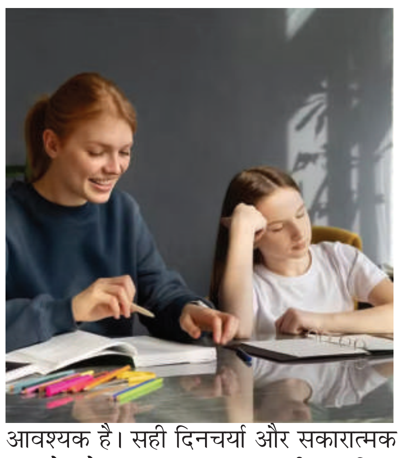

आवश्यक है। सही दिनचर्या और सकारात्मक आदतों को अपनाकर आप अपनी मानसिक स्थिति को ठीक रख सकते हैं।

सोशल मीडिया और रील्स खतरनाक

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, बच्चों और वयस्कों के दिन का एक बड़ा समय मोबाइल फोन को स्क्रॉल करने और सोशल मीडिया पर बीतता है, जिसका उनके मानसिक स्वास्थ्य पर कई प्रकार से नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इसी संबंध में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने साल 2024 के लिए 'ब्रेन रोट' शब्द को 'वर्ड ऑफ द ईयर' घोषित किया है। ब्रेन रोट शब्द सोशल मीडिया पर अत्यधिक मात्रा में मौजूद दोयम दर्जे वाले कंटेंट के कारण होने वाले मानसिक दुष्प्रभावों को लेकर चिंता को दर्शाता है।

सोच को रखें सकारात्मक

नकारात्मक सोच और आत्म-आलोचना का आपकी मेंटल हेल्थ पर कई प्रकार से नकारात्मक असर होता है। बार-बार नकारात्मक विचार करना या खुद को दोषी ठहराना आत्मसम्मान को कम करता है। यह आदत चिंता और अवसाद को बढ़ावा देती है। मैं अच्छा नहीं हूं या मैं यह नहीं कर सकता जैसे विचारों से मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ता है। इसलिए जरूरी है कि अपनी सोच को सकारात्मक रखें और अच्छे विचारों का आदान-प्रदान करें।

अनियमित और अपर्याप्त नींद नुकसानदायक

नींद की कमी भी हमारे मस्तिष्क के कार्यों को धीमा कर देती है। इससे तनाव, चिंता और डिप्रेशन की संभावना बढ़ जाती है। नींद की कमी से याददाश्त कमजोर होती है और निर्णय लेने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, रोजाना 7-9 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद लें। सोने और उठने का एक नियमित समय तय करें। सोने से पहले स्क्रीन टाइम कम करें और एक शांत माहौल बनाएं।

पुरुषों में पेट के कैंसर का खतरा महिलाओं से दोगुना ज्यादा

सालाना सात लाख से अधिक की हो जाती है मौत

कैंसर का खतरा वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ता जा रहा है। सभी उम्र और लिंग के लोगों को कैंसर का शिकार पाया जा रहा है। हालांकि कुछ प्रकार के कैंसर के मामले पुरुषों में अधिक देखे जाते रहे हैं, पेट का कैंसर उनमें से एक है। एक अध्ययन से पता चलता है कि महिलाओं की तुलना में पुरुषों में पेट के कैंसर का खतरा दोगुना से अधिक होता है। इस प्रकार के कैंसर के कारण हर साल लाखों लोगों की मौत भी हो जाती है।

पेट के कैंसर को गैस्ट्रिक कैंसर भी कहा जाता है, ये पेट की कोशिकाओं में शुरू होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि लाइफस्टाइल और आहार से संबंधित गड़बड़ी के कारण आपको भी ये कैंसर हो सकता है, इसलिए कम उम्र से ही कैंसर से बचाव को लेकर निरंतर प्रयास करते रहने की जरूरत हो जाता है।

डॉक्टर कहते हैं, समय पर कैंसर के लक्षणों की पहचान और इलाज होने से इसके बढ़ने और जान जाने जैसे खतरों को कम किया जा सकता है। आइए स्टमक कैंसर के बढ़ते जोखिमों और इससे बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इस बारे में जानते हैं।

पेट में कैंसर की समस्या

कैंसर रोग विशेषज्ञ बताते हैं, पुरुषों और महिलाओं दोनों में पेट के कैंसर का जोखिम होता है, हालांकि इसके मामले पुरुषों में अधिक रिपोर्ट किए जाते रहे हैं। साल 2020 में, पेट के कैंसर से लगभग 7.70 लाख लोगों की मौत हुई।

आमतौर पर इस कैंसर को 'साइलेंट किलर' के रूप में जाना जाता है क्योंकि समय पर इसके

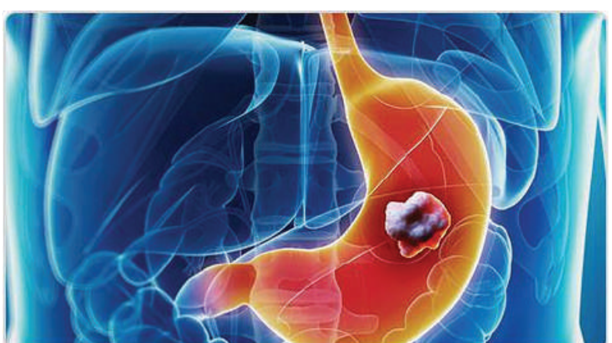

लक्षणों की पहचान नहीं हो पाती है। पेट में कैंसर के लक्षण पेट की अन्य बीमारियों से मिलते-जुलते होते हैं इसलिए अक्सर लोग इसको लेकर भ्रमित हो जाते हैं। डॉक्टर कहते हैं, समय पर पेट के कैंसर का निदान हो जाए तो इसके कारण होने वाली जटिलताओं और गंभीरता से बचा जा सकता है।

आपको भी तो नहीं है पेट का कैंसर? ऐसे पहचानें

अध्ययनों से पता चलता है कि पेट में कैंसर के लक्षण आपको कई प्रकार से प्रभावित करने वाले हो सकते हैं। इसके लक्षण आमतौर पर पेट में होने वाली अन्य समस्याओं से मिलते-जुलते होते हैं, जिनपर गंभीरता से ध्यान देते रहना जरूरी है। पेट में होने वाले कैंसर के कारण आपको निगलने में परेशानी, पेट में दर्द, खाने के बाद पेट फूलने, अक्सर सीने में जलन, अपच-मतली की समस्या होती रहती है।

पेट के कैंसर के शुरुआती चरण में हमेशा लक्षण नहीं दिखते। कैंसर बढ़ने की स्थिति में इसके कारण होने वाली जटिलताएं अधिक स्पष्ट होने लगती हैं। ये कैंसर जब लिम्फ नोड्स में फैलता है, तो यह गांठ पैदा कर सकता है। वहीं लिवर तक फैलने वाला कैंसर पीलिया जैसे संकेत भी पैदा करता है।

क्यों होता है पेट में कैंसर?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खान-पान और लाइफस्टाइल की कई ऐसी आदतें हैं जो आपमें पेट के कैंसर के खतरे को बढ़ा देती हैं। जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को ये कैंसर रहा हो उन्हें विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। इसके अलावा कुछ ऐसी स्थितियां भी हैं जो इस कैंसर का कारण बन सकती हैं।

ज्यादा नमक वाली चीजों का सेवन करना।

हेलिकोबैक्टर पाइलोरी नामक रोगाणु के कारण पेट में संक्रमण होना।

पेट के अंदर सूजन और जलन की समस्या (जिसे गैस्ट्राइटिस कहा जाता है) बने रहना।

धूम्रपान और शराब के सेवन की आदत।

पेट में गैर-कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि।

कुछ प्रकार के आनुवांशिक सिंड्रोम का पारिवारिक इतिहास जैसे लिंच सिंड्रोम, जूविनायल पॉलीपोसिस सिंड्रोम, प्यूज-जेगर्स सिंड्रोम आदि।

पेट के कैंसर से बचने के लिए क्या करें?

लाइफस्टाइल और आहार में सुधार करके आप इस घातक कैंसर के जोखिमों से बचे रह सकते हैं।

खूब फल और सब्जियां- हर दिन अपने आहार में फल और सब्जियों की मात्रा बढ़ाएं। विभिन्न प्रकार के रंगीन फल और सब्जियों का सेवन करें।

आहार में नमक की मात्रा कम करें। यदि आप धूम्रपान करते हैं या शराब पीते हैं तो ये आदत छोड़ दें। धूम्रपान से पेट के कैंसर और कई अन्य प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

यदि आपके परिवार में किसी को पेट का कैंसर रहा है, तो इससे बचाव को लेकर अपने डॉक्टर की सलाह ले लें।

क्या है 'टेक्स्ट नेक' जिसका युवाओं में बढ़ गया है खतरा, मोबाइल चलाते हैं तो हो जाएं सावधान

लाइफस्टाइल और आहार की गड़बड़ी ने वैश्विक स्तर पर हर उम्र के लोगों की सेहत को प्रभावित किया है। युवा आबादी भी इसका तेजी से शिकार होती जा रही है। युवाओं में बढ़ती डायबिटीज और ब्लड प्रेशर की समस्या तो विशेषज्ञों के लिए चिंता का कारण बनी ही हुई है, इसके साथ-साथ दुनियाभर में युवाओं में बढ़ती टेक्स्ट नेक बीमारी को लेकर भी अलर्ट किया जा रहा है। ये समस्या न सिर्फ असहनीय दर्द का कारण बनती है साथ ही कई अन्य प्रकार की असहजताओं को भी बढ़ाने वाली हो सकती है।

अध्ययनकर्ता बताते हैं कि टेक्स्ट नेक एक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के तौर पर बढ़ती जा रही है। महामारी विज्ञान के आंकड़ों से पता चलता है कि 73% विश्वविद्यालय के छात्रों और 64.7% लोग जो वर्क फ्रॉम होम करते हैं, वो इसका शिकार हो सकते हैं। टेक्स्ट नेक के कारण आपको गर्दन या पीठ दर्द में दर्द बनी रहती है जिसके कारण दिनचर्या के सामान्य कामकाज करने में भी दिक्कत महसूस होने लगती है।

टेक्स्ट नेक सिंड्रोम के बारे में जानिए

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, टेक्स्ट नेक सिंड्रोम एक नया टर्म है, इसे टेक नेक या स्मार्टफोन नेक के नाम से भी जाना जाता है। लंबे समय तक इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों जैसे मोबाइल फोन-कंप्यूटर को आगे की तरफ झुककर देखते रहने के कारण गर्दन पर अतिरिक्त दबाव और तनाव बढ़ जाता है जिसके कारण आपको ये दिक्कत हो सकती है। सरल भाषा में समझें तो टेक्स्ट नेक की दिक्कत तब होती है जब आप स्क्रीन को देखने के लिए सिर आगे और नीचे की ओर झुकते हैं और इसके कारण गर्दन और रीढ़ पर बार-बार तनाव बढ़ता है।

कैसे जानें कहीं आपको भी तो नहीं है ये समस्या?

साल 2018 में किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि 35 प्रतिशत स्मार्टफोन उपयोगकर्ता टेक्स्ट नेक सिंड्रोम से पीड़ित हो सकते हैं। एक अन्य शोध के मुताबिक 15-18 वर्ष की आयु वाले लोग जिनका स्मार्टफोन पर अधिक समय बीतता है उनमें इस समस्या के विकसित होने का जोखिम अधिक हो सकता है। टेक्स्ट नेक सिंड्रोम के कारण गर्दन, पीठ के ऊपरी हिस्से और कंधे में दर्द बना रहता है।

गर्दन में लगातार या रुक-रुक कर होने वाला दर्द टेक्स्ट नेक के मुख्य लक्षणों में से एक है। पीठ में दर्द, विशेष रूप से कंधे की हड्डियों के बीच वाले हिस्से और गर्दन की मांसपेशियों में अकड़न की समस्या को इसका लक्षण माना जा सकता है जिसको लेकर सभी लोगों को विशेषरूप से ध्यान देते रहने की सलाह दी जाती है।

समय पर उपचार न होने से बढ़ सकती हैं दिक्कतें

इस तरह की समस्याओं पर समय रहते ध्यान देना और उपचार प्राप्त करना जरूरी हो जाता है। इलाज न हो पाने की स्थिति में गर्दन में होने वाला दर्द आसपास की मांसपेशियों को भी प्रभावित करने लगता है। पीठ के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियों में असंतुलन होने का खतरा भी बढ़ जाता है, इसके साथ आपको कुछ समय के लिए भी गर्दन को एक मुद्रा में रखने में कठिनाई महसूस हो सकती है।

टेक्स्ट नेक सिंड्रोम की समस्या समय के साथ आपकी 'क्वालिटी ऑफ लाइफ' को भी प्रभावित करने वाली हो सकती है।

क्या इससे बचाव किया जा सकता है?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, टेक्स्ट नेक की समस्या से बचे रहने के लिए सभी लोगों को प्रयास करते रहना चाहिए। चूंकि युवा लोग फोन से अधिक लगे रहते हैं इसलिए युवाओं को और भी सावधान रहना चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करते समय अपनी शारीरिक मुद्रा को ठीक रखना, गर्दन को बहुत आगे की तरफ न झुकाना जरूरी है।

डिवाइस को आंखों के स्तर पर रखें, जिससे गर्दन को ज्यादा झुकाना न पड़े।

गर्दन और कंधों को स्ट्रेच करने और आराम देने के लिए बार-बार ब्रेक लें।

लैपटॉप स्टैंड और फोन होल्डर आदि के इस्तेमाल से भी टेक्स्ट नेक सिंड्रोम से बचा जा सकता है।

डायबिटीज की कई दवाओं से भी ज्यादा प्रभावी इलाज की खोज, भारत में पहला मधुमेह बायोबैंक भी स्थापित

डायबिटीज एक गंभीर और क्रोनिक बीमारी है जिसका खतरा किसी भी उम्र में हो सकता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को डायबिटीज का शिकार पाया जा रहा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में 830 मिलियन (83 करोड़) से अधिक लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं, हालांकि जिस तरह से लोगों की दिनचर्या और आहार से संबंधित दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं, ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही आपको भी इस रोग का शिकार बना सकती है।

डायबिटीज की स्थिति शरीर में कई प्रकार की जटिलताओं को भी बढ़ाने वाली होती है। इसकी रोकथाम और इलाज के लिए विशेषज्ञ लगातार अध्ययन कर रहे हैं। इसी क्रम में किए गए एक हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों ने प्रभावी कंपाउंड की खोज की है जो शुगर लेवल और डायबिटीज रोगियों में बढ़ने वाली फैट की समस्या को काफी हद तक कम करने में मददगार हो सकती है।

जापान स्थित कुमामोटो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित किए गए इस कंपाउंड को कई मामलों में विशेष प्रभावी माना जा रहा है।

एचपीएच-15 नाम के कंपाउंड की खोज

मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक

वैज्ञानिकों की टीम ने एचपीएच-15 नाम के एक कंपाउंड को विकसित किया है। दावा किया जा रहा है कि ये मेटफॉर्मिन दवा की तुलना में रक्त शर्करा और वसा संचय को अधिक प्रभावी ढंग से कम करने में सहायक हो सकती है। मेटफॉर्मिन, डायबिटीज रोगियों को शुगर को कंट्रोल करने के लिए दी जाने वाली दवा है।

इसके साथ ही इसमें एंटीफाइब्रोटिक गुण भी बताए जा रहे हैं, जो कोशिकाओं को स्वस्थ रखने, घाव भरने, ऊतकों की मरम्मत और कैंसर के खतरे को कम करने में कारगर हो सकती है।

मधुमेह के उपचार में क्रांतिकारी बदला

विशेषज्ञों का मानना है कि ये नवाचार मधुमेह के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। टाइप 2 डायबिटीज दुनियाभर में लाखों लोगों को प्रभावित करती है। इसके कारण अक्सर फैटी लिवर और इंसुलिन प्रतिरोध जैसी जटिलताएं हो जाती हैं जो वर्तमान उपचार विधियों के लिए चुनौतियां पेश करती हैं।

विजिटिंग एसोसिएट प्रोफेसर हिरोशी तातेशी और प्रोफेसर ईइची अराकी के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की टीम ने मेटफॉर्मिन जैसी मौजूदा दवाओं के लिए एक आशाजनक विकल्प के रूप में एचपीएच-15 की पहचान की है।

अध्ययन में क्या पता चला?

जर्नल डायबेटोलोजिया में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि एचपीएच-15 एएमपी-एक्टिव प्रोटीन किनेज (एएमपीके) को सक्रिय करके मेटफॉर्मिन से बेहतर प्रदर्शन करती है। ये प्रोटीन ऊर्जा संतुलन को रेगुलट करने वाला एक महत्वपूर्ण प्रोटीन है। शोध में पाया गया है कि एचपीएच-15 ने न केवल लिवर, मांसपेशियों और वसा कोशिकाओं में ग्लूकोज के अवशोषण में सुधार किया, बल्कि हाई फैट वाले आहार खाने वाले चूहों में वसा के संचय को भी काफी कम कर दिया।

मेटफॉर्मिन के विपरीत, एचपीएच-15 ने अतिरिक्त एंटीफाइब्रोटिक गुण भी प्रदर्शित किए, जो संभावित रूप से लिवर फाइब्रोसिस और मधुमेह रोगियों में अक्सर देखी जाने वाली अन्य जटिलताओं को भी कम करने में सहायक है।

भारत का पहला मधुमेह बायोबैंक

वहीं दूसरी तरफ भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने मद्रास मधुमेह अनुसंधान फाउंडेशन (एमडीआरएफ) के सहयोग से चेन्नई में देश का पहला मधुमेह बायोबैंक स्थापित किया है, जो वैज्ञानिक अनुसंधान को मदद करने के उद्देश्य से जनसंख्या-आधारित जैविक सैंपल का भंडार है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अध्ययनों में सहायता के लिए बाइलॉजिकल सैंपल को इकट्ठा करना, संसाधित और संग्रहीत करने के साथ वितरित करना है। एमडीआरएफ के अध्यक्ष डॉ. वी. मोहन ने कहा कि बायोबैंक मधुमेह के कारणों, भारतीय में मधुमेह और इससे संबंधित विकारों पर उन्नत शोध की सुविधा प्रदान करेगा।

फेफड़ों की इस गंभीर बीमारी से हुई महान तबला वादक की मौत, कहीं आपको भी तो नहीं हैं ऐसी दिक्कतें?

मशहूर तबला वादक और पद्म विभूषण से सम्मानित जाकिर हुसैन का सोमवार को निधन हो गया। इस खबर ने दुनियाभर में उनके प्रशंसकों को गमगीन कर दिया। परिवार की तरफ से साझा की गई जानकारियों के मुताबिक वह अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को स्थित एक अस्पताल में भर्ती थे। वह लंबे समय से **इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस** नामक बीमारी और इसके कारण होने वाली स्वास्थ्य जटिलताओं से परेशान थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह पिछले दो सप्ताह से अस्पताल में थे , जहां उनकी हालत बिगड़ने के बाद आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया था। सोमवार को देश के इस महान सितारे ने आखिरी सांस ली।

इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (आईपीएफ)

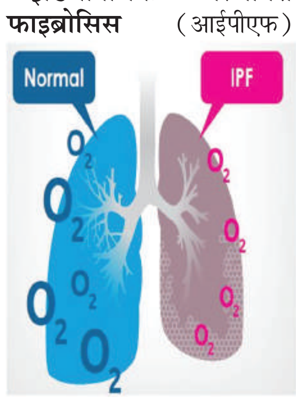

फेफड़ों में होने वाली एक क्रोनिक बीमारी है जिसके कारण समय के साथ सांस लेना मुश्किल हो जाता है और कई अन्य प्रकार की जटिलताएं होने लगती हैं। इस बीमारी के कारण फेफड़ों में स्कार टिशू (फाइब्रोसिस) का निर्माण होने लगता है जिस वजह आपके फेफड़े रक्तप्रवाह में ऑक्सीजन को प्रभावी ढंग पहुंचाने में कठिनाई महसूस करने लगते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, फेफड़ों की ये बीमारी किसी को भी हो सकती है इसलिए समय रहते इसके लक्षणों की पहचान करना और बचाव के लिए निरंतर प्रयास करते रहना जरूरी है।

क्या है इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस की समस्या?

महान तबला वादक की मौत जिस इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस बीमारी के कारण हुई है, वह 50 वर्ष से अधिक आयु के पुरुषों में बहुत आम है। ये इंटरस्टिशियल लंग डिजीज (आईएलडी) का एक प्रकार है जिसकी वजह से फेफड़ों के ऊतक मोटे होने लगते हैं और इनमें फाइब्रोसिस की दिक्कत हो सकती है। फाइब्रोसिस के कारण रक्त प्रवाह में ऑक्सीजन रिलीज करना और शरीर के बाकी हिस्सों में पर्याप्त ऑक्सीजन पहुंचाना फेफड़ों के लिए काफी मुश्किल हो जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, आनुवांशिक और दिनचर्या से संबंधित कारक इस बीमारी की वजह हो सकते हैं।

पीठ दर्द का आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न : मेरी उम्र 24 वर्ष है । काफी कमजोरी आ गई है। हमारे वैद्यजी कहते हैं की पांडु रोग हो गया है। यह क्या है? और इसको दूर करने के उपाय क्या है? कृपा कर बताएं।
- अभिनव वर्मा, हैदराबाद

उत्तर : पांडु वह रोग है जिसमें रक्त में रक्त कणिकाओं की गुणात्मक और मात्रात्मक कमी होने से रोगी का रंग पीताभ हो जाता है। इसके पूर्व रूप में हृदय में अत्यधिक स्पंदन,(पल्पिटेशन) मुख का सूखना , पसीना कम आना, और शरीर में थकावट होना आदि होते हैं ।

इसके प्रमुख लक्षणों में : पीतभासता, भोजन के पचाने की शक्ति में कमी, भोजन में अरुचि, अत्यधिक लालास्राव, थकावट , कमजोरी, शरीर की कांति का ह्रास, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, ज्वर, ठंडे पदार्थों से अरुचि, हाथ पैरों में दर्द व ऐंठन, शरीर में भारीपन, श्रम पर श्वासकष्ट आदि मिलते हैं । मोटी भाषा में इसे ₹एनीमियार या खून की कमी भी का सकते हैं ।

ऊंझा मंडूर भस्म को शहद में मिलाकर चाटने से लाभ होता है। ऊंझा पुनर्नवादि मंडूर टिकिया, धात्री लोह टिकिया , आमलकी रसायन, लोहासव, पंचासव आदि का भोजन के बाद वैद्यकीय संरक्षण में प्रयोग खून की कमी को दूर करता है।

खट्टे व नमकीन पदार्थ, पचने में भारी भोजन , बहुत अधिक पानी पीना , धूप में फिरना, बहुत ज्यादा मेहनत करना ,अधारणीय वेगों का धारण करना आदि का पाण्डुरोग में निषेध है।

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले 3 महीने से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बताएं।
- विश्वनाथ राव, करीमनगर

उत्तर : पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने - बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांसपेशियां, कंडराओं में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात बढ़ने आदि कारणों

से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं, यदि उसके नाक आब्जर्वर खराब हो गए हो तब भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुककर कार्य करना, एक हाथ से वजन उठाना, घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमेटाइज ऑयल या ऊंझा महानारायण तेल की मालिश करें । रुमाटाइज टिकिया, महायोगराज गुग्गुलु, ऊंझा वातगजंकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवें। ऊंझा अश्वगंधारिष्ट व दशमूलारिष्ट 10-10 मिलीलीटर दवा को पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवें।

नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले, वह सदा प्रसन्न चित्त रहें, गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार, कंदमूल (आलू, रतालू, अरबी, मूली, शलजम आदि) का सेवन, रात्रि जागरण ना करें । बासी भोजन व ठंडे पेय पदार्थ, आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

प्रश्न : मेरी उम्र 25 वर्ष है। खट्टी डकार आना, हृदय, कंठ और पेट में जलन होना, हमेशा उबकाई जैसी स्थिति बने रहना जैसे लक्षणों से परेशान हो गया हूं ।कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।
- प्रकाश नायडू, खम्मम

उत्तर : आप ₹अम्लपित्त₹ नामक रोग से पीड़ित है। किशोर और युवा वर्ग में यह रोग तेजी से फैल रहा है । कारण : लाइफस्टाइल में, जीवन शैली में बदलाव। फास्ट फूड, जंक फूड, होटल का खाना, चटपटी, तीखी मिर्च मसालेदार व्यंजनों पर प्रीति से उदर में पहले से ही स्थित हाइड्रोक्लोरिक एसिड में और अधिक वृद्धि होती है। जिसके कारण खट्टी डकार आना, छाती और कंठ में जलन होना , उल्टी का सेंसेशन होना, पेट में दर्द, पेट में जलन जैसे लक्षणों उभरते हैं । आयुर्वेद में इसका अच्छा इलाज है। चिकित्सा का प्रथम सूत्र है : ₹निदानं परिवर्जनम₹। इसलिए आप जल्द से जल्द भोजन को सादा, स्वच्छ, ताजा और सात्विक बनाएं। स्वाद को त्याग कर स्वस्थ भोजन लिया करें। खटाई और मिर्च - मसालों का त्याग करें।

औषध में ऊंझा अविपत्तिकर चूर्ण (१०० ग्राम) ऊंझा सूतशेखर रस(४० टिकिया) एवं कामदुधा रस (१२ ग्राम) को अच्छी तरह एक जीव करें। इसे 3 से 5 ग्राम की मात्रा में भोजन के पहले शहद में मिलाकर चाटे। भोजन के बाद ऊंझा लीला विलास रस की टिकिया डायलसीड सौरव के साथ लेवें। थोड़े ही दिनों में आम्लपित्त पूरी तरह शांत हो जाएगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा
email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

'भारत का संविधान 75 वर्षों में समय की कसौटी पर खरा उतरा'

राज्यसभा में बोलीं वित्त मंत्री सीतारमण

नई दिल्ली,16 दिसंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि भारत का संविधान पिछले 75 वर्षों में समय की कसौटी पर खरा उतरा है। उन्होंने कहा कि इसी समय के आसपास अपने संविधान तैयार करने वाले 50 देशों में से अधिकांश देशों ने अपने संविधानों को या तो फिर से लिखा या उनमें बदलाव किया। राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान बोलते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, जैसा कि हम अपने संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, मुझे लगता है कि यह समय है कि हम ऐसे भारत के निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें जो इस पवित्र दस्तावेज में निहित भावना को कायम रखे। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत का संविधान समय की कसौटी पर खरा उतरा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्यसभा में संविधान के 75 वर्ष

पर हो रही चर्चा पर बोलते हुए ये बातें कही। वित्त मंत्री ने कहा कि उद्योग जगत को कुशल जनशक्ति के लिए दुनिया भर की सरकारों के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

मजरूह सुल्तानपुरी और बलराज साहनी पर ये बोलीं वित्त मंत्री

संविधान पर बोलते हुए, वित्त मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने इतिहास में अपनी कुर्सी बचाने के लिए संविधान में संशोधन किए। वित्त मंत्री ने कहा कि आज कांग्रेस के लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात करते हैं, पर उन्हें याद करना चाहिए कि किसी के खिलाफ में महज कविता पढ़ने के कारण 1949 में मजरूह सुल्तानपुरी और बलराज साहनी जैसे सिनेमा के दिग्गजों को जेल भेज दिया गया था।राज्यसभा में संविधान पर बहस के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, मजरूह सुल्तानपुरी और बलराज साहनी दोनों को 1949 में जेल भेजा गया था। 1949 में मिल मजदूरों के लिए आयोजित एक बैठक के दौरान, मजरूह सुल्तानपुरी ने जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ लिखी गई एक कविता सुनाई और इसलिए उन्हें जेल जाना पड़ा। उन्होंने इसके लिए माफ़ी मांगने से इनकार कर दिया और उन्हें जेल जाना पड़ा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कम करने का कांग्रेस का रिकॉर्ड इन दो लोगों तक ही सीमित नहीं था। 1975 में माइकल एडवर्ड्स की लिखी गई राजनीतिक जीवनी नेहरू पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। उन्होंने किस्सा कुर्सी का नामक एक फिल्म पर भी प्रतिबंध लगा दिया, क्योंकि इसमें प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनके बेटे पर सवाल उठाए गए थे।.केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, इस देश के पहले प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की प्रेस जांच की निंदा की, ऐसा तब था जब वे सार्वजनिक रूप से प्रेस की स्वतंत्रता की प्रशंसा करते थे। इसमें कोई संदेह नहीं है।

सोना-चांदी में गिरावट

सोना 282 रुपए गिरकर 76,640 रुपए पर, चांदी 89,250 रुपए किलो

नई दिल्ली,16 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 16 दिसंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 282 रुपए गिरकर 76,640 रुपए पर आ गया है।

इससे पहले सोने की कीमत 76,922 रुपए प्रति दस ग्राम थी।

चांदी का भाव भी आज 726 रुपए गिरकर 89,250 रुपए पर आ गया है।

कल चांदी 89,976 रुपए प्रति किलोग्राम थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,040 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 71,400 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,890 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,940 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 78,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 72,300 रुपये है।

'क्या मुझे ग्रीन कार्ड मिलना चाहिए?'

भारतीय मूल के सीईओ ने पूछा सवाल, टेस्ला प्रमुख एलन मस्क ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली,16 दिसंबर (एजेंसियां)। टेस्ला और स्पेसएक्स के अरबपति सीईओ एलन मस्क ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर अपने एक जवाब से हलचल मचा दी है। मस्क ने इस बार, यह जवाब एआई-संचालित सर्च इंजन परप्लेक्सिटी एआइ के भारतीय मूल के सीईओ अरविंद श्रीनिवास के एक पोस्ट पर दिया। अरविंद ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पूछा था कि क्या उन्हें ग्रीन कार्ड मिलना चाहिए। श्रीनिवास, जो तीन साल से अमेरिका में ग्रीन कार्ड स्टेटस का इंतजार कर रहे हैं, ने पोस्ट किया: मुझे लगता है कि मुझे ग्रीन कार्ड मिल जाना चाहिए। क्यों? मस्क, जो अपनी छोटी लेकिन प्रभावशाली सोशल मीडिया टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं, ने इसका बस इतना ही जवाब दिया, "हाँ।" श्रीनिवास ने दो इमोजी उनके इस जवाब का जवाब दिया। उन्होंने एक लाल दिल और हाथ जोड़कर आभार व्यक्त करते हुए इमोजी के कारण इसका आभार व्यक्त किया। दोनों बिजनेस लीडर्स के बीच हुए इस कम्युनिकेशन ने जल्द ही लोकप्रियता हासिल कर ली और प्रशंसकों और फॉलोअर्स ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अरविंद श्रीनिवास, परप्लेक्सिटी एआई के सह-संस्थापक और सीईओ हैं। यह एक एआई संचालित सर्च इंजन है, जिसे जेफ बेजोस सहित उच्च-प्रोफ़ाइल निवेशकों का समर्थन प्राप्त है। इसकी की स्थापना 2022 में श्रीनिवास ने एंडी कोनविंस्की, डेनिस

याराट्स और जॉनी हो के साथ मिलकर की थी। श्रीनिवास ने आईआईटी मद्रास से स्नातक हैं और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने ओपनएआई में एक शोध प्रशिक्षु के रूप में शुरुआत की थी और बाद में गूगल और डीपमाइंड में इसी तरह की भूमिकाएं निभाईं। पेरप्लेक्सिटी लॉन्च करने से पहले, श्रीनिवास एक शोध वैज्ञानिक के रूप में ओपनएआई में लौटे थे।यह पहली बार नहीं है जब मस्क ने श्रीनिवास की पोस्ट पर टिप्पणी की है। हाल ही में, पेरप्लेक्सिटी के सीईओ ने ग्रीन कार्ड प्राप्त करने की धीमी प्रक्रिया के बारे में अपनी निराशा साझा की थी। मस्क ने अमेरिकी आव्रजन नीतियों पर आलोचनात्मक टिप्पणी करते हुए जवाब दिया था: हमारे पास एक उल्टा सिस्टम है जो अत्यधिक प्रतिभाशाली लोगों के लिए कानूनी रूप से अमेरिका आना मुश्किल बनाता है, लेकिन अपराधियों के लिए अवैध रूप से यहां आना आसान बनाता है।

एक दिन की राहत के बाद फिर टूटा बाजार

सेंसेक्स 384 अंक फिसला, निफ्टी 24700 से नीचे

नई दिल्ली,16 दिसंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार एक दिन की राहत के बाद सोमवार को फिर गिरावट के साथ बंद हुए। इससे पहले, शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए थे। बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 384.55 अंक या 0.47 प्रतिशत गिरकर 81,748.57 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 581.84 अंक या 0.70 प्रतिशत गिरकर 81,551.28 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 100.05 अंक या 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,668.25 अंक पर आ गया। अमेरिकी फेड की इस सप्ताह के अंत में आने वाले ब्याज दर के फैसले से पहले सतर्कता के बीच कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण सोमवार को बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में नरमी दिखी।

टाइटन, अदाणी पोर्ट और टीसीएस के शेयरों में दर्ज की गई गिरावट

सेंसेक्स की 30 शेयरों वाली प्रमुख कंपनियों में टाइटन, अदाणी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और जेएसडब्ल्यू स्टील सबसे ज्यादा गिरावट में रहे। दूसरी ओर, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एक्सिस बैंक के शेयरों में लाभ रहा। एशियाई बाजारों में सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग में गिरावट रही।

थोक मुद्रास्फीति दर में आई नरमी

सोमवार को यूरोपीय बाजार लाल निशान कारोबार करते दिखे। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट के ज्यादातर सूचकांक भी गिरावट के साथ बंद हुए। इस बीच, खाद्य वस्तुओं के सस्ता होने से थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति नवंबर में तीन महीने के निम्नतम स्तर 1.89 प्रतिशत पर आ गई।

शुक्रवार को हरे निशान पर बंद हुए थे बेंचमार्क सूचकांक

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 2,335.32 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.75 प्रतिशत घटकर 73.91 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इससे पहले, शुक्रवार को बीएसई का सेंसेक्स 843.16 अंक या 1.04 प्रतिशत उछलकर 82,133.12 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 219.60 अंक या 0.89 प्रतिशत चढ़कर 24,768.30 अंक पर बंद हुआ था।

डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे गिरकर 84.89 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा

घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के कारण सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे टूटकर 84.89 (अनंतिम) के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि कमजोर घरेलू बाजारों और बढ़ते अमेरिकी बॉन्ड यील्ड के कारण भारतीय रुपये में गिरावट आई। हालांकि, कमजोर अमेरिकी डॉलर ने गिरावट को कम किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.83 पर खुला और दिनभर के कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 84.89 तक पहुंच गया। अंत में डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे की गिरावट के साथ 84.89 (अनंतिम) पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपया अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर से उबरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की बढ़त के साथ 84.80 पर बंद हुआ था। रुपया का पिछला सर्वकालिक निम्नतम स्तर 12 दिसंबर को दर्ज किया गया था, जब यह डॉलर के मुकाबले 84.88 पर बंद हुआ था।

शाहरुख, सलमान, अंबानी के दुबई में हैं आलीशान घर

प्रॉपर्टी खरीदने पर मिलती है टैक्स में रियायत

नई दिल्ली,16 दिसंबर (एजेंसियां)। दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने के मामले में भारतीयों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। दुबई में शाहरुख खान, सलमान खान, मुकेश अंबानी समेत काफी हस्तियों की प्रॉपर्टी है। इसमें रेजिडेंशियल के साथ कमर्शियल प्रॉपर्टी भी है। अब सवाल आता है कि आखिर दुबई ही क्यों? दुबई में ऐसा क्या है जो दुनिया के दूसरे शहरों में नहीं है। इस साल मई में एक रिपोर्ट लीक हुई थी जिसे 'दुबई अनलॉक्ड' नाम दिया गया। इस रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 से 2022 के बीच दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने के मामले में भारतीयों की संख्या सबसे ज्यादा थी। दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने के मामले में न केवल बॉलीवुड सितारे बल्कि बड़े-बड़े कारोबारी भी शामिल हैं। डॉली चायवाला ने भी दुबई में अपना नया ऑफिस खोला है।

लगातार बढ़ रही संख्या

भारतीयों के लिए एक समय तक लंदन दुनिया का सबसे पसंदीदा शहर हुआ करता था। समय के साथ चीजें बदली और अब फेवरेट शहर भी बदल गया। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने के मामले में बुर्ज खलीफा बनने के बाद तेजी आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2013 से 2023 के बीच यूएई बसने वाले भारतीयों की संख्या में तेजी आई है। इन 10 वर्षों में दुबई में बसने वाले भारतीयों की संख्या में 85 फीसदी का इजाफा हुआ है। बुर्ज खलीफा बिल्डिंग जनवरी 2010 में खुली थी।

दुबई क्यों बनी फेवरेट जगह?

दुबई अपनी चकाचौंध, ऊंची-ऊंची बिल्डिंग, सुरक्षा के बड़े मानक आदि की वजह से लोगों की पहली पसंद बन रहा है। यहां दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग बुर्ज खलीफा है। साथ ही यहां दुनिया का सबसे बड़ा मॉल भी है। इसके अलावा वहां इस शहर में और भी कई आकर्षण की चीजें हैं। इस कारण यह शहर लग्जरी लाइफस्टाइल के मामले में दुनिया में तेजी से अपनी पहचान बना रहा है।

टैक्स में मिलती है छूट

दुबई में प्रॉपर्टी पर किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं लगता। यहां प्रॉपर्टी बेचने, किराए पर देने आदि से किसी भी प्रकार का टैक्स नहीं देना होता। किसी भी प्रकार का कैपिटल गेन्स टैक्स नहीं लगता। कमाई पर कोई टैक्स नहीं देना होता है।दुबई का इंफ्रास्ट्रक्चर काफी शानदार है। यहां का ट्रांसपोर्ट, हेल्थकेयर सिस्टम न केवल भारत बल्कि दुनिया के दूसरे शहरों के मुकाबले काफी बेहतर है। इसके अलावा यहां दुनिया की बड़ी से बड़ी कंपनियां मौजूद हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	06-37	बजे
चंद्र-	मिथुन	मे	मकर...	08-43	बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	10-34	बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मीन-	12-12	बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	13-48	बजे
शुक्र-	मकर	मे	वृष---	15-33	बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	17-34	बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	19-46	बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	21-58	बजे
			कन्या---	00-05	बजे
			तुला----	02-10	बजे
			वृश्चिक...	04-20	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -**2051**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
सूर्योदय - 06-43
सूर्यास्त. - 17-41
कलियुग संवत् -**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया . 10-56 तक उपरान्त तृतीया
मास - पौष कृष्ण , मंगलवार 17 December
नक्षत्र - पुनर्वसु 00-43 तक उपरान्त पुष्य
योग - ब्रह्म 21-10 तक उप ऐन्द्र
करण- गर 10-56 तक उप वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - **सुस्थिर योग**

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 14:58 से 16:21 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:43 - 08:04	अशुभ	काल	17:41 - 19:21	अशुभ
उत्पात	08:04 - 09:27	अशुभ	लाभ..	19:21 - 20:58	शुभ
चंचल.	09:27 - 10:50	शुभ	उत्पात	20:58 - 22:36	अशुभ
लाभ	10:50 - 12:12	शुभ	शुभ	22:36 - 00:13	शुभ
अमृत.	12:12 - 13:35	शुभ	अमृत	00:13 - 01:50	शुभ
काल	13:35 - 14:58	अशुभ	चंचल	01:50 - 03:27	शुभ
शुभ	14:58 - 16:21	शुभ	रोग.	03:27 - 05:04	अशुभ
रोग.	16:21 - 17:41	अशुभ	काल.	05:04 - 06:43	अशुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
जब आप एक नई परियोजना में तल्लीन हो जाओगे तो शायद ही अन्य बातों के लिए आपको समय मिलेगा । आपको सावधान रहने की जरुरत है की रास्ते में आ रही किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी आप से छूट न जाये ! यह एक उच्च स्थान प्राप्त करने में सहायता करने के लिए महत्वपूर्ण संदेश भी हो सकता है। वित्तीय स्थिति स्थिर रहेगी जिसके लिए आप लम्बे समय से प्रयासरत थे।

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपको अपने कार्य क्षेत्र की जटिलताओं से बचने के लिए अपने भूतकाल का ज्ञानं काफी मदद करेगा । आपका व्यावहारिक अनुप्रयोग और जल्दी सोच की क्षमता आपके वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी जिससे नए और रोमांचक कैरियर के अवसर नजदीक आयेंगे । आप इस अवसर को न खोये और इसका भरपूर उपयोग करे ।

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
धन से संबंधित कुछ समस्याए आ सकती है । आपको ये समझना होगा की कौन सा खर्च जरुरी और गैर जरुरी है अन्यथा आपको वित्तीय संकट से गुजरना पड़ सकता है । अगर आप अपनी आय बढ़ाना चाहते है तो आपको कुछ नवीनतम प्रोद्योगिकी का समावेश करना होगा और वो आप पर निर्भर करेगा की आप उसका कितना फायदा उठा सकते है।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चो पर लगाम लगाएंगे ।

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी । वफ़ादारी स्वागतयोगनीय होगी जो किसी भी मुश्किल स्थिति से आपको बाहर निकल देगी ।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी , इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आपके प्रतियोगी आपको नीचा दिखाने की कोशिश करेंगे , लेकिन आपकी विस्फोटक आत्मविश्वास की भावना आपको अपराजेय रखेगी । इस समय आप अपना विनम्र स्वाभाव बंद करे ताकि कोई आपका अनुचित लाभ न ले । आपको कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है जिसका इंतजार आप लम्बे समय से कर रहे थे ।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपकी वित्तीय स्थिति में लगातार वृद्धि दिख रही है और आगे भी इसमें सुधार की संभावना है , परन्तु आप ऐसा महसूस करेंगे की आपके नियंत्रण से परे स्थितियां आपकी उत्पादकता और काम करने की क्षमता को प्रभावित कर रही है , लेकिन आपका डर निराधार हैं। यहां तक कि आपके वरिष्ठ अधिकारी इस चीज़ को समझते हैं और आपके हालातो के साथ हमदर्दी भी रखते है।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है। हालांकि, कम ध्यान की वजह से आपको समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य नहीं हैं इसलिए आप इस उत्पादक अवधि का लाभ नहीं उठा पा रहे है । आप अपने कार्यो की पूर्ति के लिए पहले से ही स्थापित कार्य योजना का पालन करे और आगे बढ़ें चाहे आपको कैसी भी परिस्थितियों का सामना करना पड़े । यह अपने काम को खत्म करने के लिए नए तरीके अपनाने के लिए एक अच्छा समय नहीं है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

थोक महंगाई दर तीन महीने के निचले स्तर पर; नवंबर में 2.36% से घटकर 1.89% हुई, ये है कारण

नई दिल्ली,16 दिसंबर (एजेंसियां)। नवंबर में थोक मूल्य मुद्रास्फीति घटकर 1.89 प्रतिशत पर आ गई। आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की थोक कीमतें कम होने से थोक महंगाई

दर में नरमी आई है। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं, विशेषकर सब्जियों और प्याज की कीमतों में भारी गिरावट के कारण भारत की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति नवंबर में तीन महीने के निचले स्तर 1.89 प्रतिशत पर आ गई, यह अक्तूबर में 2.36 प्रतिशत थी। पिछले वर्ष नवंबर में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 0.39 प्रतिशत थी।

अगर हम कड़ी मेहनत नहीं करेंगे तो कौन करेगा?'

हफ्ते में 70 घंटे काम को लेकर नारायण मूर्ति का नया बयान

नई दिल्ली,16 दिसंबर (एजेंसियां)। इंफोसिस के को-फाउंडर नारायण मूर्ति फिर से अपने उस बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं जिसमें उन्होंने हफ्ते में 70 घंटे काम करने को कहा था। अब उन्होंने कोलकाता में एक कार्यक्रम में हफ्ते में 70 घंटे काम करने को लेकर फिर से नया बयान दिया है। कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'अगर हम कड़ी मेहनत नहीं करेंगे तो कौन करेगा?'नारायण मूर्ति हाल ही में कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के युवाओं को देश हित में ज्यादा मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, 'इंफोसिस में हमने अपनी तुलना दुनिया की बेस्ट कंपनियों से की और मैं आपको बता सकता हूं कि हम भारतीयों को अभी भी बहुत काम करना है।'कार्यक्रम में नारायण मूर्ति ने कहा, '800 मिलियन भारतीय मुफ्त राशन पर निर्भर हैं। यह देश की व्यापक गरीबी का संकेत है। अगर हम कड़ी मेहनत करने की स्थिति में नहीं हैं, तो कौन करेगा?' मूर्ति ने कहा कि लोगों को गरीबी से बाहर निकालने के लिए रोजगार सृजन ही कुंजी है। उनके अनुसार, गरीबी से लड़ने का एकमात्र तरीका रोजगार सृजन करना है जिससे खर्च करने लायक आय हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उद्यमिता में सरकार की भूमिका न्यूनतम है।अपने संबोधन में मूर्ति ने हफ्ते में 70 घंटे के काम का भी मतलब बताया। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारत की प्रगति के बारे में बात करते थे।

अंतर्राष्ट्रीय शब्दावली अपनाने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद,16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद, जो " पारंपरिक चिकित्सा में साहित्यिक और मौलिक अनुसंधान के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन का एक सहयोग केंद्र है" द्वारा दिनांक 12 दिसंबर से 15 दिसंबर 2024 तक देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित कि गयी 10वीं 'विश्व आयुर्वेद कांग्रेस, में देश में कार्यान्वयन पर तकनीकी जानकारी जुटाने और भारत में आयुर्वेद की अंतर्राष्ट्रीय शब्दावली अपनाने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य रोगों के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण के साथ समन्वयन के लिए आवश्यक आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी के अंतर्राष्ट्रीय शब्दावली के पारंपरिक चिकित्सा मॉड्यूल-2 को अद्यतन बनाना, और सोवा रिग्पा चिकित्सा पद्धति में समाविष्ट रोगों के लिए उपलब्ध चिकित्सकीय साहित्य कि उसके विशालता और व्यापकता का प्रारंभिक मूल्यांकन के साथ उसके शब्दावली के निर्माण एवं विकास में योगदान के गुंजाइश कि समीक्षा करना और उसके समावेश के लिए सर्वांगीक रणनीति बनाने हेतु राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रिय प्रतिनिधियों के बीच चर्चा एवं विमर्श करना था ।

अध्याय स्टोर में स्पेशल कलेक्शन

हैदराबाद,16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाउस आफ गेविन्स द्वारा बंजारा हिल्स रोड नं.10 पर शुरू किये गये नये एथनिक फैशन स्टोर अध्याय ने फैशन क्षेत्र में गंतव्य स्थल के रूप में उभरने का जश्न मनाया। जिसमें गेविन्स के विस्तार के रूप में अध्याय को पारंपरिक भारतीय विरासत एवं आधुनिक शैली से जोडते हुए पुरूषों, महिलाओं तथा बच्चों के लिए आकर्षक परिधानों का विशेष संग्रह प्रस्तुत किया। 4 मंजिला स्टोर में हैंडलूम साडियों, खूबसूरत लहंगों, हाई क्वालिटी के आकर्षक शेरवानियों सहित खूबसूरत परिधानों के उत्तम कलेक्शन उपलब्ध हैं। एथनिक फैशन स्टोर अध्याय के संस्थापक नरेश जैन, चंदेश जैन, रितेश जैन के कुशल संचालन में हाउस आफ गेविन्स 3 दशकों से अधिक खुदरा अनुभव को इस नये ब्रांड अध्याय के रुप में समृध्द शिल्प परंपराओं का उत्सव मना रहा है। इस मामले में नरेश जैन ने बताया कि, बंजारा हिल्स में अध्याय ने पुरुषों, महिलाओं एवं बच्चों के लिए शहर का नवीनतम लग्जरी एथनिक फैशन गंतव्य स्थल के रूप में पेश किया है।

वीके सिंह बोले-पाकिस्तान आर्मी ने 400 महिलाओं से रेप किया था

कैंप में कई नग्न, कुछ गर्भवती थीं, रिटायर्ड जनरल ने बताए 1971 की जंग के हालात

रायपुर, 16 दिसंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 16 दिसंबर के ही दिन 1971 के युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को खदेड़ा और बांग्लादेश बनाया था। इस लड़ाई में भारतीय सेना के पूर्व अध्यक्ष जनरल वीके सिंह भी शामिल हुए। उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच जंग के हालात को लेकर रायपुर में बातचीत की। वे यहां एक मैराथन इवेंट में शामिल होने पहुंचे थे।

वीके सिंह ने बताया, 'मुझे याद है जब हम चटगांव पहुंचे थे। मैं अपनी टुकड़ी को लेकर मेडिकल कॉलेज में गया था। वहां पर पाकिस्तान की सेना ने नस्ल सुधारने के लिए कैंप बना रखा था। यहां वे महिलाओं को पकड़ कर लाते थे। सैनिक उनसे बलात्कार करते थे।'

'पाकिस्तान आर्मी ने बांग्लादेश के चटगांव की महिलाओं से क्रूरता की। तकरीबन उस समय 350, 400 महिलाएं थीं। वह अर्धनग्न और नग्न अवस्था में पड़ी थीं। इनमें कई महिलाएं गर्भवती भी थीं, जिनके साथ पाकिस्तानी सेना ने रेप किया था।'

पूछताछ के दौरान वीके सिंह ने इस तरह जवाब दिया

1971 की जंग का सबसे भयावह मंजर क्या था, जो आपने देखा?

बहुत सी चीजे थीं, वहां जो नरसंहार हुआ, उसके बारे में बहुत ज्यादा चीजें न लिखी गईं, न उनको बताया गया, जिस तरह से लोगों को मारा गया, महिलाओं पर जो अत्याचार हुए, वह शायद आपको कहीं और नहीं मिलेगा। लोग उसके बारे में बोलते नहीं है।

उस समय भारत के खिलाफ चीन भी था, अमेरिका भी था। उनका बेड़ा बंगाल की खाड़ी में आया था, ताकि लड़ाई को जल्दी बंद करा सके और बांग्लादेश पाकिस्तान के कब्जे से मुक्त न हो, लेकिन उनके कुछ करने से पहले ही हमने बांग्लादेश बना दिया।

वीके सिंह

आपका क्या रिएक्शन था, जब आपने वो सिचुएशन देखी?

वे लोग सब अपने आप को मारना चाहते थे, बड़ी मुश्किल से उनको संभाला। पता नहीं, कितने लोगों ने बाद में आत्महत्या कर ली होगी। हमने किसी तरह से कोशिश की कि उनको उनके घरों में भेजा जाए, लेकिन कोई जीने को तैयार नहीं था।

आप बांग्लादेश बनने की प्रक्रिया का हिस्सा रहे, आज के हालात देखकर क्या सोचते हैं?

1971 में हम लोग उनको बचाने के लिए गए थे। लोगों को पीड़ा से उबारने के लिए गए। 13 दिन के अंदर हमने देश बना दिया। उनको उनकी बागडोर दे दी और एक महीने में वहां से निकलकर आ गए। उनको उनका देश दे दिया, वो देश अब उनका है, जो कुछ भी करना है, उन्हें करना है। ये उदाहरण आपको दुनिया के इतिहास में कहीं नहीं मिलेगा।

एक बात उठ रही है कि हिंदुओं पर संकट है बांग्लादेश में, क्या भारत को उसमें दखल देना चाहिए?

ऐसा है कि पहली चीज तो हमको यह मानकर चलना चाहिए कि हिंदू लाचार नहीं है, हिंदू सहनशील है, सक्षम है। मुझे आशा है कि हमारे जो हिंदू भाई बहन वहां पर हैं, वो दृढ़ निश्चय करेंगे, जो उनके घर हैं, जमीन है, उनका इलाका है, वहां से उनको कोई बेदखल न करे।

पाकिस्तानी आर्मी से आपका सामना हुआ हो कोई किस्सा अगर आप बताएं?

हर सैनिक अपने देश के लिए लड़ता है। पाकिस्तानी आर्मी की तरह हम नीचे नहीं गिरते। आप कारगिल में देख लीजिए, कैसे उन्होंने हमारे लोग जो पकड़े गए, उनका क्या हाल किया। हमारे यहां ऐसा नहीं है।

हमारे यहां मानवता और संयुक्त राष्ट्र के जो नियम हैं, उनके हिसाब से हम चलते हैं। उस दिन तारीख थी 6 दिसंबर 1971, हमने पाकिस्तानी आर्मी की एक टुकड़ी को घेर लिया था। हमने उनका आत्मसमर्पण कराया, वहां पर उनके कैप्टन थे।

उन्होंने कहा कि हमने तीन दिन से खाना नहीं खाया है। मुझे हंसी आई, मैंने कहा मैंने भी 3 दिन से खाना नहीं खाया। हम तो तुम्हें पकड़ने के लिए तुमसे आगे दौड़ रहे थे। वो मेरे मुंह की तरफ देखने लगा तो मैंने कहा कि कुछ नहीं मिला खाने के लिए तो उसने कहा नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि हम लोग अपने साथ इमरजेंसी के लिए मीठे और नमकीन शक्करपारा लेकर चलते थे। मैंने अपने पास से निकालकर शक्करपारा उस पाकिस्तानी कैप्टन को दिया। वह मेरे मुंह की तरफ देखता रहा, थोड़ी देर बाद मैंने कहा- तुमने खाया नहीं। वो फिर मुझे देखने लगा। मैंने कहा- तुमको क्या लगता है कि इसमें जहर होगा।

इसके बाद मैंने उसके हाथ से उठाकर खा लिया। मैंने कहा- मेरा राशन है, तुम नहीं खा रहे, मैं तो खाऊंगा। ऐसा है कि सैनिकों के प्रति हमारी कोई वैसी सोच नहीं है। उस देश के प्रति गुस्सा है तो इसकी वजह उनकी करतूतें हैं।

सर अग्निवीर स्कीम है, एक नई चर्चा है कि इंडियन आर्मी को गोरखा नहीं मिल रहे इसके चलते?

अग्निवीर स्कीम किसी उद्देश्य से चली। उस समय जो चीफ थे (जनरल नरवणे) उन्होंने इसे एक टूर ऑफ ड्यूटी के तौर पर रखा। अग्निवीर स्कीम से जो युवा हमारे पास आए, बहुत अच्छे हैं। पहली चीज तो यह समझ लीजिए। स्कीम में कुछ संशोधन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कोई भी चीज जब नई आती है तो उसे देखकर ठीक किया जाता है और मुझे लगता है कि जो उसमें जो कमियां पाई गई हैं, उन्हें दूर किया जाएगा। अभी टाइम है चीजें ठीक करने के लिए। मुझे पूरा विश्वास है कि जो फीडबैक लोगों से मिल रहा है, उसको लेकर और अच्छा बनाया जाएगा।

जनरल वीके सिंह ऐसे पहले आर्मी चीफ हुए, जिन्होंने कमांडो की ट्रेनिंग ले रखी है। जनरल सिंह आजाद हिंदुस्तान के 26वें आर्मी चीफ रहे। हरियाणा के भिवानी जिले में जन्मे वीके सिंह अपने परिवार की तीसरी पीढ़ी से आते हैं, जो फौज में रहे। जनरल के पिता आर्मी में ही कर्नल और दादा जूनियर कमीशंड ऑफिसर थे। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल (रिटायर्ड) विजय कुमार सिंह को ऑपरेशन पवन के दौरान उनकी विशिष्ट सेवा के लिए परम विशिष्ट सेवा मेडल (पीवीएसएम), अति विशिष्ट सेवा मेडल (एवीएसएम) और युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया गया है।

भाजपा नेता को किडनैप कर मारने वाले 4 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में पूर्व सरपंच और भाजपा नेता सुकलू फरसा की हत्या की हत्या करने वाले 4 नक्सलियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये चारों जनमिलिशिया कैडर के हैं। सर्चिंग के दौरान डीआरजी की टीम ने इन्हें पकड़ा है। मामला जिले के भैरमगढ़ थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, 14 दिसंबर को जवान चिहका बिरियाभूमि के तरफ सर्च ऑपरेशन पर निकले थे। इस दौरान गांव के नजदीक से जवानों ने 4 संदिग्ध लोगों को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम जिला राम मंडावी, बोटी मुचाकी, राजूराम पोड़ियाम और राजाराम पोड़ियाम बताया।

इन चारों की जब डिटेल्स निकाली गई तो ये नक्सली निकले। वहीं पूछताछ में इन्होंने पुलिस को बताया कि ये सभी पूर्व सरपंच सुकलू फरसा की हत्या में शामिल थे। उसे किडनैप कर मारा था। वहीं पुलिस ने चारों को गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया है।

पुलिस अफसरों की मानें तो ये सभी मिलिशिया कैडर के हैं। गांव-गांव में नक्सलियों के बैठक की व्यवस्था करना। उनके लिए खाने का बंदोबस्त करना, आईईडी लगाना, लेवी वसूली, सड़क-पेड़ काटना जैसे काम किया करते थे।

छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

9वीं की परीक्षा में अच्छे नंबर नहीं मिलने से थी परेशान, मां हिमाचल में रहती है

गुमला, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। गुमला सदर थाना क्षेत्र के फोरी पसंगा में एक नाबालिग छात्रा ने घर में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। फोरी उच्च विद्यालय की 9वीं कक्षा की छात्रा थी। परिजनों के अनुसार, रिजल्ट में उसे अच्छे नंबर नहीं मिले थे और वो इसी से डिप्रेशन में थी। मृतका की पहचान रेशमा कुमारी (15) के रूप में की गई। इधर, घटना की सूचना मिलने पर सोमवार को पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल गुमला पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि रेशमा की मां हिमाचल प्रदेश में रहती है और पिता गुमला में रहकर एक पोकलेन चालक का काम करता है। घर में केवल भाई-बहन साथ रहते थे। एसआई गफ्फार अंसारी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रथम दृश्य में देखने से फांसी लगाकर आत्महत्या करना जैसा प्रतीत होता है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद पूरे मामले का खुलासा होगा।

गैंगस्टर बोला-मैंने 25 नहीं दो डॉक्टर से मांगी रंगदारी

कुख्यात प्रिंस ने ऑडियो जारी कर दी सफाई कहा- डॉक्टरों को डरने की जरूरत नहीं

धनबाद, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। वासेपुर के भगोड़े गैंगस्टर प्रिंस खान द्वारा धनबाद के डॉक्टरों से रंगदारी मांगे जाने का मामला फिर चर्चा में आ गया है। प्रिंस खान ने एक ऑडियो जारी कर अपनी सफाई दी है। उसका कहना है कि उसने 25 नहीं केवल दो डॉक्टरों से पैसे मांगे हैं। वो भी जमीन के मैटर में। किसी और द्वारा 25 डॉक्टरों से रंगदारी मांगी जा रही है।

दरअसल, लगातार धमकियों से परेशान डॉक्टरों ने कुछ दिनों पूर्व इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की धनबाद शाखा को इससे अवगत कराया था। इसके बाद आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एके सिंह के नेतृत्व में डॉक्टरों का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को राज सिन्हा के साथ मुख्यमंत्री से मिला और सुरक्षा को लेकर ज्ञापन दिया था। सीएम ने इस पर यथोचित प्रभावी कदम उठाने का भरोसा दिया है। इधर, वायरल ऑडियो में प्रिंस खान का कहना है कि सोशल मीडिया के माध्यम से मुझे पता चला है कि मेरे द्वारा 25 डॉक्टर से रंगदारी की मांग की गई है। मैंने दो डॉक्टरों से रंगदारी की मांग की है। वह भी जमीन के मामले में। मैंने अपनी चिट्ठी में पहले भी लिखा है कि मुझे किस-किस धंधे से मतलब है। 25 डॉक्टर से किसी दूसरे द्वारा रंगदारी मांगी जा रही है। प्रिंस खान ने ऑडियो में सर्वमंगला नर्सिंग होम का नाम लिया है। उसने कहा है कि जमीन के मैटर में मैंने सर्वमंगला नर्सिंग होम से पैसे मांगे हैं। इसके अलावा एक अन्य डॉक्टर से पैसे की मांग की गई है। वह भी जमीन का ही मैटर है। डॉक्टर अपना काम खुलकर करें। डरने की जरूरत नहीं है। मेरे नंबर और मेरे वॉइस से ही मेरा कारोबार चलता है। मेरे वॉइस को हर कोई पहचानता है।

आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एके सिंह के नेतृत्व में डॉक्टरों का एक प्रतिनिधिमंडल 12 दिसंबर को राज सिन्हा के साथ मुख्यमंत्री से मिला और सुरक्षा को लेकर ज्ञापन दिया था

गैंगस्टर प्रिंस खान ने ऑडियो वायरल कर यह दूसरी बार सफाई दी है। पहली बार महाबोधि मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले में उसने सफाई दी थी। इसमें उसने कहा था कि मंदिर और मस्जिद मेरे लिए बराबर है।

जेएसएससी कार्यालय में छात्रों पर लाठीचार्ज

सीजीएल परीक्षा का कर रहे विरोध, जगह-जगह बैरिकैडिंग कर प्रशासन ने रोका, हंगामा

रांची, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। नामकुम स्थित जेएसएससी कार्यालय में सीजीएल परीक्षा का विरोध करने पहुंचे छात्रों को जगह-जगह पर रोका गया। वहीं कुछ छात्र कार्यालय पहुंचने की कोशिश करते रहे। छात्रों के बढ़ते हंगामे को नियंत्रित करने के लिए छात्रों पर प्रशासन ने लाठियां भांजी। वहीं प्रदर्शन कर रहे छात्र नेता देवेंद्रनाथ महतो को हिरासत में लिया गया है। इधर छात्रों का प्रदर्शन जारी है। नामकुम बाजार से लेकर जेएसएससी कार्यालय तक छात्रों का प्रदर्शन जारी है।

वहीं जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के सफल उम्मीदवारों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन भी आज से ही शुरू हुआ है। पहले शिफ्ट में जिन उम्मीदवारों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होना था, उनका डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन पूरा हो चुका है। अब दूसरे शिफ्ट के सफल उम्मीदवारों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन किया जा रहा है। छात्रों के आंदोलन के बीच प्रशासन किसी भी तरह के हुड़दंग को रोकने में जुटी हुई है। जेएसएससी कार्यालय परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। जेएसएससी कार्यालय पहुंचने वाले लगभग हर रास्ते में बैरिकैडिंग है। वहीं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं।

रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री की ओर से अपील भी जारी की गई है। जिसमें उन्होंने कहा है कि आज से जेएसएससी सीजीएल परीक्षा के सफल उम्मीदवारों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन भी होना है। वहीं छात्रों का समूह आंदोलन-घेराव भी करना चाह रहे हैं।

इसे देखते हुए एसडीओ की ओर से बीएनएस की धारा 163 (144सीआरपीसी) लागू किया गया है, जिस कारण उक्त क्षेत्र में किसी भी प्रकार का विरोध प्रदर्शन, धरना आदि करना गैर कानूनी है। आप सभी से अपील की जाती है कि, किसी भी प्रकार के आक्रामक प्रदर्शन में भाग लेने से बचें। ऐसी गतिविधियाँ न केवल कानून व्यवस्था के लिए समस्या उत्पन्न करती हैं, बल्कि आपकी शिक्षा, भविष्य और कैरियर पर भी गहरा प्रभाव डाल सकती हैं। अगर आप किसी हिंसक या ग़ैर क़ानूनी गतिविधि में शामिल पाए जाते हैं, तो आपके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। यह कार्रवाई आपके शैक्षणिक रिकॉर्ड और भविष्य में नौकरी पाने की संभावनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है। जेएसएससी की ओर से ली गई संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा को लेकर छात्रों का कहना है कि यह परीक्षा 21 और 22 सितंबर को ली गई। 21 सितंबर को जो परीक्षा ली गई थी, उसके रिजल्ट में केवल 82 स्टूडेंट पास किए। जबकि 22 सितंबर की परीक्षा के रिजल्ट में 2149 उम्मीदवारों को पास दिखाया गया। यह अपने-आप में अनियमितता को दर्शाता है। अभी तक कटऑफ नहीं जारी किया जाना, कम मार्क्स वाले को सफल बताया जाना, साफ संकेत है कि परीक्षा में भारी गड़बड़ी हुई है। वहीं छात्र इस परीक्षा की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। किसी भी उपद्रव से निपटने के लिए पुलिस ने जेएसएससी कार्यालय के बाहर फायर ब्रिगेड, वाटर कैनन और वज्र वाहन तैनात किए हैं। प्रशासन वीडियोग्राफी और ड्रोन के जरिए भी नजर रखे हुए है। पूरे जेएसएससी कार्यालय और आसपास के क्षेत्र को हाई सिक्योरिटी जोर में तब्दील कर दिया गया है।

नगर निगम ने चलाया बुलडोजर

बैंक मोड़ फ्लाई ओवर का होना है मरम्मत, वैकल्पिक मार्ग से हटाया अतिक्रमण

धनबाद, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। धनबाद में सोमवार को नगर निगम ने बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया। बैंक मोड़ फ्लाइओवर की मरम्मती शुरू होने पर वैकल्पिक मार्ग पर वाहनों का लोड बढ़ेगा। ऐसे में वैकल्पिक मार्ग में यातायात को सुगम बनाने को लेकर नगर निगम अतिक्रमण हटाया। लगातार वैकल्पिक मार्ग बैंक मोड़ से पुराना बाजार मनईटांड हीरापुर तक सड़कों से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। आज भी नगर आयुक्त के निर्देशानुसार मनईटांड से पुराना बाजार तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान सड़क किनारे संचालित अवैध चाय गुमटी हटावाई गई। दुकानदारों ने भी स्वेच्छा पूर्वक अपनी दुकानें हटा ली। इस बारे में निगम के पदाधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि कई जगह नाली का अतिक्रमण कर दुकानें चलाई जा रही थी। उन स्थानों को भी खाली कराया गया है।

छोटा अमरेंद्र तिवारी गैंग के निशाने पर बड़े व्यवसायी

'20 लाख' की बात आई सामने तो खुला अभय और अब्दुल का 'राज'

रांची, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची में दो बड़े व्यापारियों से 20 लाख की रंगदारी मांगी गई और जान से मारने की धमकी दी गई। एटीएस ने दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एक अपराधी बिहार के सिवान से और दूसरा पिठौरिया से पकड़ा गया। इसके अलावा, हत्या के एक मामले में एक मोस्ट वांटेड अपराधी को भी गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, झारखंड की राजधानी रांची में दो बड़े व्यापारियों को धमकी भरे फोन आ रहे थे। उनसे 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी जा रही थी। पैसे न देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। घबराए व्यापारियों ने रातू और बरियातू थानों में मामले दर्ज कराए। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जिम्मेदारी एटीएस को सौंपी गई।

झारखंड एटीएस के एसपी ऋषभ झा ने बताया कि धमकी मिलने वाले व्यापारियों में बरियातू के पत्थर व्यापारी शैलेंद्र प्रसाद नारायण और अनूप सिंह शामिल हैं। रातू थाना क्षेत्र के एक और व्यापारी को भी धमकाया गया था। एटीएस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पहला अपराधी अभय कुमार मिश्रा है, जिसे बिहार के सिवान से पकड़ा गया। दूसरा अपराधी अब्दुल करीम है, जिसे पिठौरिया से गिरफ्तार किया गया। एसपी ऋषभ झा के अनुसार, अभय कुमार मिश्रा छोटा अमरेंद्र तिवारी के नाम पर रंगदारी मांग रहा था। इस मामले में दो एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस ने अब्दुल करीम के पास से दो पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

एसपी ने बताया कि यह गिरोह अभी पनप ही रहा था और बड़े व्यापारियों को निशाना बना रहा था। अगर समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो ये बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते थे। पुलिस अब इनके स्थानीय साथियों की तलाश कर रही है। एसपी ने यह भी कहा कि जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा और छोटा अमरेंद्र तिवारी के नाम पर रंगदारी मांगने वाले सभी अपराधियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

7 सीटर में 13 सवार, बालोद में हादसा, 6 की मौत

ट्रक ने एसयूवी को मारी टक्कर मरने वालों में 1 बच्चा, 4 महिलाएं

बालोद, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के भानुप्रतापपुर-दल्लीराजहरा मार्ग पर आज (सोमवार) सुबह भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं 7 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। मरने वालों में एक बच्चा, 4 महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मारी है। मामला डौंडी थाना क्षेत्र के चौरापावड़ के पास का है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अशोक जोशी के मुताबिक घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

शीतकालीन सत्र में सरकारी जमीनों पर कब्जे का गूंजा मुद्दा

विधायक शुशांत बोले-कांग्रेस सरकार में 13 हजार से अधिक अवैध कब्जे हुए, मंत्री ने कहा-कराएंगे जांच

रायपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज (सोमवार) से शुरू हो गया है। सदन में विधायक सुशांत शुक्ला ने सरकारी जमीनों पर कब्जे का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय अफसरों से मिलीभगत कर 13 हजार से अधिक अवैध कब्जे हुए हैं। इसकी जांच होनी चाहिए। इस पर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने तथ्य उपलब्ध करवाने पर जांच करके कार्रवाई करने की बात कही है। वहीं विधायक शुशांत ने कहा कि पिछले 5 साल में जो भूमि पुराण लिखा गया है, उसके चक्कर में कई परिवारों को गरुड़ पुराण सुनना पड़ गया। शासकीय जमीनों पर कब्जे के आधार पर क्या कार्रवाई की गई। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने जवाब देते हुए कहा कि बिलासपुर जिले में 2021 से 25 नवंबर 2024 तक सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा निर्माण की कुल 563 शिकायतें मिली हैं। हमारी सरकार आने पर कोई पट्टे नहीं दिए गए हैं। अगर गलत पट्टा बंटा है, तो उसकी जांच कराएंगे। कार्रवाई करेंगे।

वहीं सदन में अरपा पैरी के धार गीत गाया गया। इसके साथ ही कार्यवाही शुरू हो गई है। रायपुर दक्षिण से चुने गए नए विधायक सुनील सोनी का डॉक्टर रमन सिंह ने स्वागत किया। 20 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र के हंगामेदार होने के आसार हैं। कांग्रेस मनपसंद शराब ऐप, धान खरीदी, कानून व्यवस्था और अनियमितता को लेकर राज्य सरकार को घेरने की कोशिश करेगी। सत्र के दौरान विधायक अपनी तनख्वाह बढ़वाने की मांग कर सकते हैं। 4 संशोधन बिल पेश किए जाएंगे।

गोविंदपुर साहिबगंज हाई-वे पर भयंकर हादसा

तारापीठ से पूजा कर धनबाद लौट रही कार पेड़ से टकराई, हादसे में तीन लोग घायल

जामताड़ा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। तारापीठ से पूजा कर धनबाद लौट रहे एक कार का रविवार की रात करीब दो बजे हादसा हो गया। यह हादसा जामताड़ा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर साहिबगंज हाई-वे पर पोसोई मोड़ के समीप हुआ है। हादसे में क्रेटा कार में सवार चार लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक घटना उस समय घटी जब कार का चालक एक वाहन को ओवरटेक करने के क्रम में नियंत्रण खो बैठा। कार बम्पर को जंप करते हुए सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में कार में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनमें से तीन की हालत नाजुक बनी हुई है। सभी घायल धनबाद के रहने वाले हैं।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। जिसके बाद एंबुलेंस से सभी घायलों को जामताड़ा सदर अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद तीन गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक कार के टकराने की आवाज इतनी जोर थी कि आसपास के घरों में सो रहे लोग भाग कर घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय लोगों के मुताबिक जब वे कार के पास पहुंचे तो लोग दर्द से कराह रहे थे। कार का गेट खुला हुआ था। कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका था। हादसे के दौरान कार की अगली सीट पर बैठा एक युवक बाहर गिरा हुआ था।

युवक ने निगल लिया जिंदा चूजा

डॉक्टरों ने कहा- जीवन में पहली बार देखा ऐसा केस, कारण जान पकड़ लेंगे माथा

अंबिकापुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में एक अजीब मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने जिंदा चूजा (मुर्गी का बच्चा) निगल लिया जिस कारण से उसकी मौत हो गई। चूजा निगलने के बाद युवक बेहोशी हो गया था। बेहोशी की हालत में उसे अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, लेकिन गले में चूजा फंसने के कारण उसकी मौत हो गई।

हाथी ने ग्रामीण को पटका, फिर पैरों से रौंदकर मार डाला

सूरजपुर में ग्रामीणों ने वन अमले को बनाया बंधक, सड़क पर लाश रखकर चक्काजाम

सूरजपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में हाथी ने एक ग्रामीण को सूंड से उठाकर पटका, फिर पैरों से रौंदकर मार डाला। हाथी के हमले के बाद ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल है।

इस दौरान ग्रामीणों ने वन विभाग के अधिकारियों से बदसलूकी भी की। मामला सरसताल गांव का है। लोगों ने अंबिकापुर-बनारस मुख्यमार्ग पर शव रख चक्काजाम किया। इसके बाद जरही तहसीलदार की समझाइश के बाद लोगों ने चक्काजाम खत्म किया। ग्रामीणों का आरोप है कि हाथियों के विचरण क्षेत्र की बिजली काट दी जा रही है। जानकारी के मुताबिक, प्रतापपुर वन परिक्षेत्र में विचरण कर रहे 9 हाथियों के दल से अलग होकर एक दंतैल हाथी सरसताल गांव में पहुंच गया। हाथी ने घर के बाहर निकले किसान फूलसाय राजवाड़े (55 साल) पर हमला कर दिया। बुजुर्ग की लाश टुकड़ों में मिली है। हाथी के गांव में घुस आने से हड़कंप मच गया। गांव के लोगों ने एकजुट होकर शोर मचाया तो हाथी गांव से बाहर चला गया। घटना की सूचना पर मौके पर एसडीओ फॉरेस्ट प्रतापपुर आशुतोष भगत, रेंजर उत्तम मिश्रा सहित वनकर्मी मौके पर पहुंचे। इस दौरान लोगों ने उन्हें भी घेर लिया। वनकर्मियों को ग्रामीणों ने घेरकर कुछ देर के लिए बंधक भी बना लिया।

मौके पर पुलिसकर्मी पहुंचे और वनकर्मियों को सुरक्षित निकाला गया। एसडीओ फॉरेस्ट आशुतोष भगत ने बताया कि कुछ स्थानीय लोगों ने ग्रामीणों को भड़काया, जिससे वे आक्रोशित हो गए थे। ग्रामीण हाथी विचरण क्षेत्र में बिजली काटने को लेकर आक्रोशित थे। ग्रामीणों ने कुछ वनकर्मियों का मोबाइल भी जब्त कर लिया था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हाथियों के पहुंचने पर इलाके की बिजली काट दी जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग के कहने पर ही पावर कट हो रहा है। इससे हाथियों को देख पाना और उन्हें भगाना मुश्किल हो जाता है। इससे हादसे भी हो रहे हैं। प्रतापपुर रेंजर उत्तम मिश्रा ने बताया कि प्रतापपुर क्षेत्र में 9 हाथी विचरण कर रहे हैं। हाथी मित्र दल की टीम लगातार ग्रामीणों को सतर्क कर रही है।

बांग्लादेश में कब होंगे चुनाव ?

अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने खुद दी जानकारी

ढाका, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से एक अंतरिम सरकार बांग्लादेश में प्रशासन कर रही है, जिसके प्रमुख मोहम्मद यूनुस हैं। सत्ता संभालने के बाद से ही अंतरिम सरकार से चुनाव की तारीखों का एलान करने की मांग की जा रही है। अब बढ़ते दबाव के बीच मोहम्मद यूनुस ने कहा है कि 2025 के अंत में या फिर 2026 के शुरुआत में चुनाव होंगे।

बांग्लादेश ने आज ही के दिन भारत की मदद से पाकिस्तान से आजादी पाई थी। बांग्लादेश आज अपनी आजादी की 53वीं वर्षगांठ मना रहा है। राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन और अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को राजधानी ढाका में राष्ट्रीय स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद राष्ट्रीय प्रसारण में मोहम्मद यूनुस ने देश को संबोधित किया। इसी संबोधन में यूनुस ने कहा कि 2025 के अंत तक या फिर 2026 की शुरुआत में बांग्लादेश में आम चुनाव होंगे। पिछले महीने ही यूनुस ने बांग्लादेश में जल्द चुनाव कराने से इनकार कर दिया था और इसकी वजह उन्होंने संविधान और चुनाव आयोग समेत अन्य संस्थाओं में सुधार का हवाला दिया था।

यूनुस ने संविधान और विभिन्न संस्थानों में कई सुधारों की निगरानी के लिए एक आयोग का गठन किया है। यूनुस ने अपने संबोधन में कहा कि 'चुनाव की तारीख इस बात पर निर्भर करेगी कि राजनीतिक दल किस बात पर सहमत होते हैं।' यूनुस ने कहा, 'मैंने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि चुनाव की व्यवस्था करने से पहले सुधार किए

जाने चाहिए। अगर राजनीतिक दल न्यूनतम सुधारों, जैसे कि त्रुटिहीन मतदाता सूची के साथ ही चुनाव कराने पर सहमत होते हैं, तो चुनाव नवंबर के अंत तक कराए जा सकते हैं। लेकिन चुनाव सुधारों को पूरा करने के चलते कुछ महीनों की देरी हो सकती है।'

आरक्षण के खिलाफ आंदोलन के चलते गई थी शेख हसीना की सरकार

बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले से नौकरियों में 30% कोटा सिस्टम लागू किया था। इस कोटे का लाभ बांग्लादेश की आजादी की लड़ाई लड़ने वाले लोगों के परिजनों को दिया जाना था। इसके खिलाफ ढाका यूनिवर्सिटी में छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। धीरे-धीरे ये विरोध प्रदर्शन की आग पूरे देश में फैल गई और लोग सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों के दबाव में आरक्षण खत्म कर दिया गया, लेकिन फिर प्रदर्शनकारी शेख हसीना के इस्तीफे की मांग पर अड़ गए। इसके चलते हिंसा इतनी बढ़ी कि शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा और उन्होंने भारत में शरण ली। इसके बाद सेना ने देश की कमान संभाल ली। बाद में एक अंतरिम सरकार ने सत्ता संभाली और नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को उसका मुख्य सलाहकार बनाया गया।

तड़ीपार सलमान के घर पर फायरिंग

एक गोली खिड़की के शीशे को तोड़ अंदर घुसी, कोई हताहत नहीं

जमशेदपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के एग्रिको रोड नंबर तीन स्थित तड़ीपार सलमान के घर पर रविवार तड़के 4 बजे के आसपास अज्ञात बदमाशों द्वारा अंधाधुंध फायरिंग की गई। इस में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि घर की दीवार में तीन जगहों पर गोली के निशान मिले हैं और एक गोली खिड़की के कांच को भेदते हुए अंदर घुसी। सलमान के भाई अरमान ने बताया कि तड़के 4 बजे अचानक गोली चलने की आवाज आई। जब वे घर से बाहर निकलकर देखने पहुंचे तो देखा कि एक कार में सवार लोग भागते हुए नजर आए। घटना की सूचना मिलते ही सीतारामडेरा थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

सीरिया पर इजराइली हमले के बाद भूकंप आया

3.1 की तीव्रता से कांपी धरती, विद्रोहियों के कब्जे के बाद रूस ने राजनायिकों को निकाला

तेल अवीव/ दमिश्क, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल ने रविवार देर रात सीरिया के तटीय शहर टारटस पर हवाई हमला किया है। इस हमले में इजराइल ने टारटस के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है, जहां भारी मात्रा में गोला बारूद और हथियार जमा थे। हमले के बाद मौके पर एक बड़ा धमाका भी हुआ। सीरिया वॉर मॉनिटर ने इजराइल के हमले को पिछले एक दशक में टारटस पर सबसे बड़ा हमला बताया है। इजराइल के फाइटर जेट्स ने जिन ठिकानों पर हमला किया, उनमें एयर डिफेंस यूनिट और सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों के डिपो भी शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक धमाका इतना तेज था कि टारटस में भूकंप भी आया। इस भूकंप की तीव्रता 3.1 थी। हमले के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रहे हैं। रूस ने सीरिया में जारी इजराइली हमलों और विद्रोही गुटों के कब्जे के बाद अपने राजनयिकों को निकाल लिया है। रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वायुसेना की एक स्पेशल फ्लाइट के जरिए सीरिया के खमीमिम एयरपोर्ट से दमिश्क में मौजूद कुछ रूसी राजनयिकों को वापस रूस लाया गया है। रूसी राजनयिकों के अलावा बेलारूस और नॉर्थ कोरिया के राजनयिकों को भी इसी विमान से वापस लाया गया है। हालांकि, मंत्रालय ने साफ किया कि दमिश्क में मौजूद दूतावास अभी भी अपना काम जारी रखेगा। इसके लिए टेलीग्राम की मदद ली जाएगी। यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) ने गोलान हाइट्स में नागरिकों की संख्या को दोगुना करने के इजराइल के प्लान की निंदा की है। इससे पहले इजराइल ने रविवार को गोलान हाइट्स में नागरिकों की संख्या बढ़ाकर दोगुना करने का ऐलान किया था। इसके लिए इजराइल के दूसरे हिस्सों के नागरिकों को गोलान हाइट्स में बसाया जाएगा। यूएई के अलावा ईरान और सऊदी अरब ने भी इजराइल के इस कदम की निंदा की है। इजराइल ने गोलान हाइट्स पर 1967 में कब्जा किया था। इससे पहले ये सीरिया का हिस्सा था, जिसे 6 दिन चले युद्ध के बाद इजराइल ने जीत लिया था। सीरिया ने इजराइल से इस क्षेत्र से हटने की मांग की है, लेकिन इजराइल ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए इनकार कर दिया है। गोलान हाइट्स पर इजराइली कब्जे को 2019 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मान्यता दे दी थी।

इजराइल ने आयरलैंड में दूतावास बंद किया

विदेश मंत्री ने इजराइल विरोधी नीति का आरोप लगाया, आयरलैंड ने फिलिस्तीन को मान्यता दी थी

तेल अवीव, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल ने रविवार को आयरलैंड में अपना दूतावास बंद करने की घोषणा की है। इजराइल के विदेश मंत्री गिडोन सार ने आयरलैंड पर दोहरी मानसिकता और इजराइल विरोधी नीति का आरोप लगाया। इजराइल के ये फैसला आयरलैंड के फिलिस्तीन को अलग राज्य की मान्यता देने के बाद आया है।

इसके अलावा इजराइल के खिलाफ साउथ अफ्रीका की ओर से अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) में दायर नरसंहार के मामले का भी आयरलैंड ने समर्थन किया है। दक्षिण अफ्रीका ने गाजा जंग में फिलिस्तीनियों के नरसंहार का आरोप लगाते हुए इस साल जनवरी में इजराइल के खिलाफ आईसीजे में मुकदमा दर्ज किया था। विदेश मंत्री सार ने आरोप लगाया कि आयरलैंड यहूदियों के विरोध में बढ़ते मामलों पर कार्रवाई करने में असफल रहा है। इन आरोपों के चलते इजराइल ने मई में ही अपने राजदूत को आयरलैंड से वापस बुला लिया था। आयरलैंड के प्रधानमंत्री साइमन हैरिस ने

इजराइल के फैसले पर नाराजगी जताई है। उन्होंने इसे खेदजनक बताया। हैरिस ने इजराइल विरोधी आरोपों का भी खंडन किया है। हैरिस ने कहा कि आयरलैंड शांति, मानवाधिकार और अंतरराष्ट्रीय कानून का पक्षधर है। हैरिस ने दो अलग राज्यों यानी इजराइल और फिलिस्तीन की स्थापना (टू स्टेट सॉल्यूशन) का समर्थन किया।

दूसरी तरफ आयरलैंड के विदेश मंत्री माइकल मार्टिन ने कहा कि दोनों देशों में राजनयिक संबंध बनाए रखेंगे। आयरलैंड इजराइल में अपना दूतावास बंद नहीं करेगा। इजराइल के विपक्षी नेता और पूर्व प्रधानमंत्री यायर लापिड ने सरकार के कदम की आलोचना की है। उन्होंने इजराइल विरोधी देशों में दूतावास बनाए रखने की सलाह दी। इजराइल ने गोलान हाइट्स में जनसंख्या को दोगुना करने का फैसला किया है। इसके चलते यहां नए लोगों को बसाया जाएगा। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल को मजबूत करने के लिए गोलान को मजबूत करना है। हमें इसे अपने पास बनाए रखेंगे और नई बसावट करेंगे। गोलान हाइट्स पर इजराइल ने 1967 में कब्जा किया था। इससे पहले ये सीरिया का हिस्सा था, जिसे 6 दिन चले युद्ध के बाद इजराइल ने जीत लिया था। सीरिया ने इजराइल से इस क्षेत्र से हटने की मांग की है, लेकिन इजराइल ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए इनकार कर दिया है। गोलान हाइट्स पर इजराइली कब्जे को 2019 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मान्यता दे दी थी।

शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस को फासीवादी बताया

कहा– देश विरोधी ताकतों ने अवैध तरीके से सत्ता पर कब्जा किया, वे कट्टरपंथियों के समर्थक

ढाका, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को फासीवादी बताया है। बांग्लादेश के विजय दिवस से एक दिन पहले रविवार शाम को जारी बयान में हसीना ने कहा कि मोहम्मद यूनुस एक फासीवादी सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। ये सरकार आजादी विरोधी और कट्टरपंथियों की समर्थक है। शेख हसीना ने कहा कि देश विरोधी ताकतों ने घरेलू और विदेशी षड्यंत्रों के जरिए अवैध और असंवैधानिक तरीके से सत्ता पर कब्जा कर लिया। बांग्लादेश में आज आजादी की 53वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। 1971 में आज ही के दिन बांग्लादेश ने भारत की मदद से पाकिस्तान से आजादी हासिल की थी।

पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा कि मोहम्मद यूनुस की सरकार का मकसद आजादी की लड़ाई लड़ने वालों के खिलाफ लोगों के मन में गुस्से पैदा करना है। यह सरकार मुक्ति संग्राम का इतिहास और उसकी भावना को मिटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि ये लोग बांग्लादेशी स्वतंत्रता संग्राम की भावना को मिटाने के लिए मनगढ़ंत कहानियां फैला रहे हैं। अगर ऐसा हो जाता है तो वो बंगालियों की महान उपलब्धि को कलंक में बदल देंगे। बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30% कोटा सिस्टम लागू किया था, इसके बाद से ही ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। यह आरक्षण खत्म कर दिया गया तो छात्रों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग शुरू कर दी। देखते ही देखते बड़ी संख्या में छात्र और आम लोग प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर आए। इस प्रोटेस्ट के दो महीने बाद 5 अगस्त को शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गईं। इसके बाद सेना ने देश की कमान संभाल ली।

हिजाब नहीं पहनने पर महिला सिंगर गिरफ्तार

कॉन्सर्ट का वीडियो यूट्यूब पर अपलोड किया था, 2 साथी म्यूजिशियन भी अरेस्ट

तेहरान, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। ईरान में एक ऑनलाइन कॉन्सर्ट के दौरान हिजाब नहीं पहनने के आरोप में महिला सिंगर को गिरफ्तार किया गया है। महिला सिंगर का नाम परस्तू अहमदी है। महिला ने बुधवार, 11 दिसंबर को यूट्यूब पर कॉन्सर्ट का वीडियो अपलोड किया था। इस वीडियो में अहमदी स्लीवलेस ड्रेस पहनकर गाना गा रही थीं। वीडियो अपलोड होने के बाद गुरुवार को एक कोर्ट में अहमदी के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। इसके बाद शनिवार को परस्तू अहमदी को गिरफ्तार कर लिया गया। अहमदी की उम्र 27 साल है। एक ईरानी वकील ने बताया कि सिंगर को पुलिस ने ईरान के उत्तरी प्रांत मजांदरान की राजधानी सारी से गिरफ्तार किया है। सिंगर के अलावा उसके साथ वीडियो में दिख रहे 4 म्यूजिशियंस में से 2 को गिरफ्तार किया गया है। परस्तू अहमदी के अलावा जिन दो म्यूजिशियन को गिरफ्तार किया गया है उनके नाम सोहेल फगीह नासिरी और एहसान बेराघदार हैं।

दोनों को राजधानी तेहरान से गिरफ्तार किया गया है। ईरान में वैसे तो हिजाब को 1979 में मैंडेटरी किया गया था, लेकिन 15 अगस्त 2023 को प्रेसिडेंट इब्राहिम रईसी ने एक ऑर्डर पर साइन किए और इसे ड्रेस कोड के तौर पर सख्ती से लागू करने को कहा।

दुबई के बदले नियमों से भारतीयों के वीजा रिजेक्शन में तेजी

दस्तावेज जमा करने के बावजूद दिक्कत

दुबई, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की सरकार ने हाल ही में अपने वीजा नियमों में कई अहम बदलाव किए हैं। यूएई के टूरिस्ट वीजा आवेदन नियमों को सख्ती के कारण दुबई की यात्रा की योजना बना रहे भारतीयों को मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। इससे बीते कुछ समय में भारतीय पर्यटकों के दुबई के लिए वीजा रिजेक्ट होने की तादाद बहुत ज्यादा बढ़ गई है। दैनिक वीजा अस्वीकृति दर जो पहले केवल 1 से 2 प्रतिशत थी, वह 5 से 6 प्रतिशत तक पहुंच गई है। भारतीयों के लिए वीजा अप्रूवल जो पहले 99 फीसदी था, अब 94 पर आ गया है। दुबई के वीजा का आवेदन करने वालों में उन लोगों को भी निराशा का सामना करना पड़ा है, जिन्होंने सभी आवश्यकताओं को पूरा करते हुए सभी दस्तावेज जमा किए हैं। कुछ मामलों में सभी आवश्यक कागजी कार्रवाई के बावजूद पूरे परिवारों के वीजा आवेदन अस्वीकार कर दिए गए। वीजा रिजेक्ट होने से ना सिर्फ वीजा फीस का नुकसान होता है बल्कि फ्लाइट टिकट और होटल बुकिंग का भी नुकसान होता है। इससे भविष्य में मंजूरी मिलने की संभावना कम हो जाती है। बिजनेस स्टैंडर्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि इस स्थिति से बचने के लिए दुबई के पर्यटक वीजा का आवेदन करने से पहले किन नियमों का जानना जरूरी है।

दुबई वीजा का आवेदन करते हुए क्यूआर कोड के साथ होटल बुकिंग दस्तावेज जरूर दें। दुबई जाने के साथ-साथ अपनी वापसी उड़ान टिकट की एक कॉपी भी जमा करें। अगर आप दुबई में किसी रिश्तेदार के साथ रहेंगेतो उनका निवास परमिट और दूसरे दस्तावेज जरूर जमा करें। वीजा आवेदन के समय ही ये साबित करें कि आपके बैंक खाते में दो महीने के वीजा के लिए कम से कम 5,000 दिरहम (1.14 लाख रुपए) हैं।

इमरान की पार्टी पर हिंसा की राजनीति का आरोप

26 नवंबर की हिंसा को सरकार ने काला दिन बताया, इमरान फिर आंदोलन की तैयारी में

इस्लामाबाद, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सूचना एवं प्रसारण (आईबी) मंत्री अताउल्लाह तारड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी पर हिंसा की राजनीति को बढ़ाने का आरोप लगाया है। अताउल्लाह ने कहा कि पीटीआई के प्रदर्शन कभी शांतिपूर्वक नहीं रहे हैं। मंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि पीटीआई कार्यकर्ताओं ने 26 नवंबर को इस्लामाबाद में आधुनिक हथियारों, स्टेन गन आंसू गैस और ग्रेनेड से लैस होकर हिंसा फैलाई। अताउल्लाह ने 9 मई और 26 नवंबर को पाकिस्तान के इतिहास का सबसे काला दिन बताया। अताउल्लाह ने आरोप लगाते हुए कहा, पीटीआई लाशों की राजनीति करना चाहती है और देश में अशांति फैलाकर अपने राजनीतिक हित साधना चाहती है।

इमरान का पलटवार- सरकार जाति के आधार पर बांट रही

जेल में बंद पीटीआई के संस्थापक इमरान खान ने हिंसा के

आरोपों पर पलटवार करते सरकार पर देश को जाति के आधार पर बांटने का आरोप लगाया। इमरान ने X पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सरकार पख्तूनों को जाति के आधार पर निशाना बना रही है। इमरान ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी सरकार की 'फूट डालो और राज करो' की नीति का हिस्सा न बने। हम सभी पहले पाकिस्तानी हैं। इसके अलावा इमरान ने सरकार को अवज्ञा आंदोलन (सरकार की नाफरमानी) की धमकी दी है। इमरान ने सरकार के सामने 2 प्रमुख मांगें भी रखी है। इनमें से पहली है कि पिछले साल 9 मई और इस साल 26 नवंबर को हुई हिंसाओं की जांच सुप्रीम कोर्ट के सीनियर जजों की अध्यक्षता में कराई जाई। वहीं दूसरी मांग है कि गैर कानूनी तरीके से जेल में बंद में पीटीआई के कार्यकर्ताओं और नेताओं के रिहा किया जाए।

इमरान की पार्टी के नेता और खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा कि नाफरमानी आंदोलन इमरान खान ने बुलाया है, मैंने नहीं। उन्होंने कहा कि जब पूरी जानकारी मिल जाएगी, तब इस पर काम करेंगे। हम इमरान के आदेशों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता बातचीत है, लेकिन सरकार को अपनी ताकत दिखानी होगी। पीटीआई के नेता और नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब ने सोमवार को कहा कि पार्टी राजनीतिक संकट को सुलझाने के लिए किसी के साथ भी बातचीत करने को तैयार है। पिछले कुछ महीनों से सरकार और पीटीआई के बीच तनाव लगातार बढ़ा है। इसे एक बार फिर पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता का दौर शुरू होने के तौर पर देखा जा रहा है।

आर्मेनिया के बाद पाकिस्तान-तुर्की के दोस्त अजरबैजान ने मांगे भारत से हथियार

खास दोस्त से भेजा मैसेज

बाकू, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। आर्मेनिया के साथ लंबे समय से संघर्ष के में उलझे अजरबैजान ने भारत से हथियार खरीदने की इच्छा जाहिर की है। अजरबैजान ने सीधे भारत से हथियार ना मांगकर एक तीसरे, दोस्त देश के माध्यम से नई दिल्ली को यह संदेश भेजा है। अजरबैजान का ये अनुरोध इसलिए दिलचस्प है क्योंकि उसे वर्षों से तुर्की और पाकिस्तान से हथियार मिलते रहे हैं। वहीं उसके दुश्मन आर्मेनिया ने भारत से कई हथियार और रक्षा प्रणालियां खरीदी हैं। ऐसे में अजरबैजान के शिफ्ट ने ध्यान खींचा है।

द प्रिंट की रिपोर्ट के अनुसार, अजरबैजान का यह अनुरोध भारत को एक दोस्त के जरिए से मिला था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत ने अजरबैजान के इस मैसेज को अनदेखा कर दिया गया है। नई दिल्ली ने मित्र देश को स्पष्ट कर दिया है कि भारत अपने द्विपक्षीय संबंधों खुद तय करेगा और वह नहीं

चाहता कि कोई अन्य देश बिचौलिया बने। भारत ने अजरबैजान को हथियार देने में दिलचस्पी नहीं दिखाई है।

भारत तक सीधे नहीं आया कोई संदेश

द प्रिंट ने मामले से परिचित लोगों के हवाले से बताया है कि अजरबैजान की सरकार ने सीधेतौर पर भारत के साथ इस विषय पर कोई चर्चा नहीं की। अजरबैजान से ना तो आधिकारिक तौर पर और न ही अनौपचारिक रूप से दिल्ली को कोई मैसेज मिला है। इसके बजाय एक तीसरे देश ने भारत से संपर्क किया और कहा कि अगर वह हथियार बेचना चाहे तो अजरबैजान खरीदार बनने की इच्छा रखता है।

दरअसल आर्मेनिया ने हाल के वर्षों में अजरबैजान के साथ अपने संघर्ष के बीच अपने सशस्त्र बलों को मजबूत करने के लिए भारत का रुख किया है।

भारत से उसने रॉकेट-लांचर, तोपखाने बंदूकें, गोला-बारूद, स्नाइपर राइफलें, एंटी-टैंक मिसाइलें खरीदी हैं। भारत के लिए आर्मेनिया ना केवल एक रक्षा भागीदार रहा है, बल्कि क्षेत्र में एक राजनीतिक भागीदार भी है। वह जम्मू-कश्मीर पर भारत की स्थिति का प्रबल समर्थक रहा है।

फ्रांस के मायोट में 100 साल में सबसे बड़ा तूफान

1000 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका, लोग बोले– ये परमाणु बम जैसा

पेरिस, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। हिंद महासागर के द्वीप मायोट में आए एक चक्रवात 'चिडो' ने भारी तबाही मचाई है। चक्रवात के दौरान 225 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलीं, जिसकी वजह से दर्जनों बस्तियां पूरी तरह से बर्बाद हो गईं। चिडो को मायोट में पिछले 100 सालों में आया सबसे भीषण तूफान बताया जा रहा है। ऐसी आशंका है कि कम से कम 1,000 लोग मारे गए हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। इस तूफान ने इतनी तबाही मचाई है कि लोग इसकी तुलना परमाणु बम से कर रहे हैं। मायोट अफ्रीका के पूर्वी तट से दूर हिंद महासागर में, मेडागास्कर के ठीक पश्चिम में स्थित है। इस पर फ्रांस का कब्जा है। यह यूरोपीय

देश से 7,837 किमी दूर है। फ्रांस से आए बचाव दल सहित बचावकर्मी मलबे में जीवित बचे लोगों की तलाश में जुटे हैं। फ्रांस के मौसम विभाग के मुताबिक चिडो लेवल-4 का तूफान था जो शनिवार-रविवार को दक्षिण-पश्चिम हिंद महासागर से गुजरा। पहले इसने मेडागास्कर में तबाही मचाई लेकिन सबसे ज्यादा असर मायोट में पड़ा। इसके बाद यह मोजाम्बिक की तरफ बढ़ गया। फिलहाल तूफान कमजोर पड़ गया है। मायोट के अधिकारियों ने कहा कि चक्रवात से बुनियादी ढांचे को काफी नुकसान पहुंचा है। बिजली व्यवस्था ठप हो गई है। सड़कें टूट गई हैं। इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। मायोट की आबादी 3 लाख 20 हजार है। इसमें से हजारों लोग खाना, पानी और रहने की समस्या से जूझ रहे हैं। लोगों को 3 दिनों से पानी तक नहीं मिला है और भुखमरी के हालात पैदा हो गए हैं। फ्रांस की सेना की हवाई फुटेज में गांवों को मलबे में तब्दील होते हुए दिखाया गया है। फ्रांस के गृह मंत्रालय के मुताबिक मायोट यूरोपीय संघ का सबसे गरीब इलाका है। मायोट करीब 1 लाख अवैध प्रवासियों का घर है, जहां 77% लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया पर कहा कि वे मायोट की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

असद के दो विमानों में भरा था 2 टन कैश

सीरिया से अरबों की दौलत लेकर गए हैं पूर्व राष्ट्रपति, सीक्रेट प्लेन से पुतिन के पास पहुंचे

दमिश्क, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया के विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम ने मोहम्मद अबू जुलानी के नेतृत्व में 11 दिन की लड़ाई के बाद इस महीने की शुरुआत में सत्ता पर कब्जा कर लिया था। राजधानी दमिश्क हाथ से निकलने के बाद 25 साल सीरिया के राष्ट्रपति रहे बशर अल असद ने परिवार के साथ 8 दिसंबर को अपना देश छोड़कर रूस भाग गए थे। बशर अल असद के बारे में सामने आई एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि उनकी अरबों की संपत्ति रूस में है। रूसी राष्ट्रपति बशर अल असद उनके दोस्त माने जाते हैं।

सीरिया से एक सीक्रेट प्लेन से रूस पहुंचे असद बीते कुछ समय में विमानों में भरकर 250 मिलियन डॉलर रूस भेज चुके थे। एफटी की

रिपोर्ट के अनुसार, बीते कुछ वर्षों में असद ने सीरिया से बड़ी तादाद में करेंसी रूस भेजी। इसके लिए प्लेन का इस्तेमाल किया गया। रिकॉर्ड्स से पता चलता है कि 2018 और 2019 के बीच दमिश्क से मॉस्को में कई टन नकदी भेजी गई। रिकॉर्ड बताते हैं कि सीरिया से ये रकम ज्यादातर मार्च 2018 और सितंबर 2019 के बीच यूरो और अमेरिकी डॉलर में भेजा गया। मार्च 2018 से सितंबर 2019 तक 250 मिलियन डॉलर से ज्यादा भेजा गया। निर्यात डेटा सेवा इंपोर्ट जीनियस के रूसी व्यापार रिकॉर्ड से पता चलता है कि 2019 में सीरियाई केंद्रीय बैंक की ओर से 100 डॉलर के बिल में 10 मिलियन डॉलर ले जाने वाला एक विमान रूस भेजा गया था। असद की ओर से ये रकम ऐसे समय भेजी गई, जब असद के शासन को रूस के लड़ाकू विमानों का समर्थन मिल रहा था। इसी नकदी से असद के परिवार के मॉस्को में लक्जरी संपत्तियां खरीदने का भी दावा है। सीरिया छोड़ने के बाद भी व्लादिमीर पुतिन ने ही बशर अल असद को राजनीतिक शरण दी है। असद फिलहाल परिवार के साथ रूस में हैं। बशर अल असद और उनके परिवार के बारे में कहा जा रहा है कि मॉस्को में खरीदी संपत्तियों की वजह से वह निर्वासन में रहने के बावजूद अपनी विलासितापूर्ण जीवनशैली को बनाए रख सकते हैं।

सीएम भजनलाल की बड़ी घोषणा को पूरा करेंगे पीएम मोदी!

जयपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में 9 नए एक्सप्रेस-वे बनाने की बजट घोषणा को पूरा करने के लिए भजनलाल सरकार ने अब केन्द्र सरकार के माध्यम से कराने की तैयारी की है। सरकार ने केन्द्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से आग्रह किया है कि इन एक्सप्रेस-वे का काम केन्द्र अपने सुपरविजन में कराए। गडकरी इस मामले में जल्द ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के साथ मीटिंग भी कर सकते हैं।

राज्य सरकार ने बजट में 2 हजार 756 किलोमीटर के 9 नए एक्सप्रेस-वे बनाने की घोषणा की थी। इस पर काम शुरू हुआ तो सामने आया कि जयपुर से पचपदरा के बीच एक एक्सप्रेस-वे पर एनएचएआई भी काम कर रहा है। इसके बाद 9 में से एक जयपुर-जोधपुर-पचपदरा एक्सप्रेस-वे की डीपीआर एनएचएआई के हाथ में चली गई।

बाकी आठ एक्सप्रेस-वे की डीपीआर बनाने के लिए राज्य सरकार ने 30 करोड़ रुपए का बजट जारी किया। इन आठ में से सात की डीपीआर बनने का काम शुरू हो चुका है, वहीं एक प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे की डीपीआर पर भी जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। इन एक्सप्रेस-वे के बनाने की लागत 1 लाख करोड़ से ज्यादा आंकी गई है। ऐसा दावा भी किया जा रहा है कि सभी जिला मुख्यालय इन एक्सप्रेस-वे के निर्माण के बाद एक घंटे की दूरी पर ही रहेंगे।

पुराने प्रस्तावों का तो जवाब ही नहीं आया

केन्द्रीय सड़क-परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने 4 हजार 772 किलोमीटर की 50 सड़कों को नेशनल हाईवे घोषित करने की सैद्धांतिक सहमति दे दी थी। इसके बाद से राज्य और केन्द्र सरकार के बीच 50 सड़कों को नेशनल हाईवे घोषित करने के लिए कई बार पत्राचार हो चुका है। वर्तमान सरकार में भी पत्र लिखा गया था, लेकिन केन्द्र ने इन पर कोई एक्शन ही नहीं लिया।

केन्द्र अपने स्तर पर ही तय कर रहा एक्सप्रेस-वे और उनके रूट

केन्द्र सरकार लम्बे समय से नेशनल हाईवे के रूट अपने हिसाब से ही तय कर रहा है। राजस्थान से निकल रहे दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे की बात हो या फिर अमृतसर-जामनगर एक्सप्रेस-वे का मामला। यह सब केन्द्र ने अपने स्तर पर ही तय किए हैं।

बजट में घोषित किए गए प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे की डीपीआर बनाने का काम चल रहा है। ये एक्सप्रेस-वे कौन बनाएगा, यह निर्णय तो राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के स्तर पर ही होना है। हमें अभी तक जो आदेश मिले हैं, उसी हिसाब से काम कर रहे हैं।

मरीजों के फोटो और फिंगर प्रिंट की अनिवार्यता पर भड़के टीकाराम जूली

अलवर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आरजीएचएस के अंतर्गत मरीजों के लाइव फोटो और फिंगर प्रिंट की अनिवार्यता की नई व्यवस्था का आदेश तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि खामियों से भरा यह आदेश अव्यवहारिक ही नहीं बल्कि अमानवीय भी है। इस नये आदेश से प्रदेश के बुजुर्ग, पेंशनर और असाध्य रोगी परेशान हो रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार का प्रदेश की जनता के दुःख-दर्द से कोई सरोकार नहीं है। जूली ने कहा कि आरजीएचएस से जुड़े अस्पतालों में एक दिसंबर से लागू इस नयी व्यवस्था से बुजुर्ग मरीजों की परेशानियां बढ़ी हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि बहुत अफसोस की बात है कि राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर दोनों को ग्राउंड रियल्टी की रत्ती भर भी जानकारी नहीं है। इसलिए राज्य सरकार ने इतना असंगत निर्णय लेकर प्रदेश की जनता की तकलीफ बढ़ाने का काम किया है। इससे ओपीडी से लेकर इनडोर तक सभी जगह मरीजों की परेशानी में इजाफा हुआ है। चार दिन में ही ऐसे मामले सामने आ रहे हैं कि लाइव फोटो का इंप्रेशन पर्ची पर साफ नहीं आ रहा है और इससे मरीजों को पुनः लाइन में लगना पड़ रहा है। इसके अलावा इस नयी व्यवस्था की कोई आवश्यकता नहीं है, लेकिन सरकार ने बिना विचार किये यह व्यवस्था लागू की है।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि राज्य की भाजपा सरकार पिछले एक साल से ऐसे मनमाने फैसले ले रही है। जिनसे आम जनता की परेशानियां निरंतर बढ़ती जा रही हैं। अब आरजीएचएस के अंतर्गत राज्य सरकार ने इलाज के लिए रोगी के फोटो और फिंगर प्रिंट की अनिवार्यता लागू की है।

कोचिंग सेंटर में गैस लीक पर गरमाई सियासत

पायलट-बेनीवाल ने सरकार से कर डाली ये मांग

जयपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर की उत्कर्ष कोचिंग सेंटर में रविवार शाम गैस लीक होने से 10 स्टूडेंट्स की बेहोशी के बाद राजस्थान में सियासत गरमा गई है। एक तरफ पूर्व छात्र नेता निर्मल चौधरी अपने समर्थकों के साथ रातभर से धरने पर बैठे हुए है। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियों ने भजनलाल सरकार से सभी कोचिंग संस्थानों के लिए सुरक्षा नियम जारी करने और उनकी सख़्ती से पालना करवाने की मांग की है। विपक्षी नेताओं ने कहा कि कोचिंग संचालकों द्वारा सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी करना राजस्थान सरकार के सिस्टम पर भी बड़ा सवालिया निशान है।

उत्कर्ष कोचिंग सेंटर की घटना के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक घटना है और इसकी जांच होनी चाहिए। दूरदराज इलाकों से स्टूडेंट्स पढ़ने शहर आते है और सुरक्षा नियमों की पालना नहीं होने के कारण यदि कोई अनहोनी हो जाए तो उसका जिम्मेदार कौन है?

टोंक विधायक सचिन पायलट ने एक्स पर लिखा कि जयपुर के एक कोचिंग इंस्टिट्यूट में गैस रिसाव के कारण कई स्टूडेंट्स तबियत बिगड़ने के कारण बेहोश हो गए। यह बेहद चिंताजनक घटना है और इसकी जांच होनी चाहिए। दूरदराज इलाकों से स्टूडेंट्स पढ़ने शहर आते है और सुरक्षा नियमों की पालना नहीं होने के कारण यदि कोई अनहोनी हो जाए तो उसका ज़िम्मेदार कौन है?

राज्य सरकार से मेरी मांग है कि इस हादसे की गहनता से जाँच हो एवं लापरवाही बरतने वाले लोगों पर सख्त कार्यवाही हो। इसके साथ ही सरकार समस्त कोचिंग संस्थानों के लिए सुरक्षा नियम जारी कर उनकी सख़्ती से पालना करवाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि जयपुर की उत्कर्ष कोचिंग सेंटर में गैस लीकेज की वजह से कई छात्रों के बेहोश हो जाने का मामला यह स्पष्ट कर रहा है कि देश के कई कोचिंग संस्थानों में हुए हादसों के बाद भी शासन-प्रशासन सबक नहीं ले रहा है, यह मामला कोचिंग संचालकों द्वारा सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी और लापरवाही को भी उजागर करता है।

पोस्टर में पायलट का फोटो नहीं होने पर विवाद

बैठक में सचिन समर्थक नाराज हुए, डोटासरा बोले-भाजपा का काम मत कीजिए

जयपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में बैनर पर राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट का फोटो नहीं होने के मुद्दे पर सोमवार को विवाद हो गया। पायलट समर्थक पदाधिकारियों ने बैठक के दौरान सचिन की फोटो नहीं लगाने पर आपत्ति जताई।

प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रोटोकॉल का हवाला दिया, लेकिन पायलट समर्थक पदाधिकारी इससे सहमति नहीं हुए और कई तल्ख कमेंट किए। इस पर डोटासरा ने यह तक कह दिया- आप भाजपा का काम मत कीजिए, सब नेता एक है। साथ ही कहा- हम पायलट साहब के विरोधी नहीं है।

सोमवार को कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक थी। इस बैठक में संगठन के काम और भाजपा सरकार को घेरने के लिए आगे किए जाने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा हो रही थी। बैठक में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता-पार्टी पदाधिकारी मौजूद थे।

बैठक के दौरान पहले प्रदेश सचिव भरत मेघवाल और इसके बाद विभा माथुर ने पोस्टर में सचिन पायलट की फोटो नहीं लगाने पर नाराजगी जताई। दोनों नेताओं ने कहा कि बैठक के बैनर पर सचिन पायलट का फोटो नहीं है, इससे क्या संदेश देना चाहते हैं। हम एक तरफ पार्टी को मजबूत करने की बात करते हैं और दूसरी तरफ फोटो तक नहीं लगाते। बैठक में जब पायलट समर्थक नेताओं ने बैनर पर उनका फोटो नहीं होने पर सवाल उठाए तो प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रोटोकॉल का हवाला दिया। वे बोले-प्रदेश पदाधिकारियों के बैनर पर किसके फोटो होंगे, ये एआईसीसी से पैटर्न तय है। इसमें प्रोटोकॉल तय है। इस पर पायलट समर्थक नेता विभा माथुर ने कहा कि जब मौजूदा पदाधिकारियों की फोटो का प्रोटोकॉल तय है तो पूर्व सीएम अशोक गहलोत की फोटो भी तो लगी है। उनकी फोटो किस प्रोटोकॉल के तहत लगी है।

डोटासरा बोले- हम पायलट साहब के विरोधी नहीं

पायलट समर्थक नेताओं के सवाल उठाने के बाद प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस के सभी नेता एक है। हम सचिन पायलट के विरोधी नहीं है। वे राष्ट्रीय महासचिव हैं और प्रदेश कांग्रेस को निर्देश देने वाले पद पर हैं, हम उनके विरोधी नहीं है। सब एकजुट हैं। आप इस तरह की बातें करके बीजेपी का काम आसान मत कीजिए। बीजेपी तो चाहती ही यही है कि कांग्रेस में अनबन की बातें ही बाहर आए, जबकि सभी नेता एकजुट हैं। इस तरह की बातें करना ठीक नहीं है।

वहीं बैठक के बाद डोटासरा से सचिन पायलट का फोटो नहीं होने पर हुए विवाद पर पूछा तो उन्होंने कहा- किसी पदाधिकारी या कार्यकर्ता के मन में कोई बात आ गई, वो बात उन्होंने कह दी। इसमें कोई बुराई नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक के बैनर पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बड़े साइज में फोटो लगाए गए थे। इसके बाद सोनिया गांधी, केसी वेणुगोपाल, प्रियंका गांधी, प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व सीएम अशोक गहलोत और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के फोटो लगाए गए थे। राजस्थान से तीन नेताओं के फोटो लगाए गए थे।

रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच हिंसक झगड़ा

पथराव और फायरिंग में 25 लोग घायल

भरतपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। भरतपुर के डीग जिले के खोह थाना क्षेत्र के चोर गढ़ी गांव में रंजिश के चलते दो पक्षों में भयंकर झगड़ा हो गया। विवाद ने इतना हिंसक रूप ले लिया कि दोनों तरफ से जमकर पथराव और फायरिंग की गई। इस घटना में करीब 25 लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना का वीडियो सामने आया है, जिसमें एक पक्ष के लोग छत से पथराव करते दिख रहे हैं, जबकि दूसरा पक्ष सड़क से फायरिंग और पथराव कर रहा है। इस विवाद ने गांव में दहशत फैला दी है।

मौके पर खोह थाना अधिकारी विशंभर सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे और स्थिति को काबू में किया।

घटना की शुरुआत चतरू पक्ष के मोहम्मद नासिर पर कथित रूप से डंडे से हमले के बाद हुई। नासिर ने आरोप लगाया कि गांव के आसिफ ने उन पर दूध लाते समय हमला किया। इसके बाद आसिफ पक्ष के करीब 100 लोग हथियारों के साथ आए और उनके घर पर पथराव और फायरिंग शुरू कर दी। चतरू पक्ष के 15 लोगों को छर्रे लगने की बात सामने आई है। झगड़े के दौरान राहगीर रिशाल, जो शादी का कार्ड लेने जा रहे थे, वो भी गोलीबारी की चपेट में आ गए।

रिशाल ने बताया कि उनके पैर और कमर के नीचे 11 छर्रे लगे हैं। घटना में घायल हुए सभी लोगों को डीग अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस गांव में तैनात है और मामले की जांच कर रही है। दोनों पक्षों में पहले से चली आ रही रंजिश को इस झगड़े की मुख्य वजह बताया जा रहा है। पुलिस ने स्थिति पर नियंत्रण पा लिया है, लेकिन गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। थाना अधिकारी विशंभर सिंह ने कहा कि स्थिति अब नियंत्रण में है। दोनों पक्षों से बयान लिए जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगों का कारनामा : कोटा की व्यापारिक फर्म के 50 लाख ठगे

फिर पटना से खरीद ली 40 लाख की ज्वैलरी

कोटा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। साइबर ठग नए-नए पैंतरों से ठगी कर रहे हैं। कोटा के एक नामी व्यापारी से मोबाइल सिम चालू करने को लेकर 50 लाख की ठगी की और इस रकम से ठगों ने पटना में 40 लाख की ज्वैलरी खरीद ली। ठगी की रकम जिस खाते में डलवाई थी, उससे ज्वैलर्स को भुगतान करने वाले थे, लेकिन कोटा के व्यापारी की रिपोर्ट पर साइबर पुलिस ने पेमेंट होल्ड करवा दिया। उधर, पटना में ज्वैलर्स ने भी इस संबंध में पुलिस को रिपोर्ट दी है। साइबर ठगी का यह मामला गत जून का है। पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

ऐसे की ठगी

व्यापारी शैलेन्द्र गुप्ता ने बताया कि साइबर ठगों ने उसकी मेल आईडी को हैक किया और फर्म के नाम से नई सिम जारी करवा ली।

फिर मेरी मेल आईडी से फर्म को मेल कर सिम प्राप्त करने के लिए कंपनी के कर्मचारी से ओटीपी मांग लिए। इसके बाद से ही उनके खाते से पैसा ट्रांसफर होना शुरू हो गया। जिसकी जानकारी मिलने के बाद साइबर थाने में शिकायत दी।

जिससे ज्वैलरी खरीदी, उसने भी दी रिपोर्ट

साइबर ठगों ने ठगी की गई 50 लाख रुपए की राशि से बिहार के पटना में एक ज्वैलरी शोरूम से 40 लाख रुपए का सोना खरीदा और जिस खाते में ठगी का पैसा आया, उससे शोरूम मालिक को पेमेंट कर निकल गए। कोटा साइबर पुलिस को ठगी की शिकायत मिलने के बाद ठगी के रुपयों को होल्ड करवा दिया गया। ऐसे में ज्वैलरी मालिक का पैमेंट भी होल्ड हो गया। इस पर ज्वैलर्स ने भी पटना थाने में शिकायत दी है।

जल्द होंगे आरोपी गिरफ्तार

फरियादी की रिपोर्ट पर ठगी गई राशि को होल्ड करवा दिया था। दस रुपए खाते में आ गए हैं। शेष 40 लाख रुपए बैंक ने कोर्ट के आदेश के बाद भी रोक रखे हैं, वे भी जल्द मिल जाएंगे। ठगों ने पटना में 40 लाख की ज्वैलरी खरीद ली। ठगों की पहचान कर ली गई है। जल्द ही ठग पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

मेल आईडी व बैंक से जुड़े मोबाइल नंबर को किया हैक

व्यापारी शैलेन्द्र गुप्ता ने बताया कि उनकी फर्म का अकाउंट एचडीएफसी बैंक में है। इस बैंक खाते से जो मोबाइल नंबर जुड़ा हुआ है। वह मैनेजर अनिल गुप्ता के पास है। 11 जून 2024 को बड़ा भुगतान करने के लिए कंपनी के कर्मचारी हरीश पालीवाल ने बैंक खाते को चैक किया तो 50 लाख रुपए संदिग्ध ट्रांसफर होना पाया, जो कंपनी द्वारा नहीं किए गए। बैंक जाकर संदिग्ध ट्रांजेक्शन की जानकारी ली तो बैंक ने बताया कि रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर के माध्यम से ही ट्रांसफर किया गया। ठगों के द्वारा पहले 10 लाख, फिर 10-10 लाख के दो ट्रांजेक्शन किए। लास्ट ट्रांजेक्शन 20 लाख रुपए का किया गया। ठगों ने कुल 50 लाख रुपए की ठगी की।

गाय को बचाने के चक्कर में खाई में गिरकर चकनाचूर हुई कार

झालावाड़, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के झालवाड़ जिले से दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जिसमें कार खाई में गिरकर चकनाचूर हो गई। हादसे में पालिकाध्यक्ष के बेटे की मौत की खबर सामने आई है साथ ही 3 लोग घायल हो गए। हादसा झालावाड़ में राष्ट्रीय राजमार्ग-52 पर कलमंडी खुर्द के पास सोमवार तड़के 5 बजे का बताया जा रहा है। जिसमें गाय को बचाने के चक्कर में कार पलट गई और खाई में जाकर गिर गई। जयपुर से अकलेरा लौट रहे पालिकाध्यक्ष के बेटे की मृत्यु हो गई और 3 अन्य जने घायल हो गए। जिनमें से 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें उपचार के लिए कोटा रेफर कर दिया है और एक जने को जिले के एसआरजी चिकित्सालय में भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया है। चिकित्सालय में भर्ती घायल पीयूष ने बताया कि 'जयपुर उच्च न्यायालय में 12 दिसंबर को कमलेश को किसी मामले में पेश होना था।

डॉक्टर ने नोटिस दिया तो बंदूक लेकर हॉस्पिटल पहुंचे नर्सिंगकर्मी

कमरा बंद कर के धमकाया

बांसवाड़ा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बांसवाड़ा के लोहारिया क्षेत्र के पालोदा स्थित सरकारी अस्पताल में डॉक्टर और नर्सिंग कर्मचारियों के बीच का विवाद सामने आया है। मामला इतना बढ़ गया की आपसी झगड़े के बाद नर्सिंग कर्मचारी बंदूक लेकर चिकित्सालय परिसर में पहुंच गया। गनीमत रही की डॉ. उस समय मौके पर नहीं मिला, जिससे कोई अनहोनी नहीं हुई। डॉ. की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

इधर, गंभीर मामले को देखते हुए कलक्टर और एसपी ने भी जांच व कार्रवाई के आदेश दिए हैं। पुलिस के अनुसार लोहारिया थाने में 36 वर्षीय अमरदीप नगर निवासी डॉ. हिमांशु पुत्र राधेश्याम यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट में बताया कि वह 12 दिसंबर को ड्यूटी पर थे। इसी दौरान नर्सिंग कर्मचारी गुलाब कटारा और अभिषेक नितिन आए और अस्पताल परिसर में स्थिति धर्मशाला में कमरा आवंटन करने की एप्लीकेशन दी। इसे स्वीकार कर लिया और कमरा दिखाने के लिए ले गए। इस दौरान कमरे में पहुंचते ही डॉ. को दोनों नर्सिंग कर्मचारियों ने बंद कर लिया। इसके बाद विभागीय कार्य व दिशा-निर्देश दिए जाने को लेकर कहा कि लंबे समय से देख रहे हैं। इस पर घबराए डॉ. ने कमरे का दरवाजा खोलने को कहा, जिस पर दोनों ने धमकाया। इसी दौरान एक अन्य डॉक्टर कुलदीप अस्पताल में आए। उन्होंने देखा कि कमरा अंदर से बंद कर रखा और अंदर से आवाज आ रही है। इस पर उन्होंने अस्पताल के अन्य कर्मचारियों को भी मौके पर बुला गया। इसके बाद कमरा खुलवाकर डॉक्टर को कमरे से छुड़वाया। आरोप है कि इस वारदात के समय दोनों कर्मचारी शराब के नशे में थे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पीड़ित डॉक्टर की पत्नी भी डॉक्टर है और दोनों पालोदा में ही किराए का मकान लेकर रहते हैं।

आए दिन मारपीट करता था, साजिश रचकर प्रेमी जीजा से करवा दी पति की हत्या

बारां, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। नगर के समीप सांगोद रोड पर शुक्रवार को बारां निवासी धर्मराज बैरवा का शव नहर की ड्रेन में मिला था। जानकारी के अनुसार शव पर चोट के निशान थे। परिजन ने हत्या की आशंका भी जताई थी। और यह आशंका सच साबित हुई। पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर का खुलासा 36 घंटे के भीतर कर रविवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया की युवक की हत्या पत्नी ने प्रेमी जीजा के साथ मिलकर की थी। पुलिस ने घटना के 36 घंटे बाद ही घटना का खुलासा करते हुए दोनों आरोपी जीजा सहित पत्नी सत्यनारायण पुत्र चतुर्भुज 47 निवासी सीमलिया, गुड्डी बाई पत्नी धर्मराज 35 निवासी बारां को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने बताया कि शव पर मिले चोट के निशान पर आशंका हुई तो मृतक की पत्नी से बारां जाकर पूछताछ की गई। मृतक की पत्नी से जानकारी लेने पर पता लगा कि वह कुछ छुपा रही है। मृतक की 12 वर्षीय बालिका से पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके पापा के पास किसी का फोन आया था और उन्हें उनको चारमूर्ति चौराहे पर बुलाया था। जिला विशेष टीम आसपास के एरिया पर लगातार नजर रख 10-12 घण्टे के सीसीटीवी फुटेज चैक किए तो फुटेज में मृतक एक व्यक्ति के साथ मोटरसाइकिल पर जाता नजर आया। बाइव वाले की पहचान सीमलिया निवासी सत्यनारायण के रूप में हुई। यह मृतक का रिश्ते में साढ़ू लगता था। टीम ने तकनीकी विश्लेषण कर तुरन्त सत्यनारायण बैरवा को राउण्डअप किया। जब उससे कडाई से पूछताछ की तो उसने धर्मराज की हत्या करना कबूल किया।

मृतक की पत्नी गुड्डी बाई रिश्ते में आरोपी सत्यनारायण की साली लगती है। गुड्डी बाई का शादी पहले से ही आरोपी सत्यनारायण से प्रेम प्रंसग चल रहा था। मृतक धर्मराज गुड्डीबाई से आए दिन शराब पीकर लडाई झगडा व मारपीट करता था। गुड्डीबाई ने यह बात अपने प्रेमी सत्यनारायण को बता रखी थी। सत्यनारायण इस बात से दुखी व परेशान था। तंग आकर गुड्डीबाई ने पति को मारने के लिए सत्यनारायण के साथ मिलकर साजिश रची।

दोस्तों ने की मारपीट, 9वीं क्लास के स्टूडेंट ने किया सुसाइड

जयपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर में 9वीं क्लास के स्टूडेंट के सुसाइड करने का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि दोस्तों से उसका झगड़ा हो गया था। इसके बाद वह घर पर आया और चुन्नी का फंदा लगाकर जान दे दी। घटना शहर के शिवदासपुरा थाने के कृष्ण विहार कॉलोनी बिलवा में 11 दिसंबर की है। पिता अनिल की ओर से बेटे सौरभ (15) के तीन दोस्तों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला 15 दिसंबर रविवार को दर्ज करवाया गया है।

बताया जा रहा है कि पैसों के लेन-देन को लेकर दोस्तों ने सौरभ की पिटाई कर दी थी।इसके बाद वह घर आया और फंदा लगा लिया। पुलिस के अनुसार सौरभ अपने माता-पिता और बहन-भाई के साथ यहां रहता था। शिवदासपुरा स्थित सरकारी स्कूल से सौरभ 9वीं क्लास की पढ़ाई कर रहा था। 11 दिसम्बर को वह स्कूल में चल रहे एग्जाम देने गया था। आरोप है कि दोपहर करीब 1 बजे पेपर देकर स्कूल से वापस घर लौट रहा था। रास्ते में उसके दोस्तों ने उसको रोक लिया। उधार दिलाए रुपयों को दिलवाने की कहकर उसके साथ मारपीट की। पिता ने बताया कि जब दोस्तों ने उसे रास्ते में पीटा तो उन्हीं में से किसी का फोन लेकर अपनी मम्मी को कॉल किया और बताया कि मुझे रास्ते में रोक कर रुपए मांग रहे है। इसके बाद सौरभ की मम्मी ने बेटे के दोस्त एक दोस्त को कहा कि वे शाम को आकर रुपए दे देगी। तू जाकर मेरे लड़के को छुड़वाकर ले आ। स्कूल से लौटने के दौरान सौरभ के मम्मी-पापा फैक्ट्री में अपनी जॉब पर गए थे। उसकी बड़ी बहन और छोटा भाई पास ही नाना के घर पर थे। घर में किसी की मौजूदगी नहीं होने के चलते सौरभ ने चुन्नी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। दोपहर करीब 3 बजे छोटा भाई के लौटने पर सौरभ घर के अंदर फंदे से लटका मिला। हंगामा मचने पर पड़ोसी इकट्ठा हो गए। बताया जा रहा है कि सौरभ ने अपने इन तीन दोस्तों में से एक दोस्त से किसी दूसरे दोस्त को उधार रुपए दिलवाए थे।

प्रदर्शनी से भारतीय संस्कृति के कई पहलुओं को जानने का मौका : राज्यपाल

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पर फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने केंद्रीय संचार ब्यूरो, हैदराबाद द्वारा अपने एकीकृत संचार एवं आउटरीच कार्यक्रम (आईसीओपी) के तहत आयोजित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पर तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम आज यहां सालार जंग संग्रहालय में हुआ। सभा को संबोधित करते हुए जिष्णु देव वर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सांस्कृतिक संगम का विचार, जो एक राज्य को दूसरे के साथ जोड़ता है, सबसे पहले प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल के सम्मान में देखा था। सरदार पटेल ने सभी रियासतों को एकजुट करने और भारत में राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने राज्यों की इस जोड़ी को एक शानदार विचार बताया और कहा कि इस प्रदर्शनी ने उपस्थित लोगों को भारतीय संस्कृति के कई पहलुओं को जानने का मौका दिया, जो पहले उनके लिए अज्ञात थे। राज्यपाल ने कहा कि भारत धर्म की अवधारणा का जश्न मनाता है, जिसमें सही सोच, सही कर्म और सही कर्म शामिल हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर संस्कृति धर्म के इस सिद्धांत को दर्शाती है।

उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक त्यौहार अक्सर इस एकता को मूर्त रूप देते हैं, हालांकि हर राज्य को जोड़ना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उदाहरण के लिए, तेलंगाना में मनाया जाने वाला बतुकम्मा त्यौहार, हरियाणा में भी इसी तरह गूंज सकता है, भले ही अभिव्यक्तियां अलग-अलग हों, लेकिन साझा विचार प्रक्रियाओं को दर्शाता है। नई दिल्ली में राष्ट्रीय संग्रहालय के अतिरिक्त महानिदेशक और सालार जंग संग्रहालय के निदेशक आशीष गोयल, आईआईएस ने कहा, आज की प्रदर्शनी का उद्देश्य हरियाणा की संस्कृति को तेलंगाना के लोगों के करीब लाना है। सालार जंग संग्रहालय देश के सभी संग्रहालयों में सबसे अधिक आगंतुकों को आकर्षित करता है। पीआईबी और सीबीसी की अतिरिक्त महानिदेशक श्रुति पाटिल प्रदर्शनी में राज्यपाल के साथ थीं। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का अंग केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी) हैदराबाद के सालार जंग संग्रहालय में तेलंगाना और हरियाणा के युग्मित राज्यों की विशेषता वाली 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पर तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी आयोजित कर रहा है। प्रदर्शनी में लगभग 50 पैनल शामिल हैं जो दोनों राज्यों के कला रूपों, व्यंजनों, त्योहारों, स्मारकों और पर्यटन स्थलों की तुलना करते हैं। इस कार्यक्रम में कला, कविता और रंगमंच के विशेषज्ञों द्वारा वार्ता भी शामिल होगी। पद्मश्री मोहम्मद अली बेग और साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता गोरेटी वेंकन्ना जैसे उल्लेखनीय वक्ता 17 दिसंबर, 2024 को एक सत्र के दौरान छात्रों को संबोधित करेंगे। यह प्रदर्शनी 16 से 18 दिसंबर तक सालार जंग संग्रहालय में जनता के लिए खुली है।

आईएसएसीए हैदराबाद चैप्टर ने नए बोर्ड का चुनाव किया

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा नियंत्रण संघ (आईएसएसीए) हैदराबाद चैप्टर ने आज अपनी वार्षिक आम बैठक आयोजित की और एक नए बोर्ड का चुनाव किया। जीसीएस सरमा अध्यक्ष बने रहेंगे, वामसी कृष्णा जी वी उपाध्यक्ष, वेंकटराम सी कोषाध्यक्ष, राज पवार सचिव, रजनीश दासारी सदस्यता निदेशक, सतीश बोट्टा कार्यक्रम निदेशक, पवन कुमार मारेला सरकारी संबंध निदेशक, अर्ध वर लक्ष्मी शी लीड्स टेक निदेशक और डॉ. सौजन्य पोन्नालुरु अकादमिक निदेशक बनाए गए। सूचना प्रणाली लेखा परीक्षा नियंत्रण संघ (आईएसएसीए) हैदराबाद चैप्टर एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसके 1,200 से अधिक सदस्य हैं। यह मूल्य को अधिकतम करने, प्रौद्योगिकी जोखिमों के प्रबंधन में आईटी और व्यापार जगत के नेताओं का समर्थन करता है। वैश्विक आईएसएसीए निकाय से संबद्ध, यह सुरक्षा, जोखिम और शासन में पेशेवरों की वकालत करता है।

भद्राचलम में श्री वैकुंठ एकादसी महोत्सव में भाग लेने के लिए मंत्री कोंडा सुरेखा को आमंत्रित किया

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भद्राचलम श्री सीतामंद्रस्वामी देवस्थानम भद्राचलम मंदिर के अधिकारियों द्वारा 31 दिसंबर से 20 जनवरी 2025 तक आयोजित होने वाले श्री वैकुंठ एकादसी महोत्सव में भाग लेने के लिए वन, पर्यावरण व धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा को आमंत्रित किया।

इस हद तक, मंदिर ईओ रमादेवी और पुजारी मंत्री कोंडा सुरेखा को हैदराबाद के बंजारा हिल्स में मंत्री क्वार्टर में आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर पुजारियों ने मंत्री सुरेखा को तीर्थप्रसाद दिया। श्री वैकुंठ एकादशी महोत्सव के पोस्टर का अनावरण मंत्री सुरेखा ने मुख्य सचिव शैलजा राम अय्यर, आयुक्त श्रीधर और अतिरिक्त आयुक्त ज्योति के साथ किया। ईओ ने मंत्री सुरेखा ने बताया कि 31 दिसंबर से स्वामी के लिए दशावतार सजावटी सेवाएं, 9 जनवरी को थेप्पोत्सवम और 10 जनवरी को उत्तर द्वार दर्शन का आयोजन किया जा रहा है। मंत्री ने ईओ को सुझाव दिया कि भक्तों के लिए सुविधाओं की कोई कमी नहीं होनी चाहिए क्योंकि इन त्योहारों की पृष्ठभूमि में भद्राचल में बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। मंत्री सुरेखा ने भद्राचल मंदिर के विकास के कार्यक्रमों की प्रगति जानी।

रोड़ पर विवाद, सड़क से नाले में गिरा युवक, मौत

निजामाबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद कस्बे के गोशालागंज में रविवार रात को रोड़ रेज की घटना में 22 वर्षीय कुली की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कस्बे के मिर्ची कंपाउंड इलाके के चंद्रकांत के रूप में हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, चंद्रकांत अपना काम खत्म करने के बाद रात में घर जा रहे थे और जैसे ही वह गोशालागंज पहुंचे, पीछे से आ रहे बाइक सवार दो लोगों ने उनके वाहन को साइड न देने पर उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

कुछ ही मिनटों में झगड़ा शुरू हो गया और दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को धक्का दे दिया और इस हाथापाई में चंद्रकांत ने कथित तौर पर नियंत्रण खो दिया और सड़क के पास से गुजर रहे एक नाले में गिर गया। चंद्रकांत को खून से लथपथ देखकर बाकी दो लोग मौके से भाग निकले। राहगीरों ने उसे पास के सरकारी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

किसानों ने की फसल ऋण माफी की मांग

जगतियाल, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिन किसानों को वादे के अनुसार फसल ऋण माफी का लाभ नहीं मिला, वे बड़ी संख्या में जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और सोमवार को प्रजावाणी कार्यक्रम में अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

मेडिपल्ली मंडल के थोम्बारावपेट और इब्राहिमपटनम मंडल के वर्षाकोंडा के रैयत कलेक्ट्रेट आए और अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे उनके फसल ऋण माफ करने के लिए पहल करें।

इस अवसर पर किसानों ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सभी फसल ऋण माफ करने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद उसने फसल ऋण माफी योजना से इनकार करके किसानों को धोखा दिया।

हैदराबाद में रियल एस्टेट सेक्टर ध्वस्त नहीं हुआ है : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा है कि विपक्षी दलों के दावों के विपरीत हैदराबाद में रियल एस्टेट बाजार ध्वस्त नहीं हुआ है। सोमवार को विधानसभा लॉबी में मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि निवेशक हैदराबाद और बैंगलोर दोनों में सक्रिय रूप से आना पसंद कर रहे हैं। मंत्री ने उल्लेख किया कि हाइड्रा स्थिति के बारे में शुरूआती गलत सूचना ने लोगों में चिंता पैदा की, हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अब लोगों में यह समझ बढ़ रही है कि विपक्ष के आरोप निराधार हैं। पोंगुलेटी ने पूर्व मंत्री केटी रामाराव और बीआरएस नेताओं से तेलंगाना राज्य के ऋणों के बारे में सटीक जानकारी हासिल करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य का वर्तमान ऋण 7.20 लाख करोड़ रुपये है और उन्होंने कॉर्पोरेट ऋणों सहित व्यापक वित्तीय विवरणों का खुलासा करने के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, केटीआर को यह समझना चाहिए कि निगम के तहत सुरक्षित ऋण भी सरकार की वित्तीय जिम्मेदारियों के अंतर्गत आते हैं। पोंगुलेटी ने कहा कि अगर विपक्ष के नेता के चंद्रशेखर राव विधानसभा में आते हैं तो वह व्यक्तिगत रूप से बैठकर उनसे बात करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार के एक साल के शासन के खिलाफ लोगों में कोई विरोध नहीं है। वाईएसआर शासन के दौरान भी इसी तरह का प्रचार किया गया था।

महिला की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने जीडीमेटला के चिंतल बस स्टॉप के पास फुटपाथ पर रहने वाले मजदूर गजाला नरेश (31 वर्ष) को कुतुबुल्लापुर सिग्नल के पास फुटपाथ पर रहने वाली 45 वर्षीय महिला पद्मा की नृशंस हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है।

घटना 10 दिसंबर, 2024 की रात को हुई थी। कर्नाटक राज्य के गजुला कोटरिका गांव के मूल निवासी नरेश आजीविका के लिए अपने परिवार के साथ हैदराबाद आ गया। अपनी मां के निधन और अपने भाई के अपने गृहनगर लौटने के बाद, नरेश ने चिंथल और जीडीमेटला के फुटपाथों पर अकेले रहना शुरू कर दिया और दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम किया। समय के साथ, वह शराब, भांग का आदी हो गया। अपनी आदतों को बनाए रखने के लिए, उसने छोटी-मोटी चोरियां कीं और सड़कों पर रहना जारी रखा। मृत महिला पद्मा, एक बेघर महिला, कुतुबुल्लापुर सिग्नल के पास फुटपाथ पर महीनों से रह रही थी और भीख मांग रही थी। एसएचओ जीडीमेटला के अनुसार घटना से कुछ दिन पहले, नरेश ने पद्मा से बातचीत की इच्छा व्यक्त की, लेकिन उसने मना कर दिया। इस अस्वीकृति के कारण वह उसके खिलाफ रंजिश रखने लगा और उसे नुकसान पहुंचाने की योजना बनाने लगा।

बीती 10 दिसंबर की रात को, लगभग 11:00 बजे, नरेश पद्मा के पास गया, जो एचएमटी गेट के पास फुटपाथ पर सो रही थी और फिर से बातचीत की कोशिश की। जब उसने मना कर दिया और तो वह क्रोधित हो गया। रात लगभग 12:30 से 1:00 बजे, नरेश ने सड़कों को सुनसान पाया, उसने पद्मा के चेहरे को कंबल से ढक दिया और उसके सिर पर सीमेंट की ईंट से वार किया, जिससे उसकी तुरंत मौत हो गई। बाद में, नरेश ने पार्किंग ग्राउंड के पास अपने खून से सने कपड़े बदले और उन्हें एक बैग में रख लिया। इसके बाद फरार हो गया। जीडीमेटला पुलिस ने मामले की जांच करने के लिए तेजी से कार्रवाई की और नरेश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान अपराध में उसकी संलिप्तता की पुष्टि हुई।

डीसीपी बालानगर के. सुरेश कुमार ने बालानगर एसीपी हनुमंत राव, जीडीमेटला पुलिस एसएचओ गड्डाम मल्लेश, सब-इंस्पेक्टर आर. प्रेम सागर और उनकी टीम के नेतृत्व में किए गए त्वरित और कुशल कार्य की सराहना की।

एसबीआई द्वारा मेगा प्रापर्टी एक्सपो

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसबीआई प्रधान कार्यालय के मुख्य महा प्रबंधक राजेश कुमार ने कहा कि देश के असंख्य ग्राहकों को बैंकिंग सेवा प्रदान करने में स्टेट बैंक आफ इण्डिया की भूमिका अग्रणी रही है। इस संदर्भ में हैदराबाद के स्थानीय मुख्यालय में आयोजित प्रेस मीट में राजेश कुमार ने बैंक के विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि हमारे असंख्य ग्राहकों को होम लोन प्रदान किया जा रहा है, एसबीआई होम लोन क्षेत्र में मार्केट लीडर बन चुका है। इसके चलते गृह ऋण से संबंधित मेगा प्रापर्टी एक्सपो का आयोजन ग्रेटर हैदराबाद स्थित हायटेक्स सिटी में 20 दिसंबर से 22 दिसंबर तक हो रहा है। उन्होंने बताया कि एसबीआई बैंक ने होम लोन बिजनेस में 30 नवंबर तक, रिकार्ड रु.7.95 ट्रिल्लियन मार्क की सीमा पार की है। उन्होंने बताया कि, हैदराबाद सर्किल ने वर्तमान वर्ष के दौरान बैंक ने असंख्य ग्राहकों को रु.10,000 करोड़ से अधिक हाउसिंग लोन प्रदान किए हैं। एसबीआई ने समूचे तेलंगाना में होम लोन की तुरंत प्रोसेसिंग एवं मंजूरी के लिए खास 27 होम लोन सेंटर्स स्थापित किए हैं। हैदराबाद सर्किल के पास रु.1,200 करोड रुपये का बिल्डर फाइनान्स पोर्टफोलियो है तथा इसके चलते-बिल्डर टाय-अप्स के तहत अबतक 859 परियोजनाएं अनुमोदित की गयी है। चालू वित्त वर्ष के दौरान पूरे राज्य में 120 बिल्डर टाय-अप्स अनुमोदित किए गये हैं।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि, एसबीआई बैंक के पास होम लोन के अतिरिक्त और भी अनेकानेक प्राडक्ट्स उपलब्ध है जिनमें पर्सनल लोन अगेन्स्ट प्रापर्टी (पी-एलएपी), एचएल टाप-अप, मैक्सगेन-हायब्रिड एवं एनआरआई होम लोन आदि है।

साथ ही सीजीएम ने विभिन्न डिजीटल एनेबलर्स जैसे योनो एप्प के बारे में बताया कि, इस एप्प द्वारा ग्राहकगण बैंक की शाखा में न पहुंचकर, होम लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं। हाउसिंग लोन ग्राहकों के लिए योनो एप्प में इन्स्टा टाप अप लोन- उपलब्ध है, हमारे ग्राहकगण, इस योनो एप्प में बटन क्लिक करके टाप अप लोन पा सकते हैं।

सीजीएम राजेश कुमार ने कहा कि, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी है रही है, एसबीआई के कुशल इस मेगा प्रापर्टी एक्सपो में हैदराबाद सिटी के पचास से अधिक बिल्डर्स भाग लेकर अपने सतत (आनगोइंग) तथा आगामी चल रही(अपगोइंग) परियोजनाओं का प्रदर्शन करेंगे। इस प्रापर्टी शो में जो ग्राहक अपने मकान की बुकिंग करते हैं तो उन्हें तत्संबंधित प्रक्रिया शुल्क तथा ब्याज दरों में

बैंक खाते से 18 लाख रुपये गायब होने से सदमे में सेवानिवृत्त व्यक्ति

जगतियाल, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक 70 वर्षीय सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी को उस समय बड़ा झटका लगा जब उसे पता चला कि उसके बैंक खाते से उसकी जीवन भर की बचत के 18 लाख रुपये गायब हो गए हैं, जो पिछले सात सालों में उसकी पेंशन से बने थे। पता चला है कि उसी इलाके के एक निवासी ने अपने मोबाइल फोन नंबर को सेवानिवृत्त कर्मचारी नक्का लक्ष्मण के खाते से जोड़ दिया था और पिछले सात सालों से वह बिना उसकी जानकारी के उसके खाते से पैसे निकाल रहा था।

जगतियाल कस्बे के गांधीनगर निवासी लक्ष्मण श्रीराम सागर परियोजना में काम करते थे और 2011 में सेवानिवृत्त हो गए थे तथा उन्हें हर महीने 45,000 रुपये पेंशन मिल रही थी। उसी इलाके के निवासी डिकोंडा तिरुपति ने कथित तौर पर अपना मोबाइल फोन नंबर लक्ष्मण के बैंक खाते से जोड़ दिया था तथा मोबाइल डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन भुगतान ऐप की मदद से हर महीने लगभग 24,000 रुपये उसके खाते में ट्रांसफर कर रहा था।

लक्ष्मण (जो अपने मासिक खर्चों के लिए केवल 20,000 रुपये का उपयोग करते थे) ने कभी शेष राशि की जांच नहीं की और सोचा कि शेष राशि खाते में होगी। धोखाधड़ी छह महीने पहले तब सामने आई जब लक्ष्मण के पैर में फ्रैक्चर हो गया और उनकी पत्नी ने उनके इलाज के लिए बैंक से खाते की शेष राशि के बारे में पूछताछ की। उन्हें बताया गया कि खाते में 25,000 रुपये हैं और राशि निकालने के लिए लक्ष्मण को बैंक लाने के लिए कहा गया। अगले दिन, जब वे बैंक पहुंचे, तो शेष राशि घटकर 20,000 रुपये हो गई थी। हैरान होकर, उन्होंने बैंक अधिकारियों से लेन-देन की जांच करने के लिए कहा, और तब उन्हें पता चला कि तिरुपति ने लोकप्रिय डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन भुगतान ऐप के माध्यम से 5,000 रुपये निकाल लिए थे। बैंक अधिकारियों ने उन्हें यह भी बताया कि तिरुपति लंबे समय से लक्ष्मण के खाते से नकदी निकाल रहा था।

तिरुपति द्वारा ठगे जाने की बात पता चलने पर दंपत्ति ने पुलिस से संपर्क किया, जिसने आरोपी को थाने बुलाकर पूछताछ की। तिरुपति ने पैसे लौटाने का वादा किया था, लेकिन अभी तक उसने पैसे नहीं लौटाए हैं। इस बात से परेशान होकर लक्ष्मण और उसकी पत्नी ने अपने रिश्तेदारों की मदद से सोमवार को जिला प्रशासन से संपर्क किया और प्रजावाणी कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाई है।

तेलंगाना कांग्रेस ने अदाणी मुद्दे पर 18 दिसंबर को चलो राजभवन का आह्वान किया

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) ने अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में अदाणी मुद्दे पर चलो राजभवन कार्यक्रम का आह्वान किया है। 18 दिसंबर को सुबह 11 बजे नेकलेस रोड स्थित इंदिरा गांधी प्रतिमा से राजभवन तक विरोध प्रदर्शन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री, एआईसीसी प्रभारी दीपा दास मुंशी, एमएलसी, विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेता विरोध प्रदर्शन में भाग लेंगे। टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि उद्योगपति गौतम अदाणी के खिलाफ अमेरिका में वित्तीय अनियमितताओं ने देश के व्यापार और वित्तीय क्षेत्रों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है। इसके अलावा, उनकी वित्तीय अनियमितताओं, आपराधिक आरोपों, भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, मनी लॉन्ड्रिंग और बाजार में हेरफेर ने भारत की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि इसी तरह, दंगों और तोड़फोड़ की घटनाओं के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अब तक मणिपुर का दौरा न करना भी विरोध प्रदर्शन के दौरान उजागर होगा।

सिरपुर (टी) के जंगलों में बाघ दिखने से हड़कंप

ग्रामीणों में दहशत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर (टी) मंडल के हुडकिली गांव के जंगलों और कृषि क्षेत्रों में सोमवार को एक बाघ देखा गया, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाघ जंगल और खेतों में घूम रहा है, जिससे कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने वन अधिकारियों से अनुरोध किया कि वे जनहानि को रोकने के लिए कदम उठाएं और बाघ की आवाजाही पर नजर रखें। उन्हें इस बात का अफसोस है कि बाघ की आवाजाही के कारण उन्हें कृषि कार्य स्थगित करने पड़ रहे हैं।

वन अधिकारियों ने बताया कि ताडोबा अंधारी टाइगर रिजर्व से एक मादा बाघ सिरपुर (टी) के जंगलों की ओर चली गई होगी। उन्होंने बताया कि पशु ट्रैकर और सीसीटीवी कैमरा ट्रैप लगाकर बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अनुरोध किया कि वे सुबह 10 बजे तक खेतों में न जाएं और शाम 4 बजे तक खेत छोड़ दें, साथ ही समूह में ही घूमें। 29 नवंबर को, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के कागजनगर मंडल के गांव में कपास की फसल की कटाई कर रही मोरले लक्ष्मी (21) को एक बाघ ने मार डाला। ऐसा संदेह है कि इसी बाघ ने 30 नवंबर को सिरपुर (टी) मंडल के डुब्बागुडेम गांव में राउथु सुरेश पर हमला किया था।

किसानों के उत्पीड़न के खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी बीआरएस

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार द्वारा लागचेरला किसानों के प्रति किए जा रहे अत्याचारी, अमानवीय और दमनकारी व्यवहार के खिलाफ बीआरएस मंगलवार को सुबह 11 बजे राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने कांग्रेस सरकार पर अवैध मामले दर्ज करने, थर्ड डिग्री पद्धतियां अपनाने, किसानों को हिरासत में लेने और यहां तक कि उनमें से एक को दिल का दौरा पड़ने पर हथकड़ी लगाने का आरोप लगाया। पार्टी ने मामले तत्काल वापस लेने और हिरासत में लिए गए किसानों को रिहा करने की मांग की। विरोध प्रदर्शन के एक हिस्से के रूप में, सभी निर्वाचन क्षेत्रों में डॉ.बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष याचिकाएं प्रस्तुत की जाएंगी, जिनमें कथित अन्याय को उजागर किया जाएगा तथा कांग्रेस सरकार से जवाबदेही की मांग की जाएगी।

राष्ट्रपति का आगमन आज

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति 17 दिसंबर को शाम 4.30 बजे आरपी निलयम आ रही हैं। यातायात के निर्बाध प्रवाह को सुविधाजनक बनाने के लिए पुलिस का कहना है कि 17 दिसंबर को शाम 4.30 बजे से 6.00 बजे के बीच आरपी निलयम जाने वाले मार्ग पर भीड़भाड़ की आशंका है। आम जनता की सुविधा के लिए यातायात सलाह जारी की गई है।

लगाचेरला किसानों के लिए लड़ेगी बीआरएस : केटीआर

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। लगाचेरला में आदिवासी किसानों पर अत्याचार के लिए कांग्रेस सरकार के खिलाफ हमला बोलते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव ने कहा कि बीआरएस तब तक लड़ेगी जब तक किसानों के खिलाफ दर्ज सभी मामले रद्द नहीं हो जाते और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी किसानों से बिना शर्त माफी नहीं मांग लेते।

उन्होंने कहा कि जब तक विधानसभा जारी रहेगी, बीआरएस लगाचेरला किसानों की ओर से लड़ती रहेगी। सोमवार को विधानसभा मीडिया प्वाइंट पर मीडिया से बात करते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री के कोडंगल निर्वाचन क्षेत्र में किसानों पर हमला किया जा रहा है और उन्हें धमकाया जा रहा है। पिछले 35 दिनों से लगाचेरला के किसान जेल में बंद हैं और उन पर थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। आदिवासी किसान हीर्या नाइक को जब दिल का दौरा पड़ा तो उन्हें हथकड़ी लगाकर अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि अस्पताल में भी उनकी हथकड़ी नहीं खोली गई।

मोप-अप वेब काउंसलिंग की घोषणा

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कालोजी नारायण राव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (केएनआरयूएचएस), तेलंगाना ने सोमवार को संबद्ध कॉलेजों में 2024-25 के लिए बीएससी संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान पाठ्यक्रमों (बीपीटी और बीएससी एमएलटी पाठ्यक्रम सहित) में सक्षम प्राधिकारी कोटा सीटों के लिए वेब-आधारित काउंसलिंग के मोप-अप चरण का आयोजन करने की अधिसूचना जारी की। जिन उम्मीदवारों के नाम केएनआरयूएचएस वेबसाइट पर शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए अंतिम मेरिट सूची में पात्र उम्मीदवारों के रूप में अधिसूचित हैं, वे पात्र हैं और वे बीएससी एलाइड हेल्थ साइंसेज (बीपीटी और बीएससी (एमएलटी) पाठ्यक्रम सहित) में प्रवेश के लिए 16 दिसंबर को दोपहर 2 बजे से 18 दिसंबर को दोपहर 2 बजे तक वेब-साइट के माध्यम से अपने वेब विकल्पों का प्रयोग कर सकते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

दिल्ली-कोलंबो में ...

उन्होंने आगे कहा, बौद्ध सर्किट और श्रीलंका के रामायण ट्रेल के माध्यम से पर्यटन की अपार संभावनाओं को साकार करने के लिए भी काम किया जाएगा। हमने मछुआरों की आजीविका से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हुए कि हमें इस मामले में मानवीय दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना चाहिए। हमने श्रीलंका में निर्माण और सुलह के बारे में भी बात की। राष्ट्रपति दिसानायके ने मुझे अपने समावेशी दृष्टिकोण के बारे में बताया। हमें उम्मीद है कि श्रीलंका सरकार तमिलों की आकांक्षाओं को पूरा करेगी और श्रीलंका के संविधान को पूरी तरह लागू करने तथा प्रांतीय परिषद चुनाव कराने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करेगी। मैंने राष्ट्रपति दिसानायके को आश्वस्त किया है कि श्रीलंका के विकास के प्रयासों में भारत कई तरीकों से एक विश्वसनीय भागीदार बना रहेगा।

नरेंद्र मोदी ने कहा, हम पूरी तरह से सहमत हैं कि हमारे सुरक्षा हित आपस में जुड़े हुए हैं। हमने रक्षा सहयोग समझौते को जल्द ही अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है।

हाइड्रोग्राफी पर भी सहयोग पर सहमति हुई है। हम मानते हैं कि कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और विकास के लिए एक अहम मंच है। इसके तहत समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद का मुकाबला, साइबर सुरक्षा, तस्करी और संगठित अपराध के खिलाफ लड़ाई, मानवीय सहायता और आपदा राहत जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाया जाएगा। भारत और श्रीलंका के लोगों के बीच आपसी संबंध हमारी सभ्यताओं से जुड़े हुए हैं।

'नेहरू के पत्रों ...

पंडित नेहरू के ये निजी पत्र बेहद ऐतिहासिक माने जाते हैं। पहले ये पत्र जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल के पास थे, जिन्हें साल 1971 में नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी को दिए गए। अब इसी नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी को प्रधानमंत्री मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी के रूप में जाना जाता है। जिन पत्रों की मांग की गई है, उनमें पंडित नेहरू और एडविना माउंटबेटन, अल्बर्ट आइंस्टीन, जयप्रकाश नारायण, पद्मजा नायुडू, विजय लक्ष्मी पंडित, अरुणा आसफ अली, बाबू जगजीवन राम और गोविंद वल्लभ पंत आदि महान विभूतियों के बीच हुई बातचीत और पत्राचार शामिल हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

गाबा टेस्ट-बारिश के कारण तीसरे दिन 33 ओवर ही हुए

भारत पहली पारी में 51/4, राहुल-रोहित नाबाद लौटे; ऑस्ट्रेलिया 394 रन से आगे

ब्रिस्बेन, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट का तीसरा दिन बारिश के नाम रहा है। ब्रिस्बेन के द गाबा मैदान पर सोमवार को सुबह से रुक-रुककर बारिश होती रही। ऐसे में 33 ओवर ही डाले जा सके।

स्टम्प्स तक भारत ने पहली पारी में 4 विकेट पर 51 रन बनाए। केएल राहुल 33 रन और कप्तान रोहित शर्मा शून्य पर नाबाद लौटे। टी-ब्रेक से पहले ऋषभ पंत (9 रन) और विराट कोहली (3 रन) पवेलियन लौट गए थे। यशस्वी जायसवाल (4 रन) और शुभमन गिल (1 रन) को मिचेल स्टार्क ने आउट किया था। ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में 445 रन पर ऑलआउट हो गई थी। टीम ने 40 रन बनाने में आखिरी 3 विकेट गंवा दिए हैं। एलेक्स कैरी 70 रन बनाकर आउट हुए। जसप्रीत बुमराह ने 6 विकेट चटकाए थे।

दूसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ट्रैविस हेड (152 रन) और स्टीव स्मिथ (101 रन) के शतकों के सहारे 405 रन बनाए थे। पहले दिन बारिश के कारण 90 में से 13.2 ओवर ही डाले जा सके। भारतीय टीम टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी।

कमेंटेटर ने बुमराह को बंदर कहा, फिर माफी मांगी

इंग्लैंड की ईसा बोलीं- तारीफ कर रही थी, लेकिन शायद गलत शब्द इस्तेमाल हुआ

ब्रिस्बेन, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर और फॉक्स स्पोर्ट्स की कमेंटेटर ईसा गुहा ने जसप्रीत बुमराह से नस्लीय टिप्पणी के लिए माफी मांगी है। ईसा ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (BGT) के गाबा टेस्ट के दूसरे दिन को कमेंट्री के दौरान बुमराह के लिए प्राइमेट शब्द का इस्तेमाल किया था। प्राइमेट का एक अर्थ बंदर भी होता है। इसके बाद मामला तूल पकड़ने लगा तो ईसा ने बुमराह से माफी मांग ली। ईसा गुहा फिलहाल वेस्ट विमेन कमेंटेटर में से एक हैं। वे दुनियाभर की लीग, सीरीज और आईसीसी टूर्नामेंट्स में कमेंट्री करती नजर आती हैं।

अगर मेरे शब्द से ठेस पहुंची तो उसके लिए माफी- ईसा

ईसा ने गाबा में दूसरे दिन बुमराह की तारीफ करते हुए उन्हें 'मोस्ट वैल्यूएबल प्राइमेट' कहा था। इसके बाद ईसा ने तीसरे दिन का खेल शुरू होते ही माफी मांग ली। उन्होंने कहा, मैंने कमेंट्री के दौरान एक शब्द का इस्तेमाल किया था, जिसके कई अर्थ होते हैं। सबसे पहले मैं माफी मांगती हूं। अगर मैंने कुछ गलत कहा या किसी को ठेस पहुंची तो उसके लिए माफी।

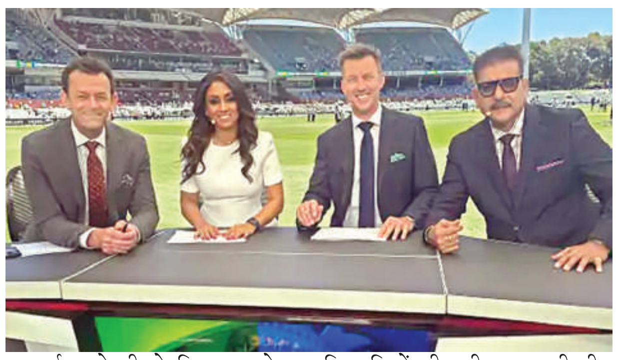

उन्होंने आगे कहा, 'मैं सभी की इज्जत करती हूं, अगर आप कमेंट्री की पूरी ट्रांसक्रिप्ट सुनेंगे तो आप पाएंगे कि मैं भारत के महान खिलाड़ियों की तारीफ कर रही थी। मैं समानता में विश्वास रखती हूं। मैं बस बुमराह की कामयाबी और उपलब्धियों की बात कर रही थी। मैंने शायद उसके लिए गलत शब्द का इस्तेमाल किया, जिसके लिए मैं माफी मांगती हूं।'

ईसा ने 16 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया था

ईसा गुहा इंग्लैंड की पूर्व तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने 16 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। ईसा ने इंग्लैंड के लिए 8 टेस्ट में 29 विकेट लिए। वहीं, 83 वनडे में 101 विकेट अपने नाम किए। ईसा ने टी-20 में 18 विकेट लिए हैं।

दूसरे मैच में सिराज और हेड के बीच बहस हुई

इस मैच से पहले दूसरे मैच के ऑस्ट्रेलिया के पहली पारी को दौरान भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड के बीच बहस हो गई थी। हेड ने सिराज के ओवर में छक्का मारा, फिर सिराज ने अगली ही बॉल पर उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद हेड ने कुछ कहा जिसके बाद सिराज ने भी कुछ शब्द कहे और उन्हें सेंड ऑफ (बाहर जाने का इशारा किया) दिया। फिर हेड ने जाते हुए सिराज से कुछ कहा। ओवर के बाद सिराज को ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों की हूटिंग का सामना भी करना पड़ा। वहीं, ICC ने दोनों प्लेयर्स को 1-1 डिमेरिट पॉइंट दिया। सिराज पर मैच फीस का 20% जुर्माना भी लगाया गया।

2008 सीरीज के दौरान हुआ था मंकीगेट मामला

2007-08 में भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हरभजन सिंह और एंड्रयू सायमंड्स की झड़प हो गई थी। मैच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (SCG) में हो रहा था। सायमंड्स का आरोप था कि भज्जी ने उन्हें मंकी कहा। इस घटना को 'मंकीगेट' कहा जाता है। सिडनी टेस्ट में सायमंड्स बैटिंग कर रहे थे। हरभजन सिंह से उनकी नोंक-झोंक चल रही थी। इस दौरान दोनों के बीच जुबानी जंग भी हुई। बाद में सायमंड्स ने आरोप लगाया कि भज्जी ने उन्हें मंकी कहा।

आईसीसी के नियमों के मुताबिक, यह नस्लीय टिप्पणी थी। तब पूरी सीरीज ही खतरे में पड़ गई थी। मैच रेफरी के सामने सुनवाई हुई।

वर्ल्ड चेस चैंपियन गुकेश भारत लौटे

चेन्नई एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत

चेन्नई, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश भारत लौट आए हैं। सोमवार को चेन्नई एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। 18 साल के भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने सिंगापुर में 12 दिसंबर को वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप का खिताब जीता था।

उन्होंने चीन के डिफेंडिंग चैंपियन डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराया। इतनी कम उम्र में खिताब जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था।

गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह टाइटल जीता। 25 नवंबर को चैंपियनशिप का फाइनल शुरू हुआ था, 11 दिसंबर तक दोनों के बीच 13 गेम खेले गए। स्कोर यहां 6.5-6.5 से बराबर था। गुकेश ने 14वां गेम जीता और एक पॉइंट की बढ़त लेकर स्कोर 7.5-6.5 कर दिया।

विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय खिलाड़ी

गुकेश चेस के वर्ल्ड चैंपियन बनने वाले भारत के दूसरे ही प्लेयर बने। 2012 में विश्वनाथन आनंद चेस चैंपियन बने थे। गुकेश ने 17 साल की उम्र में एफआईडीई कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट भी जीता था। तब वह इस खिताब को जीतने वाले भी सबसे युवा प्लेयर बन गए थे।

गुकेश को मिले 11.45 करोड़ रुपए

इंटरनेशनल चेस फेडरेशन के 138 साल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब एशिया के 2 खिलाड़ी वर्ल्ड चैंपियन के खिताब के लिए आमने-सामने थे। क्लासिकल गेम में एक जीत पर प्लेयर को 1.69 करोड़ रुपए मिले। यानी 3 गेम जीतने पर गुकेश को 5.07 करोड़ और 2 गेम जीतने पर लिरेन को 3.38 करोड़ रुपए सीधे ही मिल गए। बाकी प्राइज मनी दोनों प्लेयर्स में बराबर बांटी गई, यानी गुकेश को 11.45 करोड़ और लिरेन को 9.75 करोड़ रुपए का इनाम मिला।

नागैया इंटरनेशनल चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं।

कपिल देव ने जो पूरे करियर में किया

बुमराह ने 43वें मैच में कर दिखाया, एक साथ तोड़े 2 बड़े रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भारतीय टीम के उप कप्तान और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। पर्थ और एडिलेड के बाद जसप्रीत बुमराह ने गाबा टेस्ट में भी अपना जलवा दिखाया। गाबा में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पंजा खोलकर कपिल देव का एक बड़ा कीर्तिमान ध्वस्त कर दिया। अब उनके निशाने पर मुरलीधरन और वसीम अकरम जैसे दिग्गजों के रिकॉर्ड्स हैं।

एसईएनए देशों में सबसे ज्यादा 5 विकेट हॉल लेने वाले इंडियन बने बुमराह

गाबा टेस्ट के दौरान जसप्रीत बुमराह ने भारत के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव का एक बड़ा रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। जसप्रीत अब साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में सबसे ज्यादा पांच विकेट हॉल लेने वाले भारतीय बॉलर बन गए हैं। उन्होंने आठ बार यह कारनामा किया।

जबकि कपिल देव ने सेना देशों में 7 बार, जहीर खान और बी.एस. चंद्रशेखर ने 6-6 बार पारी में 5 विकेट लिए थे। बता दें कि बुमराह ने यह रिकॉर्ड सिर्फ 6 साल के टेस्ट करियर में ही बना दिया। उनका टेस्ट डेब्यू साल 2018 में हुआ था।

निशाने पर मुरलीधरन-अकरम के रिकॉर्ड्स

बुमराह एक ओर जहां सेना देशों में सबसे ज्यादा फाइफर लेने वाले इंडियन बॉलर बन गए तो वहीं इस मामले में एशियन बॉलर की लिस्ट में वे तीसरे नंबर पर आ गए हैं। सेना देशों में सबसे ज्यादा पांच विकेट लेने वाले एशियन बॉलर्स के मामले में पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज गेंदबाज वसीम अकरम (11) पहले नंबर पर हैं। वहीं श्रीलंका के पूर्व दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन (10) दूसरे स्थान पर हैं। बुमराह की नजरें अब अकरम और मुरलीधरन के रिकॉर्ड ध्वस्त करने पर टिकी होंगी। फिलहाल बुमराह इमरान खान (8) के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर काबिज हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में सबसे तेज 50 विकेट लेने वाले भारतीय भी बने बुमराह

बुमराह ने गाबा टेस्ट में 6 ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को आउट किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अपने 50 टेस्ट विकेट भी पूरे कर लिए हैं। बुमराह ने यह कारनामा सिर्फ 10 मैचों में कर दिया। जबकि कपिल देव ने 11 टेस्ट मैचों में 51 विकेट लिए थे। इस मामले में भी जसप्रीत ने कपिल देव को पछाड़ दिया है। बुमराह ऑस्ट्रेलिया में सबसे तेज 50 टेस्ट विकेट लेने वाले इंडियन बॉलर भी बन गए हैं।

मुंबई फिर बना सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का चैंपियन

बेंगलुरु, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। मुंबई ने 3 साल में दूसरी बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब जीत लिया है। टीम ने बेंगलुरु में मध्य प्रदेश को 5 विकेट से फाइनल हराया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में एमपी ने पहले बैटिंग करते हुए 174 रन बनाए। मुंबई ने 17.5 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

मुंबई से सूर्यकुमार यादव ने 48 रन बनाए। सूर्यांश शेडगे ने 15 गेंद पर 36 और अथर्व अंकोलेकर ने 6 गेंद पर 16 रन की नॉटआउट पारी खेली। एमपी से कप्तान रजत पाटीदार ने 40 गेंद पर 81 रन बनाए। मुंबई इससे पहले 2022 में भी चैंपियन बना था।

टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी एमपी की शुरुआत खराब रही। टीम ने शुरुआती 2 ओवर में ही 2 विकेट गंवा दिए। अर्पित गौड़ 3 और विकेटकीपर हर्ष गवली 2 ही रन बनाकर आउट हो गए। हरप्रीत सिंह भाटिया ने पहले पावरप्ले, फिर पावरप्ले के बाद भी धीमी बैटिंग की। वह 23 गेंद पर 15 रन की पारी खेलकर आउट हुए।

सुभ्रांशु सेनापति ने 17 गेंद पर 23 रन बनाए, लेकिन उन्हें शिवम दुबे ने पवेलियन भेज दिया। उनके बाद रजत पाटीदार एक एंड पर टिके रहे और दूसरे एंड पर विकेट गिरते रहे। वेंकटेश अय्यर ने 9 गेंद पर 17 और राहुल बाथम ने 14 गेंद पर 19 रन बनाए। शिवम शुक्ला और कुमार कार्तिकेय 1-1 रन बना सके, त्रिपुरेश सिंह खाता भी नहीं खोल पाए।

पाटीदार ने 40 गेंद पर 81 रन बनाए, उनकी पारी में 6 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 202.50 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। पाटीदार ने वेंकटेश के साथ 34 और बाथम के साथ 56 रन की पार्टनरशिप की। वह टूर्नामेंट के दूसरे टॉप रन स्कोरर भी हैं।

शार्दूल ने 2 विकेट लिए

मुंबई से शार्दूल ठाकुर और रॉयस्टन दास ने 2-2 विकेट लिए। स्पिनर अथर्व अंकोलेकर ने 1 विकेट लिया। 1-1 विकेट मीडियम पेसर शिवम दुबे और सूर्यांश शेडगे को भी मिला। एक बैटर रनआउट भी हुआ।

175 रन के टारगेट के सामने मुंबई को अच्छी शुरुआत मिली। पृथ्वी शॉ 10 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन टीम ने 5वें ओवर तक स्कोर 48 रन तक पहुंचा दिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 16 रन बनाए। ओपनर अजिंक्य रहाणे ने फिर सूर्यकुमार यादव के साथ स्कोरिंग रेट संभाले रखा।

रहाणे और सूर्या ने फिफ्टी पार्टनरशिप की और स्कोर 100 रन के करीब पहुंचाया। रहाणे 37 रन बनाकर आउट हुए, उनके बाद शिवम दुबे भी 9 ही रन बना सके। सूर्या भी फिर 48 रन बनाकर आउट हो गए।

मुंबई ने 129 रन के स्कोर पर 5 विकेट गंवा दिए, टीम को 32 गेंद पर 46 रन की जरूरत थी। यहां सूर्यांश शेडगे बैटिंग करने उतरे, उन्होंने 3 छक्के और 3 चौके लगाकर 15 ही गेंद पर 36 रन बना दिए। उनके सपोर्ट से अथर्व अंकोलेकर ने 6 गेंद पर 16 रन बनाए और 18वें ओवर में विनिंग सिक्स लगाकर टीम को जिता दिया।

एमपी के लिए तेज गेंदबाज त्रिपुरेश सिंह ने 2 विकेट लिए। शिवम शुक्ला, वेंकटेश अय्यर और कुमार कार्तिकेय को 1-1 सफलता मिली। आवेश खान और राहुल बाथम कोई विकेट नहीं ले सके।

मुंबई से शेडगे ने 36 रन बनाने के साथ 1 विकेट भी लिया था, इसलिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। अजिंक्य रहाणे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे, उन्होंने 9 मैच में 164.56 के स्ट्राइक रेट से 469 रन बनाए। एमपी के कप्तान रजत पाटीदार 428 रन बनाकर दूसरे टॉप स्कोरर रहे।

बांग्लादेश पहली बार वेस्टइंडीज में टी-20 मैच जीता

विंडीज को पहले मैच में 7 रन से हराया; मेहदी हसन प्लेयर ऑफ द मैच

खेल डेस्क, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने पहले टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को 7 रन से हरा दिया है। बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को उसके घर पर पहली बार टी-20 में हराया है। सोमवार को सेंट विंसेंट में खेले गए मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 147 का स्कोर बनाया। जवाब में विंडीज टीम 19.5 ओवर में 140 रन पर ही सिमट गई।

बांग्लादेश ने 3 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। दूसरा मैच 18 दिसंबर को किंग्सटन में खेला जाएगा। ऑलराउंडर मेहदी हसन पहले 26 रन बनाकर नाबाद रहे। उसके बाद 4 विकेट भी झटके। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

सरकार बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा 43 रन बनाए

टॉस हारकर पहले खेलते हुए बांग्लादेश ने 30 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद सौम्य सरकार और जाकेर अली ने पारी को संभाला। सौम्य ने 32 बॉल पर 43 रन और जाकेर ने 27 बॉल पर 27 रन बनाए। मेहदी हसन ने नाबाद 26 रन की पारी खेली। आखिर में शमीम हुसैन ने 13 गेंदों में 27 रन बनाकर टीम को 147 रन के स्कोर तक पहुंचाया। वेस्टइंडीज के लिए अकील हुसैन और ओबेड मैकॉय ने 2-2 विकेट झटके। रोस्टन चेज और रोमारियो शेफर्ड को 1-1 विकेट मिला।

टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज ने 38 रन के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा दिए। कप्तान रोवमैन पॉवेल ने अर्धशतक लगाया, लेकिन जीत नहीं दिला सके। पॉवेल ने 35 बॉल पर 60 रन बनाए। रोमारियो शेफर्ड ने 22 और जोनसन चार्ल्स 20 रन का योगदान दिया। बांग्लादेश के लिए मेहदी हसन ने 4 विकेट झटके। तस्कीन अहमद और हसन महमूद ने 2-2 विकेट लिए। तंजीम हसन और रिशाद हुसैन को 1-1 विकेट मिला।

यशस्वी जायसवाल की भी वही कमजोरी

जिससे परेशान हैं रोहित-विराट, ब्रिसबेन में छठी बार हुआ ये हाल

ब्रिस्बेन, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हर मैच और हर पारी के साथ भारतीय टीम की बल्लेबाजी फेल होती जा रही है। पर्थ टेस्ट की पहली पारी में बुरी तरह फेल होने के बाद भारतीय बल्लेबाजों ने वापसी जरूर की थी लेकिन उसके बाद एडिलेड में भी नाकामी मिली और अब ब्रिसबेन टेस्ट की पहली पारी में भी बुरे हाल हो गए हैं। अब कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली तो पहले ही खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं लेकिन युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल का बल्ला भी खामोश हो रहा है और अब तो उनकी एक बड़ी कमजोरी भी सामने आ गई है। बाएं हाथ के युवा ओपनर जायसवाल पहली बार ही ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आए हैं। उनके लिए पर्थ में शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और पहली पारी में सस्ते में चलते बने थे। दूसरी पारी में हालांकि उन्होंने एक शानदार शतक जमाकर टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई थी। इसके बाद से लगातार 3 पारियों में उन्हें निराशा हाथ लगी है। एडिलेड में 0 और 24 के स्कोर के बाद ब्रिसबेन टेस्ट की पहली पारी में वो सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गए।

अपने पहले ही ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जायसवाल का ऐसा हाल होना ज्यादा चौंकाने वाला नहीं है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया में अक्सर बल्लेबाजों को पहले दौरे पर आसानी से सफलता नहीं मिलती। मगर इस सीरीज की 5 पारियों में उनकी एक ऐसी कमजोरी निकलकर सामने आई है, जो उनके लिए आगे चलकर खतरा बन सकती है। ये कमजोरी है बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ नाकामी। ये वही कमजोरी है, जिससे रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार बल्लेबाज भी परेशान हैं।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में जायसवाल को 5 में से 3 बार बाएं हाथ के दिग्गज पेसर मिचेल स्टार्क ने आउट किया है, जिसमें से 2 बार वो खाता भी नहीं खोल सके। ब्रिसबेन में भी पारी की पहली गेंद पर चौका जमाने के बाद दूसरी ही गेंद पर वो आउट हो गए। अगर बात सिर्फ इस सीरीज की होती तो ये संयोग हो सकता था लेकिन पिछले साल साउथ अफ्रीका दौरे पर भी 4 पारियों में से 3 बार उन्हें बाएं हाथ के पेसर नांद्रे बर्गर ने आउट किया था। इस तरह अपने 17 टेस्ट मैच के करियर में ही यशस्वी जायसवाल को 6 बार बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों ने अपना शिकार बनाया है। उसमें भी दो गेंदबाजों ने ही 3-3 बार ये काम किया है। बात सिर्फ तेज गेंदबाजों तक ही सीमित नहीं है। जायसवाल का यही हाल बाएं हाथ के स्पिनर्स के खिलाफ भी है और यहां भी वो 6 बार आउट हुए हैं। हालांकि, इसमें फर्क ये है कि ज्यादातर स्पिनर्स के खिलाफ वो बड़े शॉट्स लगाते हुए आउट हुए हैं। यानि अपने टेस्ट करियर में अभी तक जायसवाल 12 बार लेफ्ट आर्म बॉलर्स के खिलाफ विकेट गंवा चुके हैं।

यूएई के गेंदबाज जहूर खान ने रचा इतिहास

बने टी-10 लीग में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज

खेल डेस्क, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। यूएई के गेंदबाज जहूर खान ने लंका टी-10 सुपर लीग में इतिहास रच दिया है, जहां वो इस टूर्नामेंट में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। लीग में गॉल मार्वल्स की तरफ से खेलने वाले इस खिलाड़ी ने कोलंबो जगुआर के पुछल्ले बल्लेबाजों को चकमा देते हुए हैट्रिक पूरी की। उन्होंने यह उपलब्धि लंका टी10 सुपर लीग के 14वें मैच में हासिल की। पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में उनकी हैट्रिक ने मैच देखने आए फैंस को रोमांचित कर दिया।

यूएई के गेंदबाज जहूर खान ने नौवें ओवर की दूसरी गेंद पर सबसे पहले एंजेलो मैथ्यूज को आउट किया। अगले नंबर पर बैटिंग करने आए सदीरा समरविक्रमा को एक बेहतरीन आउट स्विंग पर जहूर ने क्लीन बोल्ड कर दिया। जहूर ने अगली गेंद पर मथीशा पथिराना को पवेलियन भेजकर अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके साथ ही जहूर लंका टी-10 सुपर लीग के इतिहास में हैट्रिक हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

सात विकेट से जीता गॉल मार्वल्स

मैच में गॉल मार्वल्स ने कोलंबो जगुआर के खिलाफ 7 विकेट से आसान जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए जगुआर को मार्वल्स के गेंदबाजों ने सिर्फ 82 रनों पर रोक दिया। जहूर खान मार्वल्स के लिए सबसे बेहतरीन गेंदबाज रहे, जिन्होंने 15 रन देकर 4 विकेट चटकाए। उनके अलावा कप्तान महेश तीक्षणा और जेफरी वेंडरसे ने भी इस दौरान 2-2 विकेट चटकाए। जगुआर के लिए नजीबुल्लाह जादरान और डैन लॉरेंस ने 20 से ज्यादा रन बनाए।

हेल्स-डिकवेला ने टीम को दी मजबूत शुरुआत

इसके जवाब में मार्वल्स को अच्छी शुरुआत मिली, जहां एलेक्स हेल्स और निरोशन डिकवेला ने शुरुआती पावरप्ले में गेंदबाजों पर कोई रहम नहीं दिखाया। हेल्स ने 18 गेंदों पर 38 रन बनाए, जबकि डिकवेला ने भी 20 रन की उपयोगी पारी खेली। गॉल मार्वल्स ने 17 गेंदें शेष रहते आसानी से टारगेट हासिल कर लिया, जिससे उसका टूर्नामेंट में नेट रन रेट भी बढ़ गया।

यूएई के गेंदबाज जहूर ने अब तक 62 वनडे मैच खेले हैं और इनमें 93 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनका इकॉनमी रेट 5.01 का रहा है। जहूर अबू धाबी टी-10 लीग में भी अहम खिलाड़ी रहे हैं, जहां उन्होंने 29 मैचों में 15 विकेट झटके हैं। इसके अलावा उन्होंने 57 टी-20 इंटरनेशनल मैच भी खेले हैं, जिसमें उन्होंने 6.81 की इकॉनमी रेट से 72 विकेट लिए हैं।

बीआरएस को तेलुगु तल्ली पर लड़ने का कोई अधिकार नहीं : विजयशांति

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता-राजनेता विजयशांति ने सोमवार को कहा कि बीआरएस को 'तेलुगु तल्ली' (मां तेलंगाना) प्रतिमा के डिजाइन में बदलाव को लेकर लड़ने का कोई अधिकार नहीं है। विजयशांति ने याद किया कि 2007 में पहली तेलुगु तल्ली प्रतिमा का अनावरण उनके द्वारा गठित तल्ली तेलंगाना पार्टी ने किया था। 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि बीएस रामुलु ने तेलुगु तल्ली को गरीब, कमजोर और हाशिए पर पड़े समुदायों की मां के रूप में डिजाइन किया था। विजयशांति (जो अब कांग्रेस के साथ हैं) ने कहा कि तत्कालीन टीआरएस (जो अब

बीआरएस है) ने तेलुगु तल्ली को डिजाइन नहीं किया था। उन्होंने लिखा कि टीआरएस (बीआरएस) ने अपने कार्यालय में तेलुगु तल्ली की एक प्रतिमा का अनावरण किया। हालांकि, 10 साल तक जब वे सत्ता में थे, उन्होंने कभी भी तेलुगु तल्ली को आधिकारिक दर्जा और सम्मान नहीं दिया। दिग्गज अभिनेता से राजनेता बने इस नेता ने उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में वर्तमान कांग्रेस सरकार ने तेलुगु तल्ली को आधिकारिक दर्जा और सम्मान दिया और इसके लिए सरकारी नीति भी निर्धारित की।

उन्होंने पूछा कि बीआरएस जैसी राजनीतिक पार्टी को तेलुगु तल्ली के डिजाइन में बदलाव को लेकर लड़ने का अधिकार कैसे है? पूर्व सांसद ने कहा कि तेलंगाना कार्यकर्ता तब भी लड़ सकते थे जब बीआरएस ने तेलंगाना तल्ली के डिजाइन को बदला था।

भारत की ऐतिहासिक जीत को भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ किया याद

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की जीत की 53वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 'विजय दिवस' समारोह के हिस्से के रूप में, जो पाकिस्तान के पूर्वी सेना कमांडर द्वारा 'आत्मसमर्पण के दस्तावेज' पर हस्ताक्षर करने के साथ समाप्त हुआ, सोमवार को सिकंदराबाद के जनरल केवी कृष्ण राव परेड ग्राउंड के पास वीरुला सैनिक स्मारक में एक भव्य पुष्पांजलि समारोह का आयोजन किया गया।

पुष्पांजलि समारोह का आयोजन भारत की सैन्य विजय और उसके सशस्त्र बलों की बहादुरी को याद करने तथा देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए किया गया था। वीरुला सैनिक स्मारक में आयोजित समारोह में भूतपूर्व सैनिकों, आर्मी पब्लिक स्कूलों के छात्रों, सैनिकों और वरिष्ठ सशस्त्र बलों ने भाग लिया। अधिकारियों ने युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर और उसके पुष्पांजलि अर्पित कर वीरों को श्रद्धांजलि दी, जिसके बाद मुख्य अतिथि एयर वाइस मार्शल पीएस वडोदकर, कमांडेंट, कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर ने जनता के बीच राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा दिया। इस कर्टेन रेजर कार्यक्रम ने तीनों सेनाओं के कर्मियों, दिग्गजों और स्कूली छात्रों के साथ सेना दिवस परेड 2025 के आगामी समारोहों की भी शुरुआत की।

लाल गडी मलकपेट में प्राचीन काकतीय मंदिर खंडहर में तब्दील

जीर्णोद्धार की उठी मांग

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोठा तेलंगाना चरित्र ब्रृंदम के सदस्यों ने हाल ही में मेडचल जिले के तुर्कपल्ली, जीनोम घाटी, लाल गडी मलकपेट में जीर्ण-शीर्ण काकतीय मंदिर का दौरा किया और कहा कि सदियों पुराने मंदिर की संरचना को बचाया जाना चाहिए और इसके गौरव को वापस लाया जाना चाहिए। कोठा तेलंगाना चरित्र ब्रृंदम के तीन सदस्यीय दल, जिसमें श्रीरामोजु हरगोपाल, मोहम्मद नसीरुद्दीन और मोहम्मद इमरान शामिल थे, ने हाल ही में मंदिर का दौरा किया और कहा कि यह पूरी तरह से प्रारंभिक काकतीय शैली में बनाया गया था।

इस मंदिर में मुखमंटपम, रंगमंटपम, अंतरालम और गर्भगुडी हैं। मंदिर के ऊपर कोई विमान नहीं है। मंटपम और अंतरालम में भुवन मूर्तियां हैं। प्रवेश द्वार के दोनों ओर शैव द्वारपालक हैं। गर्भगुडी के पीछे एक टूटी हुई 'प्रणाली' है। इस समतल और शैव द्वारपालकों

के आधार पर, जो कि शिवलिंग अभिषेकम के पानी को निकालने के लिए रखे गए थे, इस मंदिर को एक शिव मंदिर कहा जा सकता है।

मुखमंटपम 24 स्तंभों से बना है और रंगमंटपम कक्षासन में 16 स्तंभों से बना है। दरवाजों पर स्तंभ हैं और सामने की छवि के रूप में गजलक्ष्मी की मूर्तियां हैं। गर्भगृह का पूरा उत्खनन हो चुका है। शिवलिंग और पनवत्त जो वहां होने चाहिए थे, वे वहां नहीं हैं। केवल भुवन मूर्ति ही उजागर हुई है। जीर्ण-शीर्ण अवस्था में होने के बावजूद मंदिर का जीर्णोद्धार आसानी से किया जा सकता है। मंदिर में छोटे-मोटे परिवर्तन करके उसे उसके पुराने गौरव पर वापस लाया जा सकता है। मंदिर में शिवलिंग, पनवत्ता और नंदी की मूर्तियां स्थापित की जा सकती हैं, गर्भगृह को ढका जा सकता है और भुवन मूर्ति को उसी तरह स्थापित करके बनाया जा सकता है।

हथकड़ी लगे किसान को न्याय दिलाने के लिए प्रदर्शन

तत्काल रिहाई की मांग की

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्षी बीआरएस ने लगाचेरला घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किसानों के साथ कथित दुर्व्यवहार को लेकर तेलंगाना विधानसभा परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

बीआरएस विधायक हाथों में तख्तियां लेकर विधानसभा भवन पहुंचे और गिरफ्तार किसानों में से एक को हथकड़ी लगाए जाने के खिलाफ नारे लगाए। पुलिस और विधानसभा सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें यह कहते हुए रोक दिया कि तख्तियां लेकर परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव और वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव समेत कई विधायक विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने सभी किसानों की तत्काल रिहाई की मांग की।

संगारेड्डी जेल में बंद एक किसान को 12 दिसंबर को सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल ले जाते समय हथकड़ी लगा दी गई। आदिवासी किसान हिर्या नाइक को विकाराबाद जिले के लगाचेरला गांव में एक फार्मा क्लस्टर के लिए भूमि अधिग्रहण पर सार्वजनिक सुनवाई के दौरान अधिकारियों पर हमला करने के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था।

घटना को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने जांच के आदेश दिए थे। उसी दिन संगारेड्डी सेंट्रल जेल के अधीक्षक संतोष रॉय और जेलर पी. संजीव रेड्डी को निलंबित कर दिया गया था। इस बीच, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने किसानों की गिरफ्तारी और हाल ही में अभिनेता अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में उनके लगातार दौरे को लेकर भी मुख्यमंत्री की आलोचना की।

रामाराव ने 'एक्स' पर लिखा कि तेलंगाना विधानसभा में 'पर्यटन नीति' पर चर्चा प्रस्तावित है। कांग्रेस सरकार ने इस क्षेत्र में दो विशिष्ट क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है: 1. दिल्ली पर्यटन- मुख्यमंत्री और सभी मंत्रियों की संयुक्त रूप से 100 से अधिक यात्राएं! 2. जेल पर्यटन- कोडंगल के 40 किसान जेल में (जमानत के बाद भी अभिनेता जेल में) सोशल मीडिया योद्धाओं को जेल भेजा जा रहा है- एलएनटी सीएफओ को जेल भेजने की धमकी दी जा रही है।

शिकायतों का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए : जीएचएमसी आयुक्त

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त इलांबर्ती ने अधिकारियों को प्रजावाणी कार्यक्रम को प्राथमिकता देकर शिकायतों का तुरंत समाधान करने का निर्देश दिया है।

आयुक्त ने सोमवार को जीएचएमसी प्रधान कार्यालय में आयोजित एक सार्वजनिक संबोधन कार्यक्रम में भाग लिया और उन लोगों से आवेदन प्राप्त किए, जो अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आए थे। इस अवसर पर आयुक्त ने अधिकारियों को समय-समय पर जनता से प्राप्त आरजी पर गौर करने और समस्याओं का त्वरित समाधान करने की सलाह दी। लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारी विशेष पहल करें।

प्रजावाणी फोन-इन कार्यक्रम के माध्यम से 4 अनुरोध प्राप्त हुए, जिन्हें समाधान हेतु संबंधित विभागों को भेजा गया। जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में 43 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से टाउन प्लानिंग विभाग से 19, इंजीनियरिंग से 9, एफए अनुभाग से 4, इलेक्ट्रिकल, शहरी जैव विविधता से 2, कर, प्रशासन, खेल, संपदा, स्वास्थ्य और झील विभाग, स्वच्छता से 2-2 शिकायतें प्राप्त हुईं। जीएचएमसी के तहत छह क्षेत्रों में कुल 99 आवेदन प्राप्त हुए। उसमें से कुकटपल्ली जोन में 53, सिकंदराबाद जोन में 20, सेरिलिंगमपल्ली जोन में 12, चारमीनार जोन में 8, एलबीनगर जोन में 6 और खैरताबाद जोन में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त शिव कुमार नायुडू, सुभद्रा देवी, नलिनी पद्मावती, पंकजा, सरोजा, चंद्रकांत रेड्डी, सत्यनारायण, रघु प्रसाद, यादगिरी राव, वेणु गोपाल रेड्डी, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, प्रदीप, एसीपी सुदर्शन, संपदा अधिकारी श्रीनिवास रेड्डी उपस्थित थे। वाटर वर्क्स डी.जी.एम. साई राम, लेक्स ईई नारायण, हाउसिंग ईई राजेश्वर, यूबीडी निदेशक श्रीनिवास राव, खाद्य सुरक्षा सहायक नियंत्रक मूर्ति राजू, एएमसी जीवन कुमार, शारदा और अन्य ने भाग लिया।

यूएई में बाइक राइडर्स के लिए भर्ती

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी लिमिटेड (टॉमकॉम), जो श्रम, रोजगार प्रशिक्षण और कारखानों विभाग के तहत एक पंजीकृत भर्ती एजेंसी है, शुक्रवार 20 दिसंबर को आईटीआई मल्लेपल्ली कैंपस, विजयनगर कॉलोनी, हैदराबाद में दुबई (यूएई) में बाइक राइडर्स (डिलीवरी बॉय) के लिए अंतिम ग्राहक साक्षात्कार आयोजित कर रही है। उम्मीदवारों के पास कम से कम एसएससी पास होना चाहिए और उनके पास कम से कम 3 साल पुराना ड्राइविंग लाइसेंस होना चाहिए और उनकी आयु 21 से 38 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उन्हें अपने साथ पासपोर्ट भी लाना होगा।

691 करोड़ के लंबित विधेयकों को लेकर बीआरएस ने किया वाकआउट

शीघ्र ही कर दिया जाएगा बिलों का भुगतान : मंत्री

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में विपक्षी बीआरएस ने सोमवार को कांग्रेस सरकार पर ग्राम पंचायतों, जिला परिषदों और अन्य से संबंधित लंबित विधेयकों को मंजूरी नहीं देने का आरोप लगाते हुए विधानसभा से बहिर्गमन किया। इस मुद्दे पर बीआरएस विधायक टी हरीश राव के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, पंचायत राज मंत्री डी अनसूया सीतक्का ने कहा कि ग्राम सरपंचों (उनका कार्यकाल समाप्त हो गया है) को 1 नवंबर, 2024 तक भुगतान की जाने वाली राशि 691 करोड़ रुपये से अधिक है। उन्होंने कहा कि बिलों का भुगतान शीघ्र ही कर दिया जाएगा।

राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार बड़े ठेकेदारों के बिलों का भुगतान कर रही है, लेकिन पिछले एक साल से 691 करोड़ रुपये का भुगतान किए बिना (पूर्व) सरपंचों और अन्य ग्रामीण स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों को परेशान कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने 'पल्ले प्रगति' (गांवों की प्रगति) योजना के तहत हर महीने 275 करोड़ रुपये और 'पटना प्रगति' (शहरों की प्रगति) योजना के तहत 150 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए थे, लेकिन कांग्रेस ने पिछले साल के दौरान एक भी रुपया जारी नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरपंचों ने व्यक्तिगत ऋण लेकर गांवों में काम कराया था और अब धनराशि जारी न होने के कारण वे गंभीर संकट में हैं।

राव ने कहा कि हालांकि सरपंचों और अन्य ग्रामीण स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त हो गया है, लेकिन उनका वेतन अभी भी लंबित है। उन्होंने इस बात का स्पष्ट उत्तर मांगा कि बिलों का भुगतान कब किया जाएगा। मंत्री सीतक्का ने कहा कि लंबित विधेयक कांग्रेस सरकार को पिछली बीआरएस सरकार से विरासत में मिले हैं। उन्होंने कहा कि लंबित विधेयकों की यह स्थिति 2014 से ही है (जब तेलंगाना के गठन के बाद बीआरएस ने सत्ता संभाली थी), मंत्री ने कहा कि वह बीआरएस सदस्यों के साथ ब्योरा साझा करने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा कि राव बीआरएस सरकार के दौरान वित्त मंत्री थे और वह सत्ता में रहते हुए भी इन विधेयकों को मंजूरी दे सकते थे। उन्होंने कहा कि सरकार बीआरएस व्यवस्था के कारण उत्पन्न खराब वित्तीय स्थिति को देखते हुए बकाया राशि जारी करने के लिए समय मांग रही है। हालांकि, राव ने लंबित विधेयकों को निपटाने के लिए मंत्री द्वारा कोई समयसीमा नहीं बताए जाने पर असंतोष जताया और बीआरएस विधायकों के वॉकआउट की घोषणा की। बीआरएस सदस्य पल्ला राजेश्वर रेड्डी, कोवा लक्ष्मी, भाजपा विधायक के वेंकट रमण रेड्डी और कांग्रेस सदस्य एन राजेंद्र रेड्डी ने भी बात की।

दुबई में पर्यटक वीजा पर नौकरी करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

अधिकारियों ने और कड़े किए नियम

दुबई, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विदेशियों और विशेषकर भारतीयों द्वारा पर्यटक वीजा के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग से निपटने के लिए, दुबई के अधिकारियों ने पर्यटक वीजा जारी करने के नियमों को कड़ा कर दिया है। हर दिन की तरह, हजारों विदेशी पर्यटक वीजा पर दुबई आते हैं और फिर नौकरी की तलाश करते हैं।

कई कंपनियां झूठे बहाने से काम का प्रस्ताव देकर पर्यटक वीजा धारकों का शोषण भी करती हैं। अपनी सख्त नीतियों को और सख्त करते हुए दुबई ने नए वीजा नियम लागू किए हैं, जिसके तहत प्रस्तावित पर्यटक के साथ संबंध और मेजबान द्वारा आवास की सुविधा को भी साबित करना होगा। वीजा आवेदक को वित्तीय स्थिति भी साबित करनी होगी।

नए नियमों के अनुसार, दुबई में परिवार के साथ रहने की योजना बनाने वाले यात्रियों को वीजा आवेदन प्रक्रिया के दौरान अपने मेजबान का रेंटल एग्रीमेंट, रेजीडेंसी वीजा, संपर्क विवरण के अलावा वापसी टिकट भी देना होगा।

जो लोग होटलों में रहना चाहते हैं, उन्हें होटल बुकिंग विवरण देना होगा। हैदराबाद से ताल्लुक रखने वाले दुबई के एक प्रमुख ट्रैवल एजेंट, जिनकी एजेंसी प्रतिदिन औसतन 300 पर्यटक वीजा का प्रसंस्करण करती है, कहते हैं कि यदि यह छोटा सा घर या स्टूडियो अपार्टमेंट है, तो वीजा आवेदन अस्वीकार कर दिया जाएगा।

सिकंदराबाद-तारनाका सड़क पर ईंधन टैंकर पलटा

अधिकारियों ने तुरंत सुचारू किया यातायात और रोकी बड़ी दुर्घटना

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार दोपहर मेट्टूगुडा के रेल निलयम के पास व्यस्त सिकंदराबाद-तारनाका मुख्य मार्ग पर एक ईंधन टैंकर पलट जाने के बाद समय पर प्रतिक्रिया करते हुए अधिकारियों ने यातायात को सुचारू करने और किसी भी बड़ी दुर्घटना और यातायात जाम को टालने में कामयाबी हासिल की। हादसा उस समय हुआ जब ड्राइवर जंक्शन के पास मोड़ पर गाड़ी मोड़ रहा था। सोमवार दोपहर करीब 12.30 बजे हुए इस हादसे की वजह से फ्यूल टैंकर से डीजल लीक होने लगा।

उस मार्ग पर आने वाले वाहन चालकों को फिसलने से बचाने और अंततः बड़े यातायात जाम की स्थिति पैदा होने से बचाने के लिए, एक सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध कार्रवाई में, कानून और व्यवस्था पुलिस अधिकारियों ने क्रेन की मदद से टैंकर को उठाने का निर्णय लिया। यातायात अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के बीच समन्वित प्रयास से क्रेन की मदद से ईंधन टैंकर को सीधा किया गया और यातायात को फिर से शुरू करने के लिए पर्याप्त जगह बनाई गई। अग्निशमन विभाग के कर्मियों सहित अधिकारियों ने तुरंत रेत लाने और उसे सड़क पर फैलाने की व्यवस्था की, जहां टैंकर से तेल गिरा था। इस बीच, बचाव अभियान के दौरान, यातायात अधिकारियों ने यातायात को अस्थायी रूप से डायवर्ट कर दिया। फरार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

साइबर धोखाधड़ी में गृहिणी को 4.5 लाख रुपये का नुकसान

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की एक 40 वर्षीय गृहिणी साइबर धोखेबाजों का नवीनतम शिकार बन गई, जिसने निवेश धोखाधड़ी में लगभग 4.5 लाख रुपये गंवा दिए। पीड़ित को उसके व्हाट्सएप पर स्कैमर्स से एक संदेश मिला, जो एक ट्रेड मार्केटिंग निवेश योजना का प्रचार कर रहे थे। उन्होंने दावा किया कि इस काम में वीडियो और फोटो को लाइक, रेटिंग और शेयर करके बढ़ावा देना शामिल था। शुरुआत में, स्कैमर्स ने पीड़ित को 5-स्टार रेटिंग देने का काम सौंपा। कार्य पूरा करने के बाद, पीड़ित को शुरू में मामूली भुगतान मिला।

साइबर क्राइम पुलिस ने बताया कि इससे पीड़िता को विश्वास हो गया कि यह योजना असली है। उसने काम शुरू करने के बारे में पूछताछ की और घोटालेबाजों ने उसे व्हाट्सएप के जरिए अकाउंट बनाने के लिए एक लिंक भेजा। साइबर क्राइम के एक अधिकारी ने बताया कि जॉइन करने के बाद, स्कैमर्स ने पीड़िता को 1,000 रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया और उसे आश्वासन दिया कि उसे बदले में 1,300 रुपये मिलेंगे। वादे के मुताबिक, पैसे वापस कर दिए गए। इसके बाद, पीड़िता को दूसरा काम दिया गया और उसने निर्देशों का पालन करना जारी रखा। समय के साथ, स्कैमर्स ने पीड़ित को लगातार बड़ी रकम निवेश करने के लिए राजी किया, और महत्वपूर्ण रिटर्न का वादा किया। कुल 4.5 लाख रुपये वसूलने के बाद, घोटालेबाजों ने पैसे लौटाना बंद कर दिया। वे मुनाफे के साथ-साथ रिफंड का वादा करते रहे, लेकिन अतिरिक्त भुगतान की मांग करते रहे, जो पीड़िता को नहीं मिला। पीड़िता ने हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जो मामले की जांच कर रही है।

ग्रुप-2 की परीक्षा दे रही थी मां

मासूम नवजात को संभाल रही थी होमगार्ड

राजन्ना-सिरसिल्ला, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप II परीक्षा केंद्र में वर्दीधारी होमगार्ड की गोद में आनंद ले रहे दो महीने के नवजात की दिल को छू लेने वाली तस्वीरें और वीडियो वेमुलावाड़ा और अन्य क्षेत्रों में स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुपों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर व्यापक रूप से साझा की जा रही हैं।

यह घटना उस समय हुई जब नवजात की मां सोमवार को ग्रुप-2 की परीक्षा देने में व्यस्त थी। परीक्षा के दूसरे दिन, मां अपनी दो महीने की नवजात को सास के पास छोड़कर वेमुलावाड़ा के दमिका डिग्री कॉलेज में परीक्षा देने आई थी।

थोड़ी देर बाद नवजात रोने लगी और बुजुर्ग महिला को उसे संभालने में दिक्कत होने लगी।

तभी परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड शहनाज ने हस्तक्षेप किया। शहनाज ने नवजात को गोद में लिया और धीरे-धीरे उसके साथ बैठ गई, उसे अपनी गोद में लेकर खेलने लगी और धीरे-धीरे नवजात ने रोना बंद कर दिया और शहनाज के साथ खेलने लगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.